{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 12 जुलाई 2026
आषाढ़ कृष्ण 11 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 288
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 77,569.39
निफ्टी - 24,206.90
सोना - 1,52,621
चांदी - 2,35,000
डॉलर - 95.33

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

दिग्गज गायिका एस. जानकी का 88 वर्ष की उम्र में निधन

मैसूरु । भारतीय सिनेमा की महान पार्श्व गायिकाओं में शुमार एस. जानकी का शनिवार को मैसूरु में 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं और अपोलो अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से भारतीय फिल्म और संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गई। एस. जानकी को दक्षिण भारतीय संगीत जगत की नाइटिंगेल ऑफ साउथ इंडिया के नाम से जाना जाता था। छह दशक से अधिक लंबे अपने करियर में उन्होंने तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, हिंदी सहित कई भारतीय भाषाओं में हजारों गीत गाए। उनकी मधुर आवाज़ और भावपूर्ण गायकी ने उन्हें देश की सबसे सम्मानित पार्श्व गायिकाओं में शामिल किया।

दिल्ली में लगेगा पहला 'सोलर ट्री'

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में एक नई पहल शुरू होने जा रही है। दिल्ली सरकार राजधानी का पहला सोलर ट्री स्थापित करने की तैयारी कर रही है। यह पायलट परियोजना दिल्ली सचिवालय परिसर में लगाई जाएगी, जहां मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यालय स्थित हैं। यदि यह परियोजना सफल रहती है तो इसे शहर के प्रमुख चौराहों, पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर भी लगाया जाएगा। सोलर ट्री एक विशेष धातु संरचना होती है, जिसे पेड़ का आकार दिया जाता है। इसकी शाखाओं पर सौर पैनल लगाए जाते हैं, जिससे कम जगह में अधिक सौर ऊर्जा का उत्पादन संभव हो पाता है। इस तकनीक का सबसे बड़ा लाभ यह है कि घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों में भी बिना अधिक भूमि घेरते हुए स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन किया जा सकता है।

कार की ट्रक से टक्कर, 4 लोगों की मौत

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ जिले में शनिवार सुबह सडक़ हादसे में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। 4 अन्य घायल हो गए। हादसा माजेवाड़ी गांव के पास उस समय हुआ, जब बनासकांठा जिले का परिवार एक रिश्तेदार की अस्थियां विसर्जित करने के लिए सोमनाथ जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, कार सडक़ किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में चार अन्य लोग घायल हुए हैं। इनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की वजह पता नहीं चली है।

कुछ ना कहना

18 साल बाद फिर दतिया के रण में घनश्याम सिंह

कांग्रेस ने पूर्व सांसद के बेटे को दिया टिकट, दिलचस्प हुआ मुकाबला

दतिया। दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने पूर्व विधायक एवं दतिया राजपरिवार के संरक्षक घनश्याम सिंह के नाम पर मोहर लगा दी है। इस उपचुनाव में उनका मुकाबला भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी से होगा। 71 वर्षीय घनश्याम सिंह ने एमए तक शिक्षा प्राप्त की है। उनके पिता महाराज कृष्णसिंह जूदेव वर्ष 1984 में भिंड-दतिया लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के सांसद भी रहे थे। स्वयं घनश्याम सिंह दतिया विधानसभा क्षेत्र से दो बार और सेवढ़ा विधानसभा क्षेत्र से एक बार विधायक रह चुके हैं।

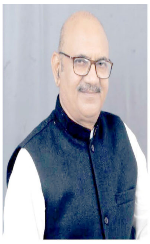

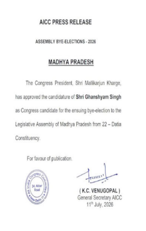

AICC PRESS RELEASE

ASSEMBLY BYE-ELECTIONS - 2026

MADHYA PRADESH

The Congress President, Shri Mallikarjun Kharge, has approved the candidature of **Shri Ghanshyam Singh** as Congress candidate for the ensuing bye-election to the Legislative Assembly of Madhya Pradesh from 22 – Datia Constituency.

For favour of publication.

(K.C. VENUGOPAL)
General Secretary AICC
11th July, 2026

राजनीतिक सफर की शुरुआत और पहली जीत

घनश्याम सिंह ने वर्ष 1993 में कांग्रेस के टिकट पर अपना पहला विधानसभा चुनाव जीता था। लेकिन 1998 के विधानसभा चुनाव में उन्हें पार्टी से टिकट नहीं मिल सका था। इसके बाद वर्ष 2003 में कांग्रेस ने दोबारा उन पर भरोसा जताया। इस बार उन्होंने राजेंद्र भारती को हराकर विधानसभा में वापसी की।

नरोत्तम मिश्रा से हार और सेवढ़ा का रुख

लेकिन 2008 के चुनाव में उन्हें भाजपा के उम्मीदवार डा.नरोत्तम मिश्रा से पराजय का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने सेवढ़ा विधानसभा का रुख किया और वहां से एक बार विधायक बने। दतिया के बाद कांग्रेस ने वर्ष 2013 में घनश्याम सिंह को सेवढ़ा विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा। यहां वे भाजपा के प्रदीप अग्रवाल से करीब 1800 मतों के अंतर से हार गए।

सेवढ़ा में जीत-हार और 18 साल बाद दतिया वापसी

लेकिन वर्ष 2018 में उन्होंने भाजपा के राधेलाल बघेल को बड़े अंतर से हराकर जीत दर्ज की। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने एक बार फिर उन्हें सेवढ़ा से प्रत्याशी बनाया, लेकिन इस बार भाजपा के प्रदीप अग्रवाल से ही उनका मुकाबला हुआ। जिसमें वह पराजित हो गए। अब एक बार फिर 18 साल बाद घनश्याम सिंह दतिया से ही चुनाव मैदान में उतरे हैं।

दतिया में नरोत्तम के समर्थकों ने पुलिस पर बरसाए पत्थर, गाड़ियों में तोड़फोड़ कर पलटा

छह पुलिसकर्मी घायल, एसपी मयूर खंडेलवाल और एडिशनल एसपी को भी आई चोटें

भोपाल। मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव के बीच बीती रात नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने और युवा नेता आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद से जिलेभर में नरोत्तम के समर्थकों ने बवाल मचा दिया। करीब 18 घंटे बाद पूर्व गृहमंत्री नरोतत्म मिश्रा की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। मीडिया द्वारा घटना पर सवाल किए जाने पर उन्होंने कार्यकर्ताओं और समर्थकों से अपील की है। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि ये पार्टी का फैसला है। मुझे विजुअल्स दिखाए गए हैं, पेट्रोल डालते हुए कार्यकर्ताओं के। ऐसा कोई कार्य न करें। पार्टी के फोरम पर अपने तरीके से बात कही जाती है। इस तरीके से व्यक्त नहीं की जाती।

नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने के बाद उनके समर्थकों का बवाल शनिवार को दूसरे दिन और तेज हो गया। सुबह 4 बजे से उनके समर्थकों ने नेशनल हाईवे-44 को जाम कर दिया। पुलिस वाहन समेत कई वाहनों में तोड़फोड़ की उन्हें पलट दिया। समर्थकों ने उग्र प्रदर्शन करते हुए कई स्थानों पर पुलिस पर पथराव किया, इस घटना में पुलिस के कई अधिकारी और पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। एसपी मयूर खंडेलवाल और एडिशनल एसपी को भी चोटें आई हैं। पुलिस ने जाम लगा रहे कई कार्यर्ताओं को हिरासत में लिया है। बाद में जाम खुलवा दिया गया। दतिया के पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शुक्रवार शाम से ही तीन हजार से ज्यादा मिश्रा के समर्थकों ने शहर का माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया है। उन्होंने पहले बाजार बंद कराने की कोशिशें की और हाईवे पर जाम लगा दिया। कलेक्टर और एसपी प्रदर्शनकारियों से बार-बार बातचीत कर रास्ता खुलवाने की अपील करते रहे, लेकिन वे नहीं माने। प्रशासन की अपीलों के बावजूद शनिवार सुबह 4 बजे से प्रदर्शनकारियों ने अचानक पुलिस बल पर पथराव से हमला कर दिया। हालात को काबू करने के लिए पुलिस को आंसूगैस के गोले दागे। उपद्रवियों ने पथराव और तेज कर दिया। हिंसक हमले में 6 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिन्हें तुरंत ही अस्पताल पहुंचाया गया। एसपी मयूर खंडेलवाल और एडिशनल एसपी को भी चोटें आई हैं।

बिना डेटा वाले मोबाइल रिचार्ज हो सकते हैं सस्ते- ट्राई का नया प्रस्ताव

मुंबई,। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने 'दूरसंचार उपभोक्ता संरक्षण विनियम, 2026' का नया मसौदा पेश किया है, जिसका उद्देश्य उन मोबाइल रिचार्ज प्लान को सस्ता बनाना है जिसमें डेटा शामिल नहीं होता। इस प्रस्ताव का मुख्य विचार यह है कि यदि उपभोक्ता डेटा का उपयोग नहीं करते, तब उन्हें उसके लिए भुगतान क्यों करना पड़े। यह उन ग्राहकों के लिए बड़ी राहत है, जिन्हें अक्सर डेटा का उपयोग न करने के बावजूद महंगे डेटा-समेकित प्लान लेना होता हैं क्योंकि वर्तमान में केवल कॉल और एसएमएस वाले सीमित पैक ही उपलब्ध हैं।

ट्राई ने सुझाव दिया है कि कंपनियां जितनी अवधि (जैसे 7, 28, 56 या 84 दिन) के डेटा वाले प्लान पेश करती हैं, उतनी ही अवधि के केवल कॉल व एसएमएस वाले प्लान भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएंगी। चूंकि किसी भी मोबाइल प्लान में डेटा का खर्च 50-70 प्रतिशत होता है, यह नया नियम लागू होने पर सिर्फ कॉल-एसएमएस वाले प्लान की कीमत आधी से भी कम होगी। उदाहरण के लिए, 300 रुपए का एक डेटा प्लान 100 से 150 रुपए में मिल सकता है यदि उसमें डेटा शामिल न किया जाए।

इसका सीधा फायदा फीचर फोन उपयोग करने वाले बुजुर्गों, उन लोगों को मिलेगा जो दूसरी सिम केवल कॉल के लिए रखते हैं, और जिनके घरों में पहले से वाईफाई लगा हुआ है। इस सरकारी दखल की आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि ग्राहकों को पर्याप्त और सस्ते रिचार्ज विकल्प नहीं मिल रहे थे और उन्हें अक्सर लंबी अवधि के महंगे प्लान लेने पर मजबूर किया जाता था।

ट्राई ने स्पष्ट किया है कि ट्रूकॉलर जैसे कॉल मैनेजमेंट एप 1600 (बैंकों, वित्तीय संस्थानों और सरकारी सेवाओं) और 140 (कंपनियों के विज्ञापनी कॉल्स) सीरीज की आवश्यक कॉल्स को ब्लॉक नहीं कर पाएंगे।

भारत में अब केवल ई20 पेट्रोल ही मिलेगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पूरे भारत में प्योर पेट्रोल, ई10 और ई20 पेट्रोल बेचने की संभावना को खारिज कर दिया है। सरकार का कहना है कि अलग-अलग तरह के पेट्रोल की बिक्री जारी रखने से लागत बढ़ जाएगी और इसे संभालने में बड़ी लॉजिस्टिकल चुनौतियां पैदा होंगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने यह साफ किया है कि देश में ई20 ही स्टैंडर्ड पेट्रोल ब्लेंड के रूप में जारी रहेगी।

मंत्रालय का कहना है कि भारत के फ्यूल डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क में 1 लाख से ज्यादा रिटेल आउटलेट्स शामिल हैं जिन्हें रिफाइनकी, टर्मिनल, डिपो, पाइपलाइन और स्टोरेज सुविधाओं का सपोर्ट मिलता है। इस पूरे नेटवर्क में पेट्रोल के तीन अलग-अलग ग्रेड्स को बनाए रखने के लिए अलग स्टोरेज, इंवेंट्री मैनेजमेंट और डिस्ट्रीब्यूशन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत होगी। इससे रखरखाव की लागत बढ़ जाएगी और काम करने की क्षमता कम होगी।

प्रीमियम पेट्रोल से तुलना

सरकार ने प्रीमियम पेट्रोल के साथ इसकी तुलना को भी खारिज कर दिया। सरकार का कहना है कि प्रीमियम पेट्रोल एक खास प्रोडक्ट है जो बहुत कम मात्रा में बिकता है और इसके लिए नेशनवाइड फ्यूल सप्लाई चेन को अलग करने की जरूरत नहीं पड़ती है।

एथेनॉल में बड़ा निवेश

मंत्रालय ने कहा कि, भारत के एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम को बढ़ावा देने के लिए एथेनॉल उत्पादन में भारी निवेश किया गया है जिसमें डिस्टलरी, स्टोरेज सुविधाएं और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल है। मंत्रालय अगर दोबारा ई10 को स्टैंडर्ड पेट्रोल ब्लेंड बनाया गया तो एथेनॉल उत्पादन की क्षमता का पूरी इस्तेमाल नहीं हो पाएगा। इससे किसानों, कोऑपरेटिव्स और वित्तीय संस्थानों द्वारा किए गए निवेश पर बुरा असर पड़ सकता है।

पुरानी गाडिय़ों की चिंता

अलग-अलग ग्रेड का पेट्रोल बेचने का सवाल उन पुराने वाहनों के मालिकों द्वारा उठाया गया है जिनकी गाडिय़ां शुरुआत में ई10 पेट्रोल पर चलने के लिए सर्टिफाइड की गई थीं। मंत्रालय के अनुसार, ई20 पेट्रोल को लागू करने से पहले कार मैन्युफैक्चरर, पार्ट्स बनाने वाले सप्लायर्स, टेस्टिंग एजेंसियों और रिसर्च संस्थानों से सलाह ली गई थी। इसके तहत, मटेरियल कंपैटिबिलिटी, इंजन कैलिब्रेशन, फ्यूल सिस्टम, टिकाऊपन, एमिशन और फ्यूल इकोनॉमी जैसे सभी चीजों की जांच की गई थी।

मारूति और हीरो का डेटा

अपने फैसले के पक्ष में मंत्रालय ने मारूति और हीरो मोटोकॉर्प के फील्ड डेटा का हवाला दिया। मंत्रालय ने बताया कि, मारूति ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 2.84 करोड़ गाडिय़ों की सर्विसिंग की।

दुष्कर्म के आरोपी ने बाहर आते ही अपनी पत्नी-बच्चों समेत 6 लोगों की कर दी हत्या

हैदराबाद। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में नाबालिग से दुष्कर्म के एक आरोपी ने शुक्रवार रात जमानत पर बाहर आते ही 6 लोगों की हत्या कर दी। आरोपी ने पहले अपनी पत्नी, दो मासेम बेटों की हत्या की। इसके बाद वह करीब 6 किलोमीटर दूर दूसरे गांव पहुंचा। जहां उसने दुष्कर्म पीड़ित, उसकी मां और नानी को भी हत्या कर दी। लड़की ने 16 मई को पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी राजकुमार के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लड़की के चाचा नरेश ने बताया कि उसने चाची और भतीजी की हत्या कर दी।

अनिल अंबानी ग्रुप की 1,021 करोड़ की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच में कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने ग्रुप की 1,021 करोड़ रुपए की संपत्ति को प्रोविजनल तौर पर जब्त करने का नया आदेश जारी किया है। ईडी के मुताबिक, इस कार्रवाई के तहत रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के पास मौजूद रिलायंस पावर के इक्विटी शेयर और सासन पावर व रिलायंस पावर से मिलने वाली कुछ लोन रकम को अटैच किया गया है। इस नए आदेश के बाद मामले में अब तक जब्त की गई कुल संपत्ति का आंकड़ा 20,367 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। ईडी की यह कार्रवाई रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर पर आधारित है। सीबीआई की इसी शिकायत को आधार बनाकर ईडी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत मामले की जांच शुरू की थी।

शेल कंपनियों के जरिए 15,548 करोड़ का फंड डायवर्ट किया

जांच एजेंसी ने अपने बयान में बताया कि जांच के दौरान यह सामने आया है कि रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड द्वारा जुटाए गए 15,548 करोड़ रुपए के पब्लिक फंड को सिस्टमैटिक तरीके से डायवर्ट किया गया। इस रकम को अनिल अंबानी ग्रुप द्वारा नियंत्रित और प्रबंधित की जाने वाली कई शेल यानी फर्जी या डमी कंपनियों और ग्रुप की अन्य कंपनियों के नेटवर्क के जरिए इधर से उधर ट्रांसफर किया गया था।

2029 के लोकसभा चुनावों तक 'वन नेशन वन इलेक्शन' हो सकता है लागू

नई दिल्ली। संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) कोशिश कर रही है कि 2029 के लोकसभा चुनावों तक 'वन नेशन वन इलेक्शन' लागू हो सके। समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी के मुताबिक अब तक चर्चा में शामिल करीब 99फीसदी नागरिक और संगठनों ने इसका समर्थन किया है। समिति ने गोवा के सीएम और कैबिनेट मंत्रियों समेत कई राज्यों के विशेषज्ञों से इस पर सलाह ली है। गोवा दौरे पर गए समिति के सदस्य और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि बार-बार चुनाव से छोटे राज्य गोवा पर इतना प्रभाव पड़ता है, तो बड़े राज्यों और पूरे देश पर इसका असर और भी ज्यादा होगा। उन्होंने बताया कि समिति का अगला दौरा लखनऊ का होगा, जहां सीएम, विपक्ष के नेता, राजनीतिक दलों और कई विभागों के अधिकारियों से चर्चा की जाएगी। जेपीसी 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देकर संसद में पेश करेगी।

वन नेशन वन इलेक्शन से जुड़े पांच सवाल हैं जिनमें लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय निकायों के चुनाव अलग-अलग कराने के बजाय एक साथ कराना। जिन राज्यों का कार्यकाल 2029 के बाद भी बचा होगा, उनका क्या होगा? संविधान संशोधन के जरिए उन राज्यों के कार्यकाल को समय से पहले ही समाप्त करके 2029 के चुनावी चक्र के साथ जोड़ा जाएगा। जिनका कार्यकाल 2029 से पहले खत्म हो रहा होगा, उनका क्या होगा? वहां कुछ समय के लिए राष्ट्रपति शासन लग सकता है या फिर केवल 2029 तक के लिए चुनाव संभव। कई अनुच्छेदों में संशोधन करना होगा। संसद में दो-तिहाई बहुमत और आधे राज्यों की मंजूरी चाहिए। अगर बीच में ही कोई सरकार गिर जाए, तो क्या नियम प्रस्तावित हैं? इस नए प्रस्ताव के तहत मध्यावधि चुनाव पूरे पांच साल के लिए नहीं कराए जाएंगे, बल्कि केवल बचे हुए कार्यकाल के लिए ही कराए जाएंगे, ताकि अगला मुख्य चक्र न बिगड़े।

आईएनएस महेंद्रगिरि नौसेना में शामिल

विशाखापत्तनम। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम नेवल डॉकयार्ड में आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना में शामिल (कमीशन) किया। महेंद्रगिरि प्रोजेक्ट-17ए की नीलगिरि कैटेगरी का छठा स्टेल्थ फ्रिगेट (युद्धपोत) है। इसे बनाने में 75 प्रतिशत से ज्यादा स्वदेशी उपकरण और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

आईएनएस महेंद्रगिरि स्वदेशी अत्याधुनिक हथियारों, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम से लैस है। यह हवाई हमलों, दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों से एक साथ मुकाबला करने में सक्षम है।

ममता बनर्जी को बड़ा राजनीतिक झटका, करीबी नेता अनुब्रत मंडल विद्रोही खेमे में शामिल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस के लिए एक और बड़ा झटका सामने आया है। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी के करीबी माने जाने वाले वरिष्ठ नेता अनुब्रत मंडल ने विद्रोही नेता ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले खेमे का दामन थाम लिया है। इस कदम को तृणमूल कांग्रेस में बढ़ती अंदरूनी कलह और संगठनात्मक संकट का बड़ा संकेत माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, विद्रोही गुट ने समानांतर राज्य और जिला स्तरीय समितियों की घोषणा की है। इसी दौरान अनुब्रत मंडल को भी संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। अनुब्रत मंडल लंबे समय तक बीरभूम जिले में तृणमूल कांग्रेस के सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते रहे हैं और उन्हें ममता बनर्जी के सबसे विश्वसनीय सहयोगियों में शामिल माना जाता था। ऐसे में उनका विद्रोही खेमे में जाना पार्टी के लिए बड़ा राजनीतिक नुकसान माना जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से तृणमूल कांग्रेस में असंतोष और बगावत की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। कई नेताओं और जनप्रतिनिधियों के पार्टी नेतृत्व से नाराज होने की चर्चाएं तेज हैं। ऐसे माहौल में अनुब्रत मंडल के फैसले ने राजनीतिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि असंतोष का यह सिलसिला जारी रहा तो पार्टी के सामने संगठन को एकजुट बनाए रखना बड़ी चुनौती बन सकता है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस घटनाक्रम पर विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं विद्रोही गुट का दावा है कि आने वाले दिनों में कई और नेता उनके साथ जुड़ सकते हैं। इस घटनाक्रम ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है और आने वाले समय में इसका असर राज्य की राजनीतिक समीकरणों पर भी पड़ सकता है।

पंजाब कांग्रेस में अंदरूनी कलह तेज, भूपेश बघेल ने की नेताओं के साथ बैठक

नई दिल्ली। वियतनाम में नौका हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताया शोक, भारतीय दूतावास राहत कार्य में जुटावियतनाम के फू क्वोक द्वीप के निकट हुए भीषण नौका हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों की मौत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। इस दुर्घटना में कई अन्य भारतीय घायल हुए हैं। प्रधानमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि भारत सरकार प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि वियतनाम में स्थित भारतीय दूतावास और भारतीय वाणिज्य दूतावास राहत एवं सहायता कार्यों में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय अधिकारी वियतनाम के प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हैं, ताकि घायलों के उपचार, मृतकों की पहचान और उनके पार्थिव शरीरों को भारत लाने सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं जल्द से जल्द पूरी की जा सकें। जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब भारतीय पर्यटकों को लेकर जा रही एक स्पीडबोट समुद्र में पलट गई। नौका में कुल 36 लोग सवार थे, जिनमें 32 भारतीय पर्यटक और चालक दल के सदस्य शामिल थे। दुर्घटना के बाद बड़े स्तर पर बचाव अभियान चलाया गया, जिसमें 21 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि 15 भारतीयों की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे के समय समुद्र में तेज हवाएं और ऊंची लहरें थीं, जिन्हें दुर्घटना की संभावित वजह माना जा रहा है। मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है। भारतीय दूतावास ने प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए विशेष नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किए हैं। भारत और वियतनाम के अधिकारी मिलकर राहत एवं समन्वय कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं, ताकि प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद मिल सके।

स्वास्थ्य विभाग में हर शनिवार होगी जनसुनवाई, लापरवाही पर सख्ती, एएनएम के वेतन से काटकर हितग्राही को दिलाई योजना की राशि

जननी सुरक्षा, प्रसूति सहायता और फैमिली प्लानिंग योजनाओं से जुड़ी बढ़ती शिकायतों के बाद स्वास्थ्य विभाग का फैसला

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में जननी सुरक्षा योजना, प्रसूति सहायता, फैमिली प्लानिंग एवं अन्य स्वास्थ्य योजनाओं से संबंधित शिकायतों में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अब शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए नई व्यवस्था शुरू की है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में प्रत्येक शनिवार विशेष शिकायत सुनवाई का आयोजन किया जाएगा, जिसमें शिकायतकर्ता, संबंधित एएनएम, स्वास्थ्य कर्मचारी एवं विभागीय अधिकारियों को एक साथ बुलाकर मौके पर ही मामलों का निराकरण किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलव ने बताया कि पिछले कुछ समय से विभाग को विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के लाभ नहीं मिलने, प्रसूति सहायता में देरी, जननी सुरक्षा योजना की राशि अटकने, फैमिली प्लानिंग प्रोत्साहन राशि का भुगतान नहीं होने तथा स्वास्थ्य कर्मचारियों की लापरवाही से संबंधित लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। कई मामलों में शिकायतकर्ता बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगा रहे थे, लेकिन समय पर समाधान नहीं हो पा रहा था। इसी को देखते हुए कलेक्टर के निर्देश पर प्रत्येक शनिवार नियमित शिकायत सुनवाई की व्यवस्था शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि इस पहल का उद्देश्य केवल शिकायत सुनना नहीं, बल्कि उसी दिन संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में प्रकरण का परीक्षण कर यथासंभव तत्काल निराकरण करना है। इससे शिकायतकर्ताओं को बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और जिम्मेदार कर्मचारियों की जवाबदेही भी तय होगी। शनिवार 11 जुलाई को आयोजित पहली विशेष शिकायत सुनवाई में कटंगी और किरनापुर विकासखंड से संबंधित कई मामलों की सुनवाई की गई। इस दौरान कुछ शिकायतों में पाया गया कि संबंधित एएनएम की लापरवाही के कारण हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पाया। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित एएनएम के वेतन से लगभग 10 हजार रुपये की राशि काटकर प्रभावित हितग्राहियों के खाते में भुगतान कराने के निर्देश दिए। विभाग का कहना है कि यदि किसी कर्मचारी की गलती से पात्र व्यक्ति शासन की योजना के लाभ से वंचित होता है तो उसकी जवाबदेही तय की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर आर्थिक दायित्व भी संबंधित कर्मचारी पर डाला जाएगा। सुनवाई के दौरान ऐसे मामले भी सामने आए, जिनमें सूचना देने के बावजूद संबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी और विभागीय अमला समय पर मौके पर नहीं पहुंचा था। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए विभाग ने संबंधित कर्मचारियों के एक-एक दिन के वेतन काटने के निर्देश भी जारी किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। सीएमएचओ डॉ. परेश उपलव ने बताया कि यह व्यवस्था अब नियमित रूप से प्रत्येक शनिवार को संचालित होगी। हर सप्ताह अलग-अलग विकासखंडों से प्राप्त शिकायतों की सुनवाई की जाएगी, ताकि जिले के सभी क्षेत्रों के लोगों को त्वरित राहत मिल सके। शिकायतकर्ता अपनी समस्या से जुड़े दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर सीधे अपनी बात रख सकेंगे, वहीं संबंधित अधिकारी और कर्मचारी भी मौके पर मौजूद रहेंगे, जिससे तत्काल निर्णय लिया जा सके। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे। यदि किसी कर्मचारी की लापरवाही के कारण किसी हितग्राही को योजना का लाभ नहीं मिलता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

जिला स्तरीय खेल कैलेंडर निर्माण बैठक संपन्न, नई खेल प्रतिभाओं को तराशने पर जोर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल के निर्देशों के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के जिला स्तरीय खेल कैलेंडर के निर्माण को लेकर शनिवार को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, बालाघाट में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक जिला शिक्षा अधिकारी धनश्री जैन के निर्देशानुसार, सहायक संचालक श्री मरावी के मार्गदर्शन में तथा जिला खेल अधिकारी दीपक गिरी गोस्वामी की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य शेख इजराइल दूधगोरे, प्राचार्य खेमन लिल्हारे, मॉडल स्कूल बैहर के प्राचार्य सुनील खोब्रागड़े, कन्या विद्यालय वारासिवनी के श्री चौहान सहित जिलेभर के पीटीआई, खेल शिक्षक एवं क्रीड़ा प्रभारी शामिल हुए। कार्यक्रम में 100 से अधिक क्रीड़ा प्रभारियों एवं खेल अधिकारियों ने सहभागिता की। बैठक में वर्ष 2026-27 के जिला स्तरीय खेल कैलेंडर का प्रारूप तैयार करने, विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन, खिलाड़ियों के चयन, खेल गतिविधियों के प्रभावी संचालन तथा उभरती खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान सभी क्रीड़ा प्रभारियों और खेल शिक्षकों से अपने-अपने विद्यालयों में खेल गतिविधियों को अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा खिलाड़ियों को जिला, संभाग और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तैयारी कराने का आह्वान किया गया। अधिकारियों ने कहा कि विद्यालय स्तर पर नियमित अभ्यास और बेहतर प्रशिक्षण से ही जिले की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। बैठक में हरीश धुवारे, जय ठाकरे, सुनीता बिसेन, विभा दुबे, बंटी बिसेन, मीना मेश्राम, पुरुषोत्तम लिल्हारे, मनोज उपवंशी, शैलेष नागपुरे, रमा तेकाम, हर्षिता मुनेश्वर, माहेश्वरी घोरमारे सहित जिले के समस्त पीटीआई एवं प्रभारी खेल शिक्षक उपस्थित रहे। बैठक का समापन खिलाड़ियों को प्रेरित करने वाले संदेश 卐खेलो, आगे बढ़ो और अपने विद्यालय, जिले एवं प्रदेश का नाम रोशन करो卐 के साथ हुआ। अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि सुनियोजित खेल कैलेंडर से जिले में खेल गतिविधियों को नई गति मिलेगी और अधिक से अधिक खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे।

कुत्तों के झुंड के हमले से चीतल की मौत, मार्मिक वीडियो वायरल

लगातार हमले और दहशत नहीं झेल पाया मासूम वन्यजीव लोगों ने बचाने की कोशिश की लेकिन नहीं बच सकी जान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के लांजी वन परिक्षेत्र से एक बेहद मार्मिक घटना सामने आई है, जिसने वन्यजीव प्रेमियों को झकझोर कर रख दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में आवारा कुत्तों का झुंड एक मासूम चीतल पर हमला करता दिखाई दे रहा है। अपनी जान बचाने के लिए चीतल कभी इधर तो कभी उधर भागती रही, जबकि कुत्ते लगातार उसका पीछा कर उसे नोचने का प्रयास करते रहे। यह दृश्य देखकर मौके पर मौजूद लोगों का दिल दहल उठा। उन्होंने कुत्तों को भगाकर चीतल को बचाने की भरसक कोशिश की, लेकिन आखिरकार भय और सदमे ने उसकी जान ले ली। वन विभाग के अनुसार यह घटना 9 जुलाई की दोपहर करीब 2 बजे लांजी सर्किल के पीपलगांव कक्ष क्रमांक-261 में हुई। जंगल से निकलकर आए चीतल का आवारा कुत्तों के झुंड ने पीछा किया और उसे गांव के किनारे तक घेर लिया। वहां से गुजर रहे लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए कुत्तों को भगाया और चीतल को उनके चंगुल से छुड़ाया। हालांकि उसके शरीर पर गंभीर घाव नहीं थे। लेकिन लगातार हुए हमले और भय के कारण वह

पूरी तरह सहम गई थी। लांजी वन परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकर ने बताया कि सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। चीतल को तत्काल चिकित्सकीय परीक्षण के लिए ले जाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच में बताया कि अत्यधिक तनाव और भय के कारण चीतल को हार्ट अटैक आया, जिससे उसकी मौत हुई। पोस्टमार्टम के बाद वन विभाग ने नियमानुसार चीतल के शव का अंतिम संस्कार कराया। इस दर्दनाक घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो देखने वाले लोग भावुक हो रहे हैं और आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक पर चिंता जता रहे हैं। यह घटना न केवल वन्यजीवों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती है।बल्कि जंगलों से लगे क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या से वन्य प्राणियों पर मंडरा रहे खतरे को भी उजागर करती है। एक मासूम वन्यजीव जिसने किसी का कोई नुकसान नहीं किया।वह केवल भय और दहशत के कारण अपनी जिंदगी हार गया। यह घटना प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का एहसास कराती है और प्रभावी संरक्षण उपायों की आवश्यकता को फिर से सामने लाती है।

स्व. अमित नेवारे की सुपुत्री के भविष्य के लिए महाविद्यालय परिवार ने बढ़ाया सहयोग का हाथ

तेरहवीं पर शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अधिकारियों-कर्मचारियों ने परिवार को सौंपी 50 हजार की आर्थिक सहायता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने दिवंगत सहकर्मी एवं महाविद्यालय के अतिथि विद्वान स्वर्गीय अमित नेवारे के परिवार के प्रति संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उनकी सुपुत्री के उज्ज्वल भविष्य के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया। स्व. नेवारे की तेरहवीं के अवसर पर महाविद्यालय परिवार की ओर से उनकी धर्मपत्नी को 50,000 रूपये की आर्थिक सहायता राशि ससम्मान भेंट की गई। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक मराठे ने कहा कि स्वर्गीय अमित नेवारे ने महाविद्यालय में अपने कार्यकाल के दौरान पूरी निष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ अपनी सेवाएं दीं। उनका योगदान सदैव महाविद्यालय परिवार के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक सहयोग केवल एक राशि नहीं, बल्कि पूरे महाविद्यालय परिवार की आत्मीय संवेदना और अपने साथी के परिवार के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी महाविद्यालय परिवार हर संभव सहयोग के लिए उनके परिवार के साथ खड़ा रहेगा। इस सहयोग राशि के संकलन और वितरण में आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. सीमा श्रीवास्तव तथा प्राध्यापक संघ के अध्यक्ष डॉ. मेजर आर.एन. झारिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके समन्वय और प्रयासों से महाविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वेच्छा से सहयोग राशि एकत्रित की और स्व. नेवारे की धर्मपत्नी को सम्मानपूर्वक प्रदान की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने स्वर्गीय अमित नेवारे को

भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व और सेवाओं को याद किया। सभी ने ईश्वर से उनकी पुण्यात्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस गहन दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। महाविद्यालय परिवार की यह पहल सामाजिक संवेदनशीलता, पारिवारिक एकजुटता और मानवीय मूल्यों का उत्कृष्ट उदाहरण मानी जा रही है। उपस्थित जनों ने कहा कि किसी सहकर्मी के असमय निधन के बाद उसके परिवार के साथ इस प्रकार खड़ा होना न केवल सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन है, बल्कि मानवता और पारस्परिक सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है।

डायरिया रोको अभियान- आठ गांवों में हैंडपंपों की मरम्मत, पेयजल स्त्रोतों का किया गया क्लोरीनीकरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट जिले में संचालित डायरिया रोको अभियान के तहत शनिवार को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) ने वारासिवनी, किरनापुर, लांजी, परसवाड़ा एवं बिरसा विकासखंड के कई गांवों में पेयजल स्त्रोतों को सुरक्षित बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया। इस दौरान खराब पड़े हैंडपंपों की मरम्मत कर उन्हें चालू किया गया तथा सभी हैंडपंपों में जर्मेक्स डालकर क्लोरीनीकरण किया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बी एल उसके ने बताया कि अभियान के अंतर्गत 11 जुलाई को ग्राम बुदबुदा, भुआ, लवेरी, परसोड़ी, केरेगांव, कटंगा, हर्राभाट एवं चरचेडी में पीएचई विभाग की टीम ने पेयजल स्त्रोतों का निरीक्षण किया। जहां आवश्यक था वहां हैंडपंपों का तत्काल सुधार कार्य कराया गया, ताकि ग्रामीणों को निर्बाध रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। विभाग द्वारा सुधारे गए हैंडपंपों के साथ गांव के अन्य सभी हैंडपंपों में भी जर्मेक्स डालकर क्लोरीनीकरण किया गया। इस प्रक्रिया से पानी में मौजूद हानिकारक जीवाणुओं का नाश होता है और डायरिया सहित अन्य जलजनित बीमारियों के फैलने की आशंका कम होती है। पीएचई विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे केवल स्वच्छ एवं सुरक्षित पानी का ही उपयोग करें। पानी को छानकर और ढककर रखें तथा व्यक्तिगत स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। विभाग ने बताया कि डायरिया रोको अभियान के तहत जिलेभर में पेयजल स्त्रोतों की नियमित निगरानी और आवश्यक सुधार कार्य लगातार जारी रहेंगे, ताकि वर्षा ऋतु में जलजनित रोगों की रोकथाम सुनिश्चित की जा सके।

गाली-गलौज और मारपीट के मामले में दो आरोपियों को न्यायालय उठने तक की सजा

1000-1000 रुपये का जुर्माना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी न्यायालय ने गाली-गलौज और मारपीट के एक मामले में दो आरोपी भागचंद ठाकरे एवं खिलेंद्र ठाकरे ग्राम कोसमी थाना कटंगी निवासीको दोषी ठहराते हुए न्यायालय उठने तक की सजा एवं 1000-1000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अभियोजन के अनुसार, 3 अप्रैल 2021 को सुबह लगभग 9 बजे फरियादी टीकमचंद अपनी गाय को खेत में चराने ले गया था। इसी दौरान दोनों आरोपी वहां पहुंचे और पुराने विवाद को लेकर गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि खिलेंद्र ठाकरे ने खेत में पड़ी लकड़ी उठाकर फरियादी के सिर के पास वार किया, जिससे उसे चोट आई और खून निकलने लगा। वहीं भागचंद ठाकरे ने हाथ-मुक्कों से मारपीट की। घटना के प्रत्यक्षदर्शियों ने भी मामले की पुष्टि की। घटना के बाद पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कटंगी में भारतीय दंड संहिता की धाराओं 294, 323, 506 एवं 34 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना की। जांच के दौरान घटनास्थल का निरीक्षण, गवाहों के बयान, मेडिकल परीक्षण तथा घटना में प्रयुक्त लकड़ी जब्त कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए गए। विवेचना पूर्ण होने के बाद न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया। मामले की सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों एवं अभियोजन के तर्कों से संतुष्ट होकर न्यायालय ने दोनों आरोपियों को धारा 323/34 के तहत दोषी करार देते हुए न्यायालय उठने तक की सजा एवं 1000-1000 रुपये के अर्थदंड से दंडित करने का निर्णय सुनाया।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय उकवा में टीजीटी संस्कृत के लिए वॉक-इन इंटरव्यू 14 जुलाई को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, उकवा द्वारा टीजीटी संस्कृत के एक रिक्त पद पर अतिथि शिक्षक की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों के लिए 14 जुलाई 2026 को सुबह 11꞉00 बजे विद्यालय परिसर में वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। वद्यालय प्रबंधन के अनुसार, टीजीटी संस्कृत पद के लिए अभ्यर्थी के पास मान्यता प्राप्त संस्थान से संस्कृत विषय में स्नातक (Graduation) तथा बी.एड. की डिग्री होना अनिवार्य है। वहीं सीटेट (CTET) उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इच्छुक उम्मीदवार निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने मूल दस्तावेजों एवं आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, उकवा में उपस्थित होकर साक्षात्कार में शामिल हो सकते हैं। भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी विद्यालय की वेबसाइट www.emrsukwabalaghat.in पर उपलब्ध है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

चूहा मार दवाई के सेवन से एक 71 वर्षीय वृद्धा की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चूहा मार दवाई के सेवन से जिला अस्पताल में भर्ती एक वृद्धा की इस अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई । तीजन बाई पति शिवराम चांदेकार 71 वर्ष ग्राम धपेरा मोहगांव थाना लालबर्रा निवासी बताई गई है। जिला अस्पताल पुलिस में इस वृद्धा का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम धपेरा में तीजन बाई अपने बेटे बहू के

परिवार के साथ में ही रहती थी। 10 जुलाई को सुबह बहु रतनी बाई अपनी देवरानी पुष्पा के साथ मजदूरी से परहा लगाने के लिए चली गई थी। घर में तीजन बाई अपनी मझली बहू पुस्तकला और नाती बहु संजना और बच्चों के साथ घर में थी। 1ः00 बजे करीब तीजन बाई खटिया में लेटी हुई थी और उसके मुंह से झाग निकल गई थी। तकिया के नीचे चेक करने पर चूहा मार दवाई रखी हुई थी। पुस्तकला ने अपनी दोनों जेठानी रतनी बाई और पुष्पा को फोन करके बुलाई इसी के साथ ही तीजन बाई के बेटे बहू भी सभी लोग आ गए थे। जिसे 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया। जहां उपचार के दौरान शाम 4ः00 बजे करीब तीजन बाई की मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने तीजन बाई का शव अपने कब्जे में लेकर शाम होने की वजह से जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए थे। 11 जुलाई को जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही पश्चात तीजन बाई का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम किया और इस मामले को घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना लालबर्रा भिजवा दी है। तीजन बाई ने किस वजह से जहरीली वस्तु का सेवन की अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है आगे इस मामले की जांच लालबर्रा पुलिस द्वारा की जाएगी।

पांच सूत्रीय मांगों पर अड़े पटवारी, समाधान नहीं हुआ तो प्रदेशभर में सामूहिक अवकाश की चेतावनी

मुख्यमंत्री से जल्द निर्णय की मांग, मध्यप्रदेश पटवारी संघ बोला—प्रदेश संगठन के आह्वान पर तीन दिवसीय आंदोलन के लिए तैयार पटवारी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न मांगों के निराकरण को लेकर एक बार फिर शासन के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी शुरू कर दी है। संघ ने मुख्यमंत्री से शीघ्र निर्णय लेने की मांग करते हुए स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर मांगों का निराकरण नहीं किया गया तो प्रदेशभर के पटवारी सामूहिक अवकाश पर जाकर चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे। इस संबंध में प्रदेश संगठन ने सभी जिला इकाइयों को भी तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश पटवारी संघ लंबे समय से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शासन स्तर पर लगातार पत्राचार और चर्चा करता आ रहा है। संगठन के पदाधिकारियों ने पूर्व में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से उनके आवास पर मुलाकात कर पटवारी महाधिवेशन में शामिल होने का आमंत्रण भी दिया था। मुख्यमंत्री ने उस समय महाधिवेशन में शामिल होने की सहमति देते हुए नवंबर 2025 में कार्यक्रम आयोजित करने तथा इसकी तिथि अलग से तय करने का आश्वासन दिया था। पटवारी संघ का आरोप है कि मुख्यमंत्री द्वारा आश्वासन दिए जाने के बाद भी आज तक न तो महाधिवेशन की तिथि घोषित की गई और न ही वर्षों से लंबित न्यायोचित मांगों पर कोई ठोस निर्णय लिया गया। इससे प्रदेशभर के पटवारियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। संघ ने शासन के समक्ष अपनी पांच सूत्रीय प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें विभागीय परीक्षा शीघ्र आयोजित करना, परीक्षा का पाठ्यक्रम

राजस्व विभाग के कार्यों के अनुरूप निर्धारित करना, पटवारियों को जज प्रोटेक्शन एक्ट के दायरे में शामिल करना, वर्षों से लंबित विभिन्न वित्तीय भुगतानों का शीघ्र भुगतान करना तथा पटवारियों की समस्याओं के समाधान के लिए नियमित परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित करना प्रमुख रूप से शामिल है। पटवारी संघ का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था में कई बार न्यायालयीन प्रकरणों में पटवारी केवल प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है, जबकि अंतिम निर्णय तहसीलदार या नायब तहसीलदार द्वारा लिया जाता है। इसके बावजूद कई मामलों में सीधे पटवारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर दी जाती है। संघ का मानना है कि ऐसी स्थिति में पटवारियों को भी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार की तरह कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। संघ ने यह भी कहा कि प्रदेश के अनेक जिलों में पटवारियों ने शासन के विभिन्न कार्य अपने निजी संसाधनों और खर्च पर पूरे किए हैं, लेकिन उनका भुगतान अब तक लंबित है। इसके अलावा विभागीय परीक्षा लंबे समय से आयोजित नहीं होने के कारण पदोन्नति और कैरियर प्रगति भी प्रभावित हो रही है। मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि संगठन के प्रतिनिधियों को बुलाकर उनकी समस्याओं पर चर्चा की जाए अथवा संबंधित विभागों को शीघ्र निर्णय लेने के निर्देश दिए जाएं। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर मांगों का समाधान नहीं हुआ तो प्रदेश संगठन के आह्वान पर पूरे प्रदेश के पटवारी तीन दिवसीय सामूहिक अवकाश लेकर आंदोलन करेंगे और इसके बाद चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति अपनाई जाएगी।

पटवारी सामूहिक अवकाश पर जाएंगे-अरुण बिरनवार

इधर, इस पूरे मामले को लेकर मध्यप्रदेश पटवारी संघ के पदाधिकारी अरुण बिरनवार ने दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया कि संगठन प्रदेश स्तर पर आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल प्रदेश नेतृत्व शासन के साथ संवाद स्थापित करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन यदि सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है तो प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार सभी जिलों के पटवारी सामूहिक अवकाश पर जाएंगे। उन्होंने बताया कि आंदोलन की तिथि को लेकर अंतिम निर्णय प्रदेश संगठन द्वारा लिया जाएगा। प्रारंभिक रूप से 13 जुलाई से अथवा 15 जुलाई से तीन दिवसीय सामूहिक अवकाश पर जाने की रणनीति बनाई जा रही है। हालांकि अंतिम तिथि और आंदोलन की रूपरेखा प्रदेश स्तर की बैठक के बाद घोषित की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि शासन समय रहते मांगों का समाधान नहीं करता है तो प्रदेशभर के पटवारी कार्य बंद कर विरोध दर्ज कराएंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

गांगुलपारा जलाशय और खारा विश्राम गृह को पर्यटन हब बनाने की मांग, सांसद भारती पारधी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

वॉटर स्पोर्ट्स, बोट क्लब, पर्यटन सुविधाओं के विस्तार और खारा विश्राम गृह के जीर्णोद्धार का रखा प्रस्ताव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के प्राकृतिक पर्यटन स्थलों को नई पहचान दिलाने की दिशा में सांसद भारती पारधी ने महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर जिले के प्रसिद्ध गांगुलपारा जलाशय एवं खारा विश्राम गृह को आधुनिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग की है। सांसद ने अपने पत्र में कहा है कि यदि इन दोनों स्थलों पर आवश्यक पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जाता है तो न केवल बालाघाट का पर्यटन क्षेत्र नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। सांसद भारती पारधी ने अपने मांग पत्र में उल्लेख किया है कि गांगुलपारा जलाशय बालाघाट जिले के सबसे सुंदर प्राकृतिक स्थलों में से एक है। चारों ओर घने जंगलों, पहाड़ियों और प्राकृतिक हरियाली से घिरा यह क्षेत्र वर्षभर पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। विशेष रूप से बारिश के मौसम में यहां का प्राकृतिक सौंदर्य और भी मनमोहक हो जाता है। दूर-दराज के क्षेत्रों से लोग यहां प्रकृति का आनंद लेने और पिकनिक मनाने पहुंचते हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में इस जलाशय में नौकायन (बोटिंग) का संचालन किया जाता था और आज भी यहां बोट क्लब तथा विभिन्न वॉटर स्पोर्ट्स शुरू करने की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। यदि शासन स्तर पर आवश्यक स्वीकृति और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं तो यह क्षेत्र प्रदेश के प्रमुख पर्यटन केंद्रों में शामिल हो सकता है। उन्होंने जलाशय में सुरक्षित नौकायन, वाटर स्पोर्ट्स

गतिविधियों और पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित किए जाने की मांग की है। सांसद ने अपने पत्र में गांगुलपारा क्षेत्र में स्थित प्राकृतिक जलप्रपात (वॉटरफॉल) का भी उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि यह जलप्रपात वर्षभर अपनी प्राकृतिक छटा के कारण पर्यटकों को आकर्षित करता है, लेकिन वहां मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। उन्होंने जलप्रपात क्षेत्र में बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा रेलिंग, पेयजल, शौचालय, पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था और अन्य पर्यटन सुविधाएं विकसित करने का सुझाव दिया है, ताकि पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके। इसके साथ ही सांसद ने खारा स्थित ऐतिहासिक विश्राम गृह के संरक्षण और विकास की भी मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि यह विश्राम गृह वन क्षेत्र के बीच स्थित है और अपने प्राकृतिक वातावरण तथा लगभग 25 हेक्टेयर में फैले दुर्लभ साल वन के कारण पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि इसका जीर्णोद्धार कर आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए तो यह प्रकृति प्रेमियों और वन्य पर्यटन के शौकीनों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सकता है। सांसद भारती पारधी ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि गांगुलपारा जलाशय, प्राकृतिक जलप्रपात और खारा विश्राम गृह को एक समग्र टूरिज्म सर्किट के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जाए। उनका मानना है कि इन परियोजनाओं के विकसित होने से जिले में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय व्यापार को गति मिलेगी और होटल, परिवहन, गाइड सेवा तथा अन्य पर्यटन आधारित व्यवसायों के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि राज्य सरकार इस प्रस्ताव पर सकारात्मक निर्णय लेती है तो बालाघाट की प्राकृतिक धरोहर को प्रदेश और देश के पर्यटन मानचित्र पर एक नई पहचान मिलेगी। साथ ही जिले की प्राकृतिक सुंदरता का संरक्षण भी सुनिश्चित होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिलेगी।

अभी प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखा गया है-भारती पारधी

इस पूरे विषय को लेकर सांसद भारती पारधी से दूरभाष पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि गांगुलपारा जलाशय प्राकृतिक सौंदर्य की दृष्टि से बेहद समृद्ध क्षेत्र है और यहां पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यदि शासन इस प्रस्ताव को स्वीकृति देता है तो यहां वॉटर स्पोर्ट्स, बोटिंग और अन्य पर्यटन गतिविधियां शुरू होने से बालाघाट को प्रदेश के पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि पर्यटन बढ़ने से स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा, होटल, परिवहन, गाइड सेवा, हस्तशिल्प और अन्य छोटे व्यवसायों को भी लाभ होगा। सांसद ने स्पष्ट किया कि फिलहाल यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखा गया है और इसकी स्वीकृति मिलना अभी शेष है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार बालाघाट की पर्यटन संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस दिशा में सकारात्मक निर्णय लेगी। यदि ऐसा होता है तो गांगुलपारा जलाशय और खारा विश्राम गृह केवल स्थानीय पर्यटन स्थल नहीं रहेंगे, बल्कि प्रदेश के प्रमुख पर्यटन केंद्रों के रूप में विकसित होकर बालाघाट की नई पहचान बनेंगे। इससे जिले की प्राकृतिक धरोहर का संरक्षण भी होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिलेगी।

अस्पताल से लापता बुजुर्ग का शव झाड़ियों में मिला, क्षेत्र में फैली सनसनी

जिला अस्पताल से 3 जुलाई को हुए थे लापता, वार्ड-33 के खाली मैदान में क्षत-विक्षत हालत में मिला शव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक-33 के एक खाली मैदान में शनिवार को एक बुजुर्ग का क्षत-विक्षत शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव पलास की झाड़ियों के बीच पड़ा हुआ था और कई दिन पुराना होने के कारण उसकी पहचान तत्काल नहीं हो सकी। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना प्रभारी अजय गुर्जर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और हाल ही में दर्ज गुमशुदगी के मामलों का मिलान किया। इसके बाद पता चला कि शव लामता थाना क्षेत्र के ग्राम बुढ़ियागांव निवासी शिखरचंद मरकाम का है, जो 3 जुलाई को जिला अस्पताल से उपचार के दौरान लापता हो गए थे। जानकारी के अनुसार शिखरचंद मरकाम के पैर में गंभीर घाव होने के कारण परिजनों ने उन्हें 1 जुलाई को जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था और पुत्र धर्मेंद्र मरकाम उनकी देखभाल कर रहा था। 3 जुलाई को किसी आवश्यक कार्य से पुत्र गांव लौट गया। इसी दौरान बुजुर्ग अस्पताल से अचानक लापता हो गए। काफी तलाश के बाद परिजनों ने 4 जुलाई को कोतवाली थाने में उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। शनिवार को जब वार्ड-33 स्थित खाली क्षेत्र में एक अज्ञात शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली तो गुमशुदगी के आधार पर परिजनों को बुलाया गया। मौके पर पहुंचे मृतक के पुत्र, दामाद और अन्य परिजनों ने शव के पास मिले कपड़ों तथा मलहम की डिब्बी के आधार पर उसकी पहचान शिखरचंद मरकाम के रूप में की। शव कई दिनों तक खुले में पड़े रहने के कारण बुरी तरह सड़-गल चुका था, जिससे पहचान करना काफी कठिन हो गया था। मृतक के दामाद दुर्गेश इड़पांचे ने बताया कि अस्पताल से लापता होने के बाद परिवार लगातार उनकी तलाश कर रहा था, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। अब शव मिलने से पूरे परिवार में शोक का माहौल है। कोतवाली थाना प्रभारी

अजय गुर्जर ने बताया कि खेत में काम कर रहे लोगों ने झाड़ियों में शव पड़ा होने की सूचना दी थी। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रथम दृष्टया शव लगभग सात से आठ दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। शव की स्थिति काफी खराब होने के कारण फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने और जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि बुजुर्ग की मौत किन परिस्थितियों में हुई। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

गीत-संगीत के जरिए गूंजा नशा मुक्ति का संदेश

विद्यार्थियों ने लिया नशे से दूर रहने का संकल्प

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान के तहत शुक्रवार 10 जुलाई 2026 को बिरसा स्थित उत्कृष्ट बालक छात्रावास एवं कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास बिरसा में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। गीत, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ एवं जिम्मेदार जीवन अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत बिरसा के उपाध्यक्ष हेमंत साहू ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा, लक्ष्य और उज्ज्वल भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान करते हुए कहा कि नशे जैसी सामाजिक बुराई से स्वयं दूर रहें और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान तभी सफल होगा, जब समाज का प्रत्येक नागरिक इसकी जिम्मेदारी निभाएगा। प्रदेश स्तरीय कलापथक दल के प्रमुख रोमन सिंह मरावी के नेतृत्व में कलाकार शेख रफीक खान, नरेंद्रपाल, सुखसागर कुड़ापे, सुरेश कुमार कुमरे एवं झरिया सिंह मरावी ने संदेशपरक गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने विद्यार्थियों को भावुक और प्रेरित किया तथा पूरा परिसर नशा मुक्ति के संदेशों से गूंज उठा। कार्यक्रम में जनपद पंचायत बिरसा के सामाजिक सुरक्षा अधिकारी नकुल मेरावी, उत्कृष्ट बालक छात्रावास के अधीक्षक कमलेश ठाकरे, कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास की अधीक्षिका चंद्रशिला धुर्वे, छात्रावासों के छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर सभी विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा अपने परिवार और समाज को भी नशामुक्त बनाने के लिए जागरूक करने का सामूहिक संकल्प लिया। आयोजन के माध्यम से जनभागीदारी और जागरूकता के बल पर नशा मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने का संदेश दिया ।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए पुलिस का विशेष अभियान, 27 स्कूलों को नोटिस

10 दिवसीय स्कूल बस चेकिंग अभियान के तहत फिटनेस, बीमा, फर्स्ट एड बॉक्स और सुरक्षा मानकों की हो रही जांच, कई वाहन नियमों का उल्लंघन करते मिले

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर पुलिस द्वारा जिलेभर में विशेष स्कूल बस चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। 8 जुलाई से 17 जुलाई 2026 तक संचालित इस 10 दिवसीय अभियान के तहत स्कूल बसों एवं अन्य स्कूली वाहनों की गहन जांच की जा रही है। अभियान के दौरान अब तक 27 विद्यालय प्रबंधन को सुरक्षा संबंधी नोटिस जारी किए गए हैं, जबकि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वाले कई स्कूल वाहनों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई भी की गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य स्कूली छात्र-छात्राओं की सुरक्षित एवं व्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करना, विद्यालय प्रबंधन और वाहन संचालकों को सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक करना तथा सभी स्कूल वाहनों में सर्वोच्च न्यायालय एवं परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित कराना है। बच्चों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पुलिस टीम विद्यालय परिसर और विभिन्न मार्गों पर बच्चों की अनुपस्थिति में स्कूल बसों की जांच कर रही है। जांच के दौरान प्रत्येक वाहन के फिटनेस प्रमाणपत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र (पीयूसी), अग्निशामक यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, इमरजेंसी एग्जिट, स्पीड गवर्नर, चालक के वैध

ड्राइविंग लाइसेंस, पुलिस सत्यापन, निर्धारित सीट क्षमता सहित अन्य सुरक्षा मानकों का बारीकी से परीक्षण किया जा रहा है। अभियान के दौरान कई स्कूल वाहन निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए पाए गए, वहीं कई वाहनों में गंभीर अनियमितताएं भी सामने आईं। पुलिस ने नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहन संचालकों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की। अब तक की कार्रवाई के अनुसार पुलिस ने 27 विद्यालय प्रबंधन को सुरक्षा संबंधी सूचना एवं नोटिस जारी किए हैं। इसके अलावा फिटनेस प्रमाणपत्र के बिना संचालित 4 स्कूल वाहनों पर कार्रवाई की गई। जांच के दौरान 6 वाहनों में अग्निशामक यंत्र और फर्स्ट एड बॉक्स नहीं पाए गए, जिन पर भी नियमानुसार कार्रवाई की गई। वहीं बिना बीमा संचालित 2 स्कूल वाहनों के विरुद्ध भी चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस ने सभी विद्यालय संचालकों, स्कूल वाहन संचालकों, वाहन चालकों एवं अभिभावकों से अपील की है कि बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। पुलिस का कहना है कि प्रत्येक स्कूल वाहन निर्धारित सुरक्षा मानकों तथा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालित होना चाहिए। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अभियान 17 जुलाई तक लगातार जारी रहेगा और इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूल वाहनों एवं संस्थानों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही विद्यालय प्रबंधन से अपेक्षा की गई है कि वे अपने वाहनों की समय-समय पर जांच कर सभी आवश्यक दस्तावेज एवं सुरक्षा उपकरण उपलब्ध रखें, ताकि विद्यार्थियों की यात्रा पूरी तरह सुरक्षित और व्यवस्थित हो सके।

जल शोधन संयंत्र की सफाई के चलते 104 गांवों में दो दिनों से नल-जल आपूर्ति ठप, ग्रामीण परेशान

वैकल्पिक व्यवस्था न किये जाने से लोगों में रोष, तीव्र गति से सफाई कर पानी सप्लाई करने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग १० किमी दूर ग्राम पंचायत जाम स्थित जल शोधन संयंत्र केंद्र (फिल्टर प्लांट) के किलेरी फायर (पानी एकत्रित करने के टांके) की साफ-सफाई के चलते क्षेत्र में भारी पेयजल संकट गहरा गया है। पिछले दो दिनों से लालबर्रा विकासखंड के अंतर्गत आने वाली ७७ ग्राम पंचायतों के १०४ गांवों में नल-जल योजना के तहत पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप है, जिससे हजारों ग्रामीण पानी के लिए परेशान है। वहीं नल-जल योजना का पानी नल से न मिलने के कारण ग्रामीण दूर-दराज स्थित हैंडपंपों और कुओं से पानी लाने को मजबूर हैं। पानी का संकट इतना गहरा है कि हैंडपंपों पर अत्यधिक दबाव होने के कारण अब उनसे दूषित और मटमैला पानी निकल रहा है। बरसात के इस मौसम में दूषित पानी के उपयोग से ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है और जलजनित बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। जबकि पीएचई विभाग को जाम स्थित जल शोधन संयंत्र केन्द्र की सफाई का काम शुरू करने से पहले क्षेत्र में पानी की नियमित आपूर्ति के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए थी। बिना किसी पूर्व सूचना और तैयारी के सप्लाई बंद कर देने से पूरा क्षेत्र प्रभावित हुआ है। क्षेत्रीयजनों से पीएचई विभाग से जल शोधन संयंत्र केन्द्र (फिल्टर प्लांट) के किलेरी फायर) का तीव्र गति से सफाई कर जल्द जल आपूर्ति बहाल करने की मांग की है।

पंचायतों को खुद करनी होगी वैकल्पिक व्यवस्था, पांढरवानी ने पेश की मिसाल

आपकों बता दे कि लालबर्रा विकासखण्ड के ७७ ग्राम पंचायत के ग्रामीणजनों को छिंदलई वैनगंगा नदी का शुध्द पानी पहुंचाने की मंशा से शासन के द्वारा करोड़ों रूपयों की लागत से नल-जल योजना प्रारंभ की गई है और इस योजना के तहत छिंदलई वैनगंगा नदी का पानी जाम स्थित जल शोधन संयंत्र केन्द्र में पहुंचता है। जहां फिल्टर होने के बाद पाइपलाईन के माध्यम से ग्राम पंचायतों में बनाये गये पानी टंकी को भरने के बाद घर-घर किये गये नल कनेक्शन के माध्यम से ग्रामीणजनों को पानी प्रदाय किया जाता है। लेकिन कई बार इस नल-जल योजना में तकनीकी खराबी आने, पाईपलाईन क्षतिग्रस्त होने के कारण कुछ ग्राम पंचायतों के ग्रामीणजनों को जब से नल-जल योजना प्रारंभ की गई है उसके बाद से इस योजना का लाभ नही मिल पाया है। वहीं पीएचई

विभाग के द्वारा दो दिनों से जाम स्थित जल शोधन संयंत्र केन्द्र के किलेरी फायर (पानी जमा करने के टांका) की सफाई कार्य करवाया जा रहा है। जिसके कारण दो दिनों से नल-जल योजना ठप हो चुकी है। जिससे क्षेत्र में पानी की समस्या बनी हुई है, इस तरह बरसात के दिनों में भी ग्रामीणजनों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। वहीं इस संकट काल में ग्राम पंचायत पांढरवानी ने एक बेहतरीन मिसाल पेश की है। मुख्य लाइन से पानी बंद होने के बाद पांढरवानी पंचायत ने अपनी स्वयं की स्थानीय नल-जल योजना चालू कर ग्रामीणों को पानी की टंकी के माध्यम से जल प्रदाय करना जारी रखा है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों का मानना है कि इसी तर्ज पर विकासखंड की सभी ७७ पंचायतों के सरपंच और सचिवों को सजग होना चाहिए। यदि सभी पंचायतें मुख्य ग्रिड फेल होने की स्थिति में अपनी स्वयं की पुरानी या स्थानीय नल-जल योजना को वैकल्पिक बैकअप के रूप में तैयार रखें, तो ग्रामीणों को इस तरह की भीषण पानी की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

क्षेत्रीयजनों को नही मिल रहा पानी - खान

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि ७७ ग्राम पंचायतों के ग्रामीणजनों को छिंदलई वैनगंगा नदी का शुध्द पानी उपलब्ध करवाने के लिए करोड़ों रूपयों की नल-जल योजना प्रारंभ की गई है। लेकिन इस योजना में बार-बार समस्या आ रही है जिसके कारण क्षेत्रीयजनों को नियमित रूप से पानी नही मिल पाता है और दो दिनों से ७७ ग्राम पंचायतों के ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का पानी नही मिल रहा है जिससे सभी पानी के लिए परेशान है। श्री खान ने बताया कि पांढरवानी पंचायत के पास स्वयं की नल-जल योजना है, जाम शोधन संयंत्र केन्द्र का पानी नही मिलने पर हमारी पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणजनों को पंचायत की नल-जल योजना का पानी प्रदाय किया जा रहा है। इसी तरह अन्य पंचायतों को भी वैकल्पिक व्यवस्था करना चाहिए। साथ ही यह भी बताया कि नल-जल योजना में बार-बार समस्या आते रहती है इसलिए पीएचई विभाग से मांग है कि स्थाई निराकरण कर क्षेत्रीयजनों को नियमित रूप से पानी प्रदाय करें।

इनका कहना है

जल शोधन संयंत्र केन्द्र स्थित किलेरी फायर की साफ-सफाई करवाई जा रही है। जिसका कार्य पूर्ण होने के बाद नियमित रूप से क्षेत्रीयजनों को नल-जल योजना का पानी प्रदाय किया जायेगा।

विजय तिवारी
प्रभारी एसडीओं
पीएचई विभाग लालबर्रा

महाविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशो के परिपालन में शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में गत दिवस नवीन प्रवेशित छात्र-छात्राओं का दीक्षारंभ

सहप्रेरणा कार्यक्रम के अन्तर्गत तृतीय दिवस में विद्यार्थियों के स्वागत, मार्गदर्शन एवं परिचय कार्यक्रम का आयोजन के साथ ही दीक्षारंभ कार्यक्रम का समापन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर प्रो. सुमन बरवा ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को शिकायत निवारण तंत्र एवं परामर्श सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। एन.एस.एस. अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने विद्यार्थियों को स्थानीय समाजसेवियों, पूर्व छात्रों व अभिभावकों का स्वागत एवं उनका परिचय करवाया। डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम ने अपने विद्यार्थियों को शिकायत निवारण एवं संबंधित हेल्प लाईन नम्बर की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. देवराज चौरे ने अपने व्याख्यान में प्रवेश प्रक्रिया, विषय चयन, परीक्षा प्रणाली से विद्यार्थियों को अवगत करवाया एवं विद्यार्थियों को महाविद्यालय का पुस्तकालय, ई-लाइब्रेरी, प्रयोगशाला, रैम्प, जिम, छात्रावास एवं समस्त महाविद्यालय का भ्रमण करवाया गया इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के प्रश्न एवं जिज्ञासा को सुनकर उनका उत्तर दिया गया। नरेश सौलखे ने कॅरियर मार्गदर्शन की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. हषिकेश पटेल ने विद्यार्थियों में संस्थान के प्रति अपनत्व की भावना एवं अनुशासन, नैतिकता की भावना को विकसित करने की प्रेरणा दी। श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे ने विद्यार्थियों को उत्कृष्टता की भावना विकसित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. देवराज चौरे के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती संध्या भलावे, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आशा कारे, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐडे, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

लालबर्रा की होनहार बेटी स्नेहा जैन बनीं माइनिंग इंस्पेक्टर, क्षेत्र में हर्ष की लहर

होलकर साइंस कॉलेज इंदौर की छात्रा रही स्नेहा का अगला लक्ष्य पीएससी की अन्य उच्च परीक्षाएं, पिता प्रशांत जैन बोले बेटी ने परिवार को दी पहली शासकीय नौकरी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित करते हुए भाजपा नेता व प्रतिष्ठित किराना व्यवसायी प्रशांत जैन की सुपुत्री २२ वर्षीय सुश्री स्नेहा जैन (गुनगुन) ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपी पीएससी) द्वारा आयोजित परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है। सुश्री स्नेहा जैन का चयन खनिज विभाग में माइनिंग इंस्पेक्टर (खनिज निरीक्षक) के पद पर हुआ है। एमपीपीएससी द्वारा जारी अंतिम परीक्षा परिणाम में नाम आते ही स्नेहा के परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों में हर्ष की लहर व्याप्त है। वहीं सुश्री स्नेहा जैन का माइनिंग इंस्पेक्टर के पद पर चयन होने के बाद उनके शुभचिंतक दुरभाष एवं घर पहुंचकर मिठाईयां खिलाकर उन्हे शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

दिसंबर २०२५ में हुई थी परीक्षा, जियोलॉजी से किया है एमएससी

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा माइनिंग इंस्पेक्टर पद के लिए दिसंबर २०२५ में परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें सुश्री स्नेहा जैन ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। सुश्री स्नेहा जैन की प्रारंभिक से लेकर उच्च शिक्षा बेहद शानदार रही है। उन्होंने इंदौर के सुप्रसिध्द होलकर साइंस कॉलेज से ग्रेजुएशन (स्नातक) और फिर जियोलॉजी (भूविज्ञान) विषय से पोस्ट ग्रेजुएशन (एमएससी) की पढ़ाई पूरी की है। स्कूल व कॉलेज के दिनों से ही वे शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रही हैं। वहीं सुश्री स्नेहा जैन ने २२ वर्ष की उम्र में यह सफलता प्राप्त की है जिससे क्षेत्र में हर्ष की लहर व्याप्त है। अपनी इस बड़ी सफलता पर उत्साह व्यक्त करते हुए सुश्री स्नेहा नेहा ने बताया कि माइनिंग इंस्पेक्टर के पद पर चयन उनके सफर की शुरूआत है। उनका अगला लक्ष्य पीएससी (पीएससी) की अन्य उच्च स्तरीय परीक्षाएं हैं, जिसकी तैयारी में वे अभी से जुट गई हैं। स्नेहा ने युवाओं और छात्र-छात्राओं को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि यदि छात्र पूरी ईमानदारी और अनुशासन में रहकर पढ़ाई करें, तो सफलता निश्चित ही मिलती है। भटकाव से दूर रहकर लक्ष्य पर केंद्रित होना बेहद जरूरी है। साथ ही सुश्री जैन ने इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, स्कूल, कालेज एवं कोचिंग के शिक्षकगणों को दी है और उन्होने कहा कि सभी के मार्गदर्शन से यह सफलता मिली है। सुश्री स्नेहा जैन की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, व्यापाारियों के साथ ही पिता प्रशांत जैन, माता श्रीमती प्रीति जैन, दादी सुधा जैन, चाचा शशांक जैन सहित अन्य परिजन एवं शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

अभिभावकों के सहयोग से मिलती है उड़ान - प्रशांत

इस गौरवशाली अवसर पर सुश्री स्नेहा जैन के पिता और भाजपा नेता प्रशांत जैन ने भावुक होते हुए अपनी खुशी साझा की और उन्होंने बताया कि यह हमारे पूरे परिवार के लिए ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि स्नेहा हमारे परिवार से पहली शासकीय नौकरी पाने वाली बेटी बनी है। मैं सभी अभिभावकों से यही अपील करना चाहता हूँ कि बच्चों के लिए जितना सहयोग हो सके, उतना करें। माता-पिता का सही मार्गदर्शन और बच्चों का लक्ष्य के प्रति समर्पण ही उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाता है। श्री जैन ने बताया कि सभी अभिभावकों को अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करना चाहिए और बेटा-बेटी में भेंदभाव नही करना चाहिए। बेटियां भी बाहर रहकर अच्छी पढ़ाई कर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है और यह सब अभिभावकों के सहयोग से मिलती है उड़ान। जिससे वे अपने भविष्य को बेहतर बना सकते है इसलिए बच्चें भी लक्ष्य बनाकर पढ़ाई करें सफलता उन्हे अवश्य मिलेगी।

जीवन बेहद अनमोल है और थोड़ी सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है - थाना प्रभारी

जाम हायर सेकेण्डरी स्कूल में विशेष पाठशाला का हुआ आयोजन, विद्यार्थियों को यातायात नियम, सैफ क्लिक, जनरल अवेयरनेस के बारे में दी गई जानकारियां

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग १० किमी दूर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जाम में शनिवार को विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष पाठशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित थाना प्रभारी राजमल दायमा द्वारा छात्र-छात्राओं और शिक्षक स्टाफ को सेफ क्लिक (साइबर सुरक्षा), यातायात नियम तथा जनरल अवेयरनेस (सामान्य जागरूकता) के संबंध में विस्तृत समझाइश दी गई। साथ ही सभी को अनिवार्य रूप से यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए थाना प्रभारी ने विद्यालय परिसर में उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकगणों को कई महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। जिसमें वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को इंटरनेट और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के गुर सिखाये। साथ ही यह भी बताया कि किसी भी अनजान या संदिग्ध लिंक पर बिना सोचे-समझे क्लिक न करें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी निजी जानकारियां, तस्वीरें और पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। ऑनलाइन लॉटरी, इनाम या अनजान वीडियो कॉल के झांसे में आने से बचें। यदि कोई संदिग्ध गतिविधि दिखे, तो तुरंत अपने पालकों या शिक्षकों को सूचित करने। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से थाना प्रभारी ने छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया और कहा कि जीवन बेहद अनमोल है, थोड़ी सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चौपहिया वाहन चलाते समय सीटबेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से करने, वाहनों को हमेशा नियंत्रित गति में चलाये और सड़क पर स्टंट या रेसिंग करने से बचें।

जनरल अवेयरनेस (सामान्य जागरूकता)

कार्यक्रम के दौरान पुलिस और जनता के बीच की दूरी को कम करने तथा विद्यार्थियों को कानून की बुनियादी जानकारी देने के लिए जनरल अवेयरनेस पर चर्चा की गई। छात्र-छात्राओं को आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई और उन्हें किसी भी अप्रिय स्थिति या असामाजिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं इस ज्ञानवर्धक सत्र के अंत में विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षक स्टाफ ने थाना प्रभारी राजमल दायमा की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए इस प्रकार की जानकारियां अत्यंत आवश्यक हैं, जो उन्हें भविष्य में सुरक्षित रहने में मदद करेंगी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने पुलिस प्रशासन के समक्ष यह शपथ ली कि वे स्वयं भी यातायात व साइबर नियमों का पालन करेंगे और अपने परिवार तथा आस-पास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। इस अवसर पर थाना प्रभारी राजमल दायमा, स्कूल के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

आवारा मवेशी भेजे जायेगें गौशाला - अनीस

सड़कों पर बैठे आवारा मवेशी बढ़ा रहे दुर्घटना का ग्राफ, फसलों को भी पहुंचा रहे नुकसान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय लालबर्रा सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में आवारा पशुओं का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। इन लावारिस मवेशियों के कारण न सिर्फ सड़कों पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है, बल्कि आये दिन राहगीर हादसों का शिकार हो रहे हैं। इसके अलावा खेतों में मेहनत की फसल उगा रहे किसानों को भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने कड़ा रूख अपनाते हुए उन्होने पशुपालकों को कड़ी चेतावनी देते हुए मवेशियों को खुला न छोड़ने की हिदायत दी है। साथ ही आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजने की बात कही है। चर्चा में पांढरवानी सरपंच ने बताया कि ग्राम पंचायत कार्यालय में पिछले कुछ समय से आवारा पशुओं को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। बड़ी संख्या में पशु मालिक अपने जानवरों का दूध निकालने के बाद उन्हें सड़कों पर लावारिस छोड़ देते हैं। ये मवेशी मुख्य मार्गों और व्यस्त चौराहों के बीचों-बीच बैठ जाते हैं। इसके चलते भारी वाहनों के साथ-साथ दुपहिया वाहन चालकों को निकलने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही रात के अंधेरे में सड़क पर बैठे ये मवेशी नजर नहीं आते, जिससे लगातार गंभीर सड़क भी दुर्घटनाएं हो रही हैं। श्री खान ने बताया कि यातायात बाधित करने के साथ-साथ इन आवारा मवेशियों ने क्षेत्र के किसानों की नाक में भी दम कर रखा है। वर्तमान में खरीफ सीजन का दौर है, किसानों ने दिन-रात एक करके अपने खेतों में धान की फसल, बोनी और खार लगाये है लेकिन रात के समय ये आवारा मवेशियों के झुंड खेतों में घुसकर हरी-भरी फसलों को चर कर नुकसान पहुंचा रहे है जिससे किसानों की लागत और मेहनत दोनों बर्बाद हो रही है। इसलिए ग्राम पंचायत के द्वारा अब आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजा जायेगा।

वारासिवनी रामपायली मार्ग पर भीषण सड़क हादसा

खड़े डंपर में पीछे से घुसी तेज रफ्तार पल्सर, युवक गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर के वारासिवनी रामपायली मुख्य मार्ग पर शनिवार की दोपहर करीब २ बजे एक भयानक सड़क हादसा सामने आया है। यहाँ एफ सीआई गोदाम और सिंचाई विभाग कार्यालय के बीच सड़क किनारे खड़े एक डंपर के पीछे मोटरसाइकिल सवार युवक अनियंत्रित होकर जा घुसा। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक को उतारने के बाद भी मोटरसाइकिल डंपर के पीछे सीधी फंसी रही। हादसे में युवक के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं जिसे नाजुक हालत में बालाघाट रिफर किया गया है।

काम से जा रहा था आमाटोला का युवक

प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवक की पहचान हिमांशु पिता रामचरण उइके उम्र ३० वर्ष के रूप में हुई है जो आमाटोला कासपुर का निवासी है। हिमांशु पेशे से मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। शनिवार की दोपहर वह अपनी पल्सर मोटरसाइकिल क्रमांक एम पी ५० जेड एफ् ७५२ पर सवार होकर कॉलेज चौक से दीनदयाल चौक की ओर किसी जरूरी कार्य से जा रहा था। इसी दौरान वारासिवनी रामपायली मार्ग पर एफसीआई गोदाम के पास सड़क किनारे एक डंपर क्रमांक एम पी १९ जेड एस २९७२ खड़ा था। रफ्तार तेज होने के कारण हिमांशु बाइक पर से नियंत्रण खो बैठा और उसकी मोटरसाइकिल सीधे खड़े डंपर के पीछे ड्राइवर साइड में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल जमीन पर गिरने के बजाय डंपर के पिछले हिस्से में ही लॉक हो गई। हादसे के ठीक बाद वहाँ से गुजर रहे डेकोरेशन संचालक राजू बोपचे अपने वाहन से वारासिवनी की ओर जा रहे थे। सड़क किनारे दुर्घटनाग्रस्त बाइक को देखकर उन्हें कुछ जाना पहचाना सा लगा। जब उन्होंने पास जाकर देखा तो घायल अवस्था में तड़प रहा युवक कोई और नहीं बल्कि उनके यहाँ पूर्व में डेकोरेशन का काम कर चुका हिमांशु ही था। राजू बोपचे ने बिना वक्त गंवाए स्थानीय लोगों की मदद से हिमांशु को डंपर के पीछे फसी मोटरसाइकिल से निकाला और तत्काल वारासिवनी के सिविल अस्पताल पहुँचाया।

मशक्कत के बाद निकाली गई बाइक बालाघाट रिफर

दुर्घटना की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि युवक को अस्पताल भेजने के बाद भी मोटरसाइकिल डंपर में ही फंसी रही। मौके पर पहुँची पुलिस टीम को बाइक को डंपर से अलग करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। उधर सिविल अस्पताल वारासिवनी में डॉक्टरों ने हिमांशु का प्राथमिक उपचार किया लेकिन सिर पर गंभीर चोट और नाजुक हालत को देखते हुए उसे तुरंत जिला चिकित्सालय बालाघाट रिफर कर दिया। हिमांशु की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसके साथी और परिजन उसे तत्काल एक निजी वाहन से बालाघाट के एक निजी अस्पताल ले गए जहाँ उसका उपचार जारी है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से इस हादसे की सूचना स्थानीय थाने को भेज दी गई है। मौके पर पहुँची वारासिवनी पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करने के बाद डंपर और मोटरसाइकिल दोनों को जब्त कर लिया है और उन्हें थाने लाकर खड़ा करवा दिया गया है। पुलिस ने मामले की जाँच शुरू कर दी है।

सड़क किनारे लोग ट्रक खड़े कर देते हैं जो आये दिन दुर्घटनायें हो रही है-राजू बोपचे

राजू बोपचे में बताया की मैं अपने वाहन से पत्नी के साथ डॉक्टर के यहां जा रहा था। तभी रास्ते में भीड़ देखकर मेरे द्वारा पास में जाकर देखा गया तो हिमांशु उइके की मोटरसाइकिल एफ सीआई गोदाम के पास खड़े सीमेंट से भरे ट्रक के पीछे घुसी हुई थी और वह घायल था। जिसे तत्काल सिविल अस्पताल में हमारे द्वारा लाकर भर्ती किया गया। यह युवक आमाटोला का रहने वाला है जो किसी भी प्रकार की मजदूरी के कार्य करता है। घटनास्थल पर बहुत ज्यादा खून बह चुका है जिसे डॉक्टर के कहने पर बालाघाट ले जाया जा रहा है। यह स्थान पर अधिकांश देखा गया है कि सड़क किनारे लोग अपने ट्रक खड़े कर देते हैं जो ठीक नहीं है और पिछले समय में भी ऐसे ही कुछ दुर्घटनाएं हो चुकी है लोगों को अपने वाहन सुरक्षित खड़े करने चाहिए।

अतिथि शिक्षकों की वारासिवनी में महाबैठक आज, विधायक और नेता प्रतिपक्ष के सामने रखेंगे अपनी मांगें

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के दीनदयाल चौक स्थित कार्यालय में १२ जुलाई को समस्त अतिथि शिक्षकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण एक विशाल महाबैठक का आयोजन किया जा रहा है। इस बैठक में जिले के सभी ब्लॉकों के अतिथि शिक्षकों को एक साथ आमंत्रित किया गया है। यह बैठक सुबह ११ से रखी गयी है इस दौरान विधायक विवेक पटेल से भेंट वार्ता अतिथि शिक्षकों की लंबित मांगों और महापंचायत की घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर की जायेगी। संजय राणा एवं मुनेन्द्र बोरकर ने बताया की समस्त अतिथि शिक्षक संघ के तत्वाधान में विधायक विवेक पटेल से मुलाकात कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमें आगामी समय में विधानसभा मानसून सत्र प्रारंभ होना है जिसमें नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के द्वारा अतिथि शिक्षकों के पक्ष को प्रमुखता से रखने के लिए चर्चा की जाएगी। ५ सितंबर २०२३ को पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा अतिथि शिक्षकों के लिए कई घोषणाएं की गई थी। जिसका आज तक कोई परिपालन नहीं किया गया है वहीं शिक्षा मंत्री से भी मुलाकात की गई थी। जिन्होंने कहा कि यह घोषणा शिवराज सिंह ने की थी इसे हम पूरी नहीं करेंगे तो क्या वह भाजपा के नहीं है। घोषणा भाजपा सरकार की थी ना कि मुख्यमंत्री की क्योंकि सरकार एक दल की होती है। इसलिए अतिथि शिक्षकों की महापंचायत बुलाकर की गई

घोषणाओं को पूरा करने के विषय पर विधायक से चर्चा की जाएगी। अतिथि शिक्षक साथियों से अपील है कि वह निर्धारित समय पर बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपनी आवाज बुलंद करें।

पिता की हत्या करने वाले कलयुगी पुत्र को अदालत ने सुनाई उम्रकैद की सजा

शराब पीने से मना करने पर बांस के डंडे से पीट पीटकर वृद्ध पिता को उतारा था मौत के घाट

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। न्याय और कानून की चौखट पर एक बार फिर एक कलयुगी पुत्र को उसके जघन्य अपराध की अंतिम और कड़ी सजा मिली है। थाना कटंगी के ग्राम तुमसर से एक दिल दहला देने वाले पितृहंता पारिवारिक हत्याकांड में ११ जुलाई को न्यायालय ने ऐतिहासिक और कड़ा फैसला सुनाया है। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश मीणा की अदालत ने अपने ही पिता की बेरहमी से हत्या करने वाले दोषी पुत्र राजेश मानेश्वर उम्र ३७ वर्ष को भारतीय दंड संहिता की धारा ३०२ के तहत दोषी पाते हुए सश्रम आजीवन कारावास यानि उम्रकैद और १००० रुपये के अर्थदंड की सजा से दंडित किया है। अर्थदंड की अदायगी ना करने पर दोषी को ०४ माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा।

यह था पूरा मामला

अभियोजन पक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह दर्दनाक घटना १३ मई २०२४ को दोपहर लगभग १ बजे से ४ बजे के बीच घटित हुई थी। ग्राम तुमसर निवासी ३७ वर्षीय आरोपी राजेश पिता सीताराम मानेश्वर और उसके पिता सीताराम मानेश्वर एक ही मकान में निवास करते थे। मृतक सीताराम मानेश्वर ने अपने पुत्र राजेश मानेश्वर को अत्यधिक शराब पीने से मना किया था। इसी बात से नाराज होकर कलयुगी पुत्र राजेश ने आपा खो दिया और घर के भीतर ही रखे बांस के मोटे डंडे से अपने वृद्ध पिता पर ताबड़तोड़ प्रहार करना शुरू कर दिया। आरोपी ने पिता को जान से मारने की नीयत से सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर इतनी बेरहमी से वार किए कि वृद्ध सीताराम का दाहिना हाथ टूटकर लटक गया और वृद्ध पिता लहूलुहान होकर अचेत हो गए और मौके पर ही तड़प.तड़प कर उनकी मृत्यु हो गई।

दामाद की शिकायत पर दर्ज हुआ था मामला

घटना वाले दिन मृतक सीताराम मानेश्वर जब अपनी जान बचाने के लिए चिल्ला रहे थे तो गांव के प्रत्यक्षदर्शियों ने आवाज सुनी। उन्होंने देखा कि आरोपी राजेश अपने पिता को बांस के डंडे से लगातार पीट रहा था और वृद्ध पिता गुरुजी.गुरुजी चिल्लाते हुए सहायता की गुहार लगा रहे थे। गंभीर मारपीट के कारण मृतक की दाहिनी भुजा भी टूटकर लटक गई थी। घटना की सूचना मृतक के दामाद व मामले के मुख्य प्रार्थी तिलकचंद अचारे को उनकी पत्नी मोतनबाई ने फोन पर दी थी। मोतनबाई ने रोते हुए बताया कि उसके पिता की मौत हो चुकी है। जब तिलकचंद तुरंत अपने ससुराल ग्राम तुमसर पहुंचे तो देखा की लहूलुहान और अचेत अवस्था में वृद्ध को पानी पिलाकर खटिया पर लेटाया गया लेकिन तब तक उनके प्राण पखेरू उड़ चुके थे। प्रार्थी की तत्परता से थाना कटंगी में अपराध क्रमांक २२३/२०२४ के तहत धारा ३०२ भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम हेतु कटंगी अस्पताल भेजा और आरोपी को गिरफ्तार कर आला कत्ल बांस का डंडा जब्त किया।

अभियोजन की मजबूत पैरवी से मिली सफलता

न्यायालय में मामले की पैरवी कर रहे अतिरिक्त लोक अभियोजक संतोष लिल्हारे ने अभियोजन पक्ष को बेहद मजबूती से प्रस्तुत किया। मुस्तैदी से पैरवी करते हुए न्यायालय के समक्ष कुल १९ महत्वपूर्ण गवाहों के बयान दर्ज कराए, साथ ही ३६ दस्तावेजी साक्ष्य और घटना में प्रयुक्त बांस के डंडे सहित ८ अन्य सामग्रियां ठोस सबूत के तौर पर पेश कीं। न्यायाधीश कमलेश मीणा ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और वैज्ञानिक व चिकित्सकीय साक्ष्यों का बारीकी से अवलोकन करने के बाद आरोपी राजेश मानेश्वर को पिता की हत्या का दोषी माना और समाज में इस प्रकार के जघन्य अपराधों के प्रति कड़ा संदेश देते हुए खुले न्यायालय में उम्रकैद की सजा का ऐलान किया।

एकतरफा रिलीव के बाद भी जॉइन नहीं कर रहे टीचर

अटैचमेंट खत्म वाले शिक्षकों की ई-अटेंडेंस की जानकारी आरटीआई से जुटाएगा शिक्षक संगठन

भोपाल। मंत्रालय में बाबू और विधायकों के निजी सचिव (पीए) के रूप में कार्य कर रहे शिक्षकों का अटैचमेंट समाप्त कर उन्हें मूल स्कूलों में भेजने के आदेश के बावजूद कई शिक्षकों ने अब तक अपनी मूल पदस्थापना वाले स्कूलों में कार्यभार ग्रहण नहीं किया है। बताया जा रहा है कि राजनीतिक रसूख के दम पर कुछ शिक्षक अपने रिलीविंग आदेश निरस्त कराकर दोबारा पूर्व स्थान पर ही पदस्थ होने की कोशिश में लगे हैं। इस बीच उनकी ई-अटेंडेंस भी मूल विद्यालय से दर्ज नहीं हो रही है। मामले को लेकर शासकीय शिक्षक संगठन, मध्यप्रदेश ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत विस्तृत जानकारी मांगने का निर्णय लिया है। संगठन का कहना है कि इससे शिक्षा विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकेगी।

संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने बताया कि सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत उन शिक्षकों की जानकारी मांगी जाएगी जो अटैचमेंट समाप्त होने के बाद भी अपनी मूल संस्था में उपस्थित नहीं हुए हैं या जिनकी ई-अटेंडेंस मूल विद्यालय की लोकेशन से दर्ज नहीं हो रही है। आरटीआई के माध्यम से संगठन ऐसे शिक्षकों की सूची, उनकी मूल पदस्थापना, अटैचमेंट समाप्त करने के आदेश, मूल विद्यालय में कार्यभार ग्रहण करने की स्थिति और विभाग द्वारा की गई कार्रवाई से संबंधित जानकारी प्राप्त करेगा।

नियम सभी पर समान रूप से लागू हों

उपेन्द्र कौशल ने कहा कि यदि शिक्षा विभाग सभी कर्मचारियों पर समान नियम लागू होने का दावा करता है, तो उनका पालन भी बिना किसी भेदभाव के होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन का उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना नहीं, बल्कि विभागीय व्यवस्था में पारदर्शिता, निष्पक्षता और समानता सुनिश्चित करना है। आवश्यक होने पर प्राप्त जानकारी के आधार पर सक्षम अधिकारियों से आगे की कार्रवाई की मांग भी की जाएगी।

213 शिक्षक पढ़ाने के बजाय दूसरे विभागों में कर रहे थे काम

लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने हाल ही में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि शिक्षकों को उनकी मूल पदस्थापना वाले विद्यालयों में भेजा जाए और यदि वे किसी अन्य विभाग में अटैच हैं तो उनका अटैचमेंट तत्काल समाप्त किया जाए। निर्देशों के बाद प्रदेशभर में 213 शिक्षक ऐसे मिले जो शिक्षण कार्य छोडक़र अन्य विभागों में सेवाएं दे रहे थे। इनमें से भोपाल के 52 शिक्षक शामिल थे। कुछ मंत्रालय में बाबू के रूप में कार्यरत थे, जबकि कुछ विधायकों के पीए के रूप में सेवाएं दे रहे थे। इन सभी शिक्षकों को एकतरफा रिलीव करने की कार्रवाई की जा चुकी है।

भोपाल में केवल एक दर्जन शिक्षकों ने किया जॉइन

विभागीय सूत्रों के अनुसार, भोपाल के 52 शिक्षकों में से अब तक केवल करीब एक दर्जन शिक्षक ही अपनी मूल पदस्थापना वाले विद्यालयों में लौटे हैं। शेष शिक्षकों ने अभी तक कार्यभार ग्रहण नहीं किया है। बताया जा रहा है कि जिला शिक्षा अधिकारी भी इनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं, जबकि कई शिक्षक दोबारा पूर्व पदस्थापना बनाए रखने के लिए विभागीय अधिकारियों पर दबाव बनाने में जुटे हैं।

भाजपा नगर मंडल की महत्वपूर्ण कामकाजी बैठक आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी नगर मंडल की महत्वपूर्ण कामकाजी बैठक रविवार को आयोजित की गई है। जिसमें संभाग प्रभारी सुमेर सिंह सोलंकी,जिला प्रभारी अभिलाष मिश्रा, जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे, वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा प्रभारी प्रदीप जायसवाल रहेंगे मौजूद। भारतीय जनता पार्टी वारासिवनी नगर मंडल की एक अति आवश्यक कामकाजी बैठक १२ जुलाई दिन रविवार की शाम ४ बजे आयोजित की जा रही है। इस बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों और आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा के संभाग प्रभारी व प्रदेश महामंत्री सुमेर सिंह सोलंकी,बालाघाट जिला प्रभारी अभिलाष मिश्रा,जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे , और वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा प्रभारी व २०२३ के प्रत्याशी प्रदीप जायसवाल के विशेष रूप से उपस्थित रहकर पदाधिकारियों का मार्गदर्शन करेंगे। इस महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक में जिले के पदाधिकारी नगर मंडल के पदाधिकारी, शक्ति केंद्र प्रभारी, संयोजक, सह.संयोजक, सभी बूथ अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, समस्त पार्षद गण, वारासिवनी नगर मंडल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जनपद सदस्य तथा पांचों भाजपा मंडल के अध्यक्ष एवं महामंत्री अनिवार्य रूप से सम्मिलित होंगे। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा ने सभी अपेक्षित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आग्रह किया है कि बैठक की संवेदनशीलता और महत्ता को देखते हुए रविवार शाम ४ बजे समय पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

पदोन्नति में दोहरे मापदंड को लेकर आजाद अध्यापक शिक्षक संघ नाराज

५ सितंबर को मुख्यमंत्री आवास घेरने की चेतावनी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी मध्य प्रदेश में शिक्षकों की पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही शिक्षक संगठनों में असंतोष के स्वर भी मुखर होने लगे हैं। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के प्रांतीय महासचिव अरविंद पारधी ने शासन की वर्तमान पदोन्नति नीति पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे दोहरा मापदंड करार दिया है। उन्होंने कहाँ कि यदि शासन ने उच्च माध्यमिक शिक्षकों के साथ न्याय नहीं किया तो आगामी ५ सितंबर शिक्षक दिवस को संगठन के द्वारा मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा।

पदोन्नति की शुरुआत हर्ष का विषय लेकिन उच्च माध्यमिक शिक्षकों के साथ अन्याय-अरविंद पारधी

संघ के प्रांतीय महासचिव अरविंद पारधी ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश शासन के द्वारा पदोन्नति प्रक्रिया प्रारंभ करना बेहद हर्ष का विषय है। लेकिन इस हर्ष के साथ एक बड़ा दुखद पहलू भी जुड़ा हुआ है। वर्तमान में जो उच्च माध्यमिक शिक्षक उच्च पद प्रभार के तहत प्राचार्य के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं उन्हें आज भी प्रशासनिक रूप से केवल उच्च माध्यमिक शिक्षक ही माना जाता है। उनके लिए नियमित पदोन्नति का कोई सीधा रास्ता नहीं छोड़ा गया है,बल्कि उनके लिए विभागीय परीक्षा आयोजित करने की बात कही जा रही है जो कि पूरी तरह से अनुचित है। राज्य, संभाग और जिला स्तर पर जो वरिष्ठता सूचियां बनाई गई हैं वे सही हैं। परंतु वर्ष १९९८ से निरंतर लगभग २५ से २८ वर्षों से कार्यरत उच्च माध्यमिक शिक्षक जो पूरी तरह अहर्ता और वरिष्ठता रखते हैं । उन्हें प्राचार्य पद पर पदोन्नत करने के लिए परीक्षा की बाध्यता क्यों रखी जा रही है ,यदि शिक्षक २८ साल की उत्कृष्ट सेवा दे चुके हैं तो क्या शासन को उनकी कार्यशैली और योग्यता पर विश्वास नहीं है। एक तरफ पुराने कैडर के व्याख्याताओं को बिना किसी परीक्षा के सीधे प्राचार्य बनाया जा रहा है ,वहीं दूसरी तरफ उच्च माध्यमिक शिक्षकों के लिए परीक्षा की शर्त थोपी जा रही है। यह शासन का दोहरा मापदंड हैं। प्राथमिक शिक्षकों को माध्यमिक शिक्षक के पद पर माध्यमिक शिक्षकों को उच्च माध्यमिक शिक्षक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षकों को बिना किसी परीक्षा के उनकी वरिष्ठता के आधार पर सीधे प्राचार्य बनाकर विभागीय जिम्मेदारी सौंपी जाए। वर्तमान में शासन प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों के साथ साथ पुराने कैडर के शिक्षकों सहायक शिक्षकों और व्याख्याताओं को तो पदोन्नति दे रहा है ,लेकिन उच्च माध्यमिक शिक्षक कैडर की अनदेखी की जा रही है। इस विसंगति को दूर करने के लिए संगठन जल्द ही शासन स्तर पर पत्राचार के माध्यम से अपनी बात रखेगा। यदि इसके बाद भी शासन अपने फैसले को नहीं बदलता है और परीक्षा की बाध्यता समाप्त नहीं की जाती है तो आजाद अध्यापक शिक्षक संघ चुप नहीं बैठेगा। संगठन ने ५ सितंबर को मुख्यमंत्री आवास घेराव की बात की है अगर पदोन्नति नहीं हुई तो ५ सितंबर को यह सब होगा।

सोशल मीडिया और उसकी बेलगाम पहुंच

समस्या जितनी भीषण होती है, लोग उतना ही आसान हल चाहते हैं। इस प्रवृत्ति ने इस बात पर सार्वजनिक बहस को जटिल बना दिया है कि सोशल मीडिया किशोरों को कैसे और कितना नुकसान पहुंचाता है। कई देशों में लंबे समय तक इस विचार का बोलबाला रहा कि ये मंच मानसिक स्वास्थ्य संकट बढ़ा रहे हैं, लेकिन अब शोधकर्ताओं ने अधिक सतर्क रुख अपनाया है। सोशल मीडिया का इस्तेमाल और मानसिक स्वास्थ्य साफ तौर पर जुड़े हुए हैं —लड़कियों में ज्यादा — लेकिन उसका कितना हिस्सा वास्तव में कारण बनता है और किन हालात में, इस पर अभी भी बहस चल रही है। ऑस्ट्रेलिया द्वारा, साल 2024 में, 16 साल और उससे कम वालों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाये जाने के फैसले का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल में समर्थन किया। उनकी बातों से भारत में भी इसी तरह की रोक का संकेत मिलता है। इस पर आंध्र प्रदेश और कर्नाटक भी सार्वजनिक रूप से विचार कर चुके हैं। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के मनोवैज्ञानिकों, डिजिटल स्वास्थ्य शोधकर्ताओं, बाल अधिकारों के विद्वानों और ऑनलाइन सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस रोक की आलोचना की है, क्योंकि भले ही सोशल मीडिया के इस्तेमाल और उससे बच्चों को नुकसान के बीच संबंध के भरोसेमंद सबूत मौजूद हों, उम्र के आधार पर पहुंच पर रोक और बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के बीच संबंध के सबूतों का अभाव रहा है। वास्तविक-दुनिया की नजीर की नामौजूदगी में, ऑस्ट्रेलिया दरअसल एक प्राकृतिक प्रयोग कर रहा है। और शोध का अनुमान है कि 12 से 16 साल वालों में से लगभग 85 फीसदी अब भी सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

कुछ मनोवैज्ञानिकों और पैरोकार समूहों का तर्क है कि हरकत में आने के लिए एकदम पुख्ता सबूतों का इंतजार करना उसी गलती का दोहराव होगा जो सरकारों ने तंबाकू के मामले में की थी, लेकिन कई सारे विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य को चाहिए कि वह यह रोक हटा ले और इसके बजाय बच्चों की देखभाल के ज्यादा मजबूत कर्तव्य अपनाए, स्कूली शिक्षा में डिजिटल साक्षरता को शामिल करे, लत लगाने वाले यूजर इंटरफेसों/अनुभवों को सीमित करे, नाबालिगों के लिए क्रोनोलॉजिकल फीड अनिवार्य करे, कंटेंट मॉडरेशन को और मजबूत करे, गोपनीयता सुरक्षा बेहतर करे और माता-पिता का कारगर नियंत्रण शुरू करे। सोशल मीडिया के चलते किशोरों को नुकसान पर ज्यादातर अध्ययन अवलोकन-आधारित रहे हैं और इस प्रकार वे विपरीत कारणता यानी रिवर्स कॉजेशन (हो सकता है कि अवसादग्रस्त किशोर ही ज्यादा समय ऑनलाइन बिताते हों) और छोटे औसत प्रभावों के शिकार हुए हो सकते हैं; विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि प्रतिदिन बिताये जाने वाले घंटों से उतना पता नहीं चलता, जितना कि निष्क्रिय बनाम सक्रिय जुड़ाव, सहयोगी बनाम विरोधी समूहों में भागीदारी जैसी बातों से। यह सच है कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल नींद में व्यवधान डाल सकता है तथा साइबर-बुलिंग, लत लगाने वाले रिकमेंडेशन पैटर्नों, और खुद को नुकसान पहुंचाने या ईटिंग डिसऑर्डर के बारे में सामग्री के संपर्क में आना बढ़ा सकता है, मगर यह दोस्ती बनाये रखने और अपनी पहचान ढूंढ़ने, साथियों का सहयोग दिलाने, और एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदायों व मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारियों तक पहुंच बढ़ाने में भी मददगार हो सकता है। पूरी तस्वीर मिली-जुली है और हल सीधे-सादे नहीं हैं। हालांकि, पहला कदम यह हो सकता है ='कौन प्रवेश कर सकता है' इसके विनियमन के बजाय, सरकारों को मंचों के काम करने का तरीका बदलना चाहिए।

असहमति की अनसुनी आवाज़

लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान केवल चुनाव नहीं है। चुनाव तो सत्ता बदलने का माध्यम हैं; लोकतंत्र का वास्तविक नैतिक आधार यह है कि वह असहमति को कितना सम्मान देता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की परिपक्वता का आकलन इस बात से होता है कि वह अपने सबसे कमजोर, सबसे असहमत और सबसे असुविधाजनक नागरिक की आवाज़ को कितनी गंभीरता से सुनती है। जब सत्ता संवाद के बजाय मौन को चुनने लगे, तब संकट केवल किसी एक आंदोलन का नहीं रहता, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा का हो जाता है।

इन्हीं दिनों लद्दाख के पर्यावरणविद, अभियंता और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक कई दिनों से आमरण अनशन पर हैं। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में यह केवल एक व्यक्ति का उपवास नहीं होता; यह व्यवस्था के सामने रखा गया नैतिक प्रश्न होता है। अनशन अपने शरीर को ही तर्क बना देने की वह परंपरा है जिसमें हिंसा का कोई स्थान नहीं होता। महात्मा गांधी ने इसे सत्याग्रह की सर्वोच्च अभिव्यक्ति माना था। इसलिए जब कोई नागरिक इस अंतिम लोकतांत्रिक उपाय का सहारा लेता है, तो यह मानकर चलता है कि सत्ता के भीतर अभी भी संवेदना का कोई कोना शेष है। प्रश्न यह है कि क्या आज भी ऐसा है?

भारत का स्वतंत्रता आंदोलन इस विश्वास पर खड़ा था कि नैतिक शक्ति अंततः राजनीतिक शक्ति को झुकाती है। नमक सत्याग्रह, व्यक्तिगत सत्याग्रह, उपवास और अहिंसक प्रतिरोध ने ब्रिटिश साम्राज्य जैसी ताकत को भी नैतिक संकट में डाल दिया था। लेकिन स्वतंत्र भारत में विडंबना यह है कि कई बार अपनी ही लोकतांत्रिक सरकारें शांतिपूर्ण आंदोलनों के प्रति ऐसी उदासीन दिखाई देती हैं मानो विरोध कोई नागरिक अधिकार नहीं, बल्कि प्रशासनिक असुविधा हो।

इस संदर्भ में दो नाम बार-बार स्मरण आते हैं—स्वामी निगमानंद और प्रो. जी. डी. अग्रवाल (स्वामी सानंद)। दोनों ने गंगा की अविरलता, निर्मलता और पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने प्राण दांव पर लगा दिए। एक युवा संन्यासी था, दूसरा विश्व-प्रसिद्ध अभियंता और पर्यावरण वैज्ञानिक। दोनों ने अंततः अपने प्राण खो दिए, लेकिन व्यवस्था का हृदय नहीं पिघला। उनकी मृत्यु केवल दो व्यक्तियों की मृत्यु नहीं थी; वह इस प्रश्न की मृत्यु भी थी कि क्या लोकतंत्र अपने सबसे शांतिपूर्ण प्रतिरोध को सुनने की क्षमता बचाए हुए है।

आज सोनम वांगचुक का अनशन उसी परंपरा की याद दिलाता है। वे किसी राजनीतिक दल के पेशेवर नेता नहीं हैं। उन्होंने लद्दाख में शिक्षा, जल संरक्षण और पर्यावरण के क्षेत्र में जो काम किया है, उसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। उनकी 'आइस स्तूप' तकनीक केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन से जूझते हिमालयी समाज के लिए आशा का मॉडल है। ऐसे व्यक्ति की आवाज़ से असहमति हो सकती है, लेकिन उसे अनसुना कर देना लोकतांत्रिक विवेक के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता।

लोकतंत्र का अर्थ यह नहीं कि सरकार हर मांग स्वीकार कर ले। लोकतंत्र का अर्थ यह है कि सरकार हर नागरिक को सुनने की जिम्मेदारी स्वीकार करे। संवाद, असहमति और आलोचना लोकतंत्र के शत्रु नहीं, बल्कि उसके प्राण हैं। जब संवाद की जगह मौन ले लेता है, तब लोकतंत्र धीरे-धीरे केवल चुनावी प्रक्रिया बनकर रह जाता है।

जर्मन दार्शनिक हन्ना आरेंट ने लिखा था कि सत्ता की सबसे बड़ी विफलता तब होती है जब वह नागरिकों को संवाद के योग्य नहीं समझती। भारतीय संविधान भी इसी विचार पर आधारित है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा और विरोध का अधिकार इसलिए दिए गए कि राज्य निरंकुश न बन सके। यदि नागरिक का शांतिपूर्ण प्रतिरोध भी व्यवस्था तक न पहुँचे, तो संविधान की आत्मा आहत होती है।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने लिखा था—यदि तुम्हारी पुकार सुनकर कोई न आए, तो अकेले चलो रे। यह कविता साहस का गीत है, लेकिन किसी लोकतंत्र का आदर्श नहीं। लोकतंत्र का आदर्श यह होना चाहिए कि किसी नागरिक को अपनी पुकार अकेले न लगानी पड़े; व्यवस्था उसके शब्दों को सुने, समझे और उत्तर दे।

आज प्रश्न केवल सोनम वांगचुक का नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या भारत में अहिंसक प्रतिरोध अब भी लोकतांत्रिक संवाद का वैध माध्यम है, या वह केवल प्रतीक बनकर रह गया है? यदि व्यवस्था शांतिपूर्ण आवाज़ों को भी अनसुना करती रही, तो यह केवल एक आंदोलनकारी की पराजय नहीं होगी; यह लोकतंत्र की नैतिक विश्वसनीयता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न होगा।

लोकतंत्र का सबसे बड़ा संकट तब शुरू होता है जब सत्ता यह मान बैठती है कि चुनावी बहुमत ही नैतिक वैधता का अंतिम प्रमाण है। चुनाव सरकार बनाने का अधिकार देता है, लेकिन नागरिकों की असहमति को अनसुना करने का अधिकार नहीं देता। संविधान ने सरकार को शक्ति दी है, पर उसी संविधान ने नागरिकों को प्रश्न पूछने, विरोध करने और शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार भी दिया है। यही कारण है कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में अनशन को केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि एक नैतिक हस्तक्षेप के रूप में देखा जाता है।

महात्मा गांधी ने अनशन को कभी राजनीतिक ब्लैकमेल का साधन नहीं माना। उनके लिए उपवास आत्मशुद्धि, नैतिक आग्रह और जनचेतना जगाने का माध्यम था। गांधी जानते थे कि हिंसा सत्ता को कठोर बनाती है, जबकि अहिंसा उसके विवेक को संबोधित करती है। यदि अहिंसक प्रतिरोध भी सत्ता के भीतर कोई नैतिक हलचल पैदा न कर सके, तो यह केवल आंदोलन की विफलता नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन की संवेदनहीनता का संकेत है।

भारतीय इतिहास ऐसे अनेक प्रसंगों से भरा है, जहाँ व्यक्तियों ने अपने शरीर को ही प्रतिरोध का अंतिम साधन बनाया। स्वतंत्रता आंदोलन में यह परंपरा विदेशी शासन के विरुद्ध थी; स्वतंत्र भारत में यह अपने ही लोकतांत्रिक राज्य के सामने न्याय की पुकार बनकर उभरी। यही विडंबना सबसे अधिक बेचैन करती है।

सोनम वांगचुक का महत्व केवल इसलिए नहीं है कि वे अनशन पर बैठे हैं। उनका महत्व इसलिए भी है कि उन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा हिमालय, जलवायु परिवर्तन, शिक्षा और स्थानीय समुदायों के भविष्य के लिए समर्पित किया है। लद्दाख की कठोर भौगोलिक परिस्थितियों में उनका काम केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि विकास की एक वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करता है। जब ऐसा व्यक्ति व्यवस्था से संवाद की अपेक्षा करता है, तब उसे केवल राजनीतिक चश्मे से देखना उचित नहीं कहा जा सकता।

यह भी ध्यान रखना होगा कि लोकतंत्र में हर आंदोलन सही हो, यह आवश्यक नहीं; लेकिन हर आंदोलन को सुनना आवश्यक है। सरकार किसी मांग से असहमत हो सकती है, उसे अस्वीकार भी कर सकती है, किंतु संवाद से इंकार लोकतांत्रिक परंपरा को कमजोर करता है। संवाद लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी सबसे बड़ी शक्ति है।

दुर्भाग्य से आज सार्वजनिक विमर्श का बड़ा हिस्सा शोर में बदल गया है। टेलीविजन बहसों में चीखें हैं, सोशल मीडिया पर आरोप-प्रत्यारोप हैं, लेकिन समाज के सबसे गंभीर नैतिक प्रश्न अक्सर हाशिए पर चले जाते हैं। एक ओर राजनीतिक बयान सुर्खियां बनते हैं, दूसरी ओर किसी शांतिपूर्ण अनशन पर बैठे व्यक्ति की बिगड़ती सेहत राष्ट्रीय चिंता का विषय नहीं बन पाती। यह केवल मीडिया की प्राथमिकताओं का प्रश्न नहीं है; यह हमारी सामूहिक संवेदना की भी परीक्षा है।

इतिहास बताता है कि किसी भी समाज का नैतिक स्तर इस बात से नहीं मापा जाता कि वह अपने शक्तिशाली लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है, बल्कि इस बात से मापा जाता है कि वह उन लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है जिनके पास केवल नैतिक बल है। सत्ता के पास प्रशासन, संसाधन और कानून की शक्ति होती है; नागरिक के पास केवल सत्य, तर्क और अंततः अपना शरीर। यदि शरीर को दांव पर लगाने के बाद भी उसकी आवाज़ अनसुनी रह जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर का एकला चलो रे व्यक्तिगत साहस का गीत है, लेकिन लोकतंत्र का आदर्श नहीं। लोकतंत्र का आदर्श यह है कि नागरिक को अकेले न चलना पड़े; संस्थाएं, समाज और मीडिया उसकी बात सुनें। यदि हर सजग नागरिक अंततः अकेला पड़ जाए, तो यह केवल उसकी नियति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विफलता होगी।

इसलिए आज आवश्यकता किसी व्यक्ति-विशेष के पक्ष या विपक्ष में खड़े होने की नहीं, बल्कि उस लोकतांत्रिक सिद्धांत की रक्षा करने की है जिसके अनुसार शांतिपूर्ण असहमति राष्ट्र-विरोध नहीं, बल्कि लोकतंत्र का आवश्यक तत्व है। सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों की क्षति की भरपाई पीढ़ियों तक नहीं हो पाती।

लोकतंत्र का सबसे बड़ा संकट तब शुरू होता है जब सत्ता यह मान बैठती है कि चुनावी बहुमत ही नैतिक वैधता का अंतिम प्रमाण है। चुनाव सरकार बनाने का अधिकार देता है, लेकिन नागरिकों की असहमति को अनसुना करने का अधिकार नहीं देता। संविधान ने सरकार को शक्ति दी है, पर उसी संविधान ने नागरिकों को प्रश्न पूछने, विरोध करने और शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार भी दिया है। यही कारण है कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में अनशन को केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि एक नैतिक हस्तक्षेप के रूप में देखा जाता है।

महात्मा गांधी ने अनशन को कभी राजनीतिक ब्लैकमेल का साधन नहीं माना। उनके लिए उपवास आत्मशुद्धि, नैतिक आग्रह और जनचेतना जगाने का माध्यम था। गांधी जानते थे कि हिंसा सत्ता को कठोर बनाती है, जबकि अहिंसा उसके विवेक को संबोधित करती है। यदि अहिंसक प्रतिरोध भी सत्ता के भीतर कोई नैतिक हलचल पैदा न कर सके, तो यह केवल आंदोलन की विफलता नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन की संवेदनहीनता का संकेत है।

भारतीय इतिहास ऐसे अनेक प्रसंगों से भरा है, जहाँ व्यक्तियों ने अपने शरीर को ही प्रतिरोध का अंतिम साधन बनाया। स्वतंत्रता आंदोलन में यह परंपरा विदेशी शासन के विरुद्ध थी; स्वतंत्र भारत में यह अपने ही लोकतांत्रिक राज्य के सामने न्याय की पुकार बनकर उभरी। यही विडंबना सबसे अधिक बेचैन करती है।

सोनम वांगचुक का महत्व केवल इसलिए नहीं है कि वे अनशन पर बैठे हैं। उनका महत्व इसलिए भी है कि उन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा हिमालय, जलवायु परिवर्तन, शिक्षा और स्थानीय समुदायों के भविष्य के लिए समर्पित किया है। लद्दाख की कठोर भौगोलिक परिस्थितियों में उनका काम केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि विकास की एक वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करता है। जब ऐसा व्यक्ति व्यवस्था से संवाद की अपेक्षा करता है, तब उसे केवल राजनीतिक चश्मे से देखना उचित नहीं कहा जा सकता।

यह भी ध्यान रखना होगा कि लोकतंत्र में हर आंदोलन सही हो, यह आवश्यक नहीं; लेकिन हर आंदोलन को सुनना आवश्यक है। सरकार किसी मांग से असहमत हो सकती है, उसे अस्वीकार भी कर सकती है, किंतु संवाद से इंकार लोकतांत्रिक परंपरा को कमजोर करता है। संवाद लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी सबसे बड़ी शक्ति है।

दुर्भाग्य से आज सार्वजनिक विमर्श का बड़ा हिस्सा शोर में बदल गया है। टेलीविजन बहसों में चीखें हैं, सोशल मीडिया पर आरोप-प्रत्यारोप हैं, लेकिन समाज के सबसे गंभीर नैतिक प्रश्न अक्सर हाशिए पर चले जाते हैं। एक ओर राजनीतिक बयान सुर्खियां बनते हैं, दूसरी ओर किसी शांतिपूर्ण अनशन पर बैठे व्यक्ति की बिगड़ती सेहत राष्ट्रीय चिंता का विषय नहीं बन पाती। यह केवल मीडिया की प्राथमिकताओं का प्रश्न नहीं है; यह हमारी सामूहिक संवेदना की भी परीक्षा है।

इतिहास बताता है कि किसी भी समाज का नैतिक स्तर इस बात से नहीं मापा जाता कि वह अपने शक्तिशाली लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है, बल्कि इस बात से मापा जाता है कि वह उन लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है जिनके पास केवल नैतिक बल है। सत्ता के पास प्रशासन, संसाधन और कानून की शक्ति होती है; नागरिक के पास केवल सत्य, तर्क और अंततः अपना शरीर। यदि शरीर को दांव पर लगाने के बाद भी उसकी आवाज़ अनसुनी रह जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।रवीन्द्रनाथ ठाकुर का एकला चलो रे व्यक्तिगत साहस का गीत है, लेकिन लोकतंत्र का आदर्श नहीं। लोकतंत्र का आदर्श यह है कि नागरिक को अकेले न चलना पड़े; संस्थाएं, समाज और मीडिया उसकी बात सुनें। यदि हर सजग नागरिक अंततः अकेला पड़ जाए, तो यह केवल उसकी नियति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विफलता होगी इसलिए आज आवश्यकता किसी व्यक्ति-विशेष के पक्ष या विपक्ष में खड़े होने की नहीं, बल्कि उस लोकतांत्रिक सिद्धांत की रक्षा करने की है जिसके अनुसार शांतिपूर्ण असहमति राष्ट्र-विरोध नहीं, बल्कि लोकतंत्र का आवश्यक तत्व है। सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों की क्षति की भरपाई पीढ़ियों तक नहीं हो पाती।

– **कुमार कृष्णन**

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मौसम का पारंपरिक चक्र तेजी से बदल रहा है

वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी में किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी सैन्य क्षमता,आर्थिक विकास दर अथवातकनीकी उपलब्धियों से नहीं आँकी जाएगी,बल्कि इस बात से भी निर्धारित होगी कि वह जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौती के सामने अपने नागरिकों,संसाधनों और विकास की निरंतरता को कितनी प्रभावी ढंग से सुरक्षित रख पाता है।प्राकृतिक आपदाएँ अब अपवाद नहीं रहीं; वे जलवायु परिवर्तन के कारण एक नई वैश्विक वास्तविकता बनती जा रही हैं। इसलिए भारत के लिए यह समय केवल परिस्थितियों का सामना करने का नहीं, बल्कि भविष्य को ध्यान में रखकर ऐसी राष्ट्रीय रणनीति विकसित करने का है, जो आने वाली पीढ़ियों को अधिक सुरक्षित,सक्षम और पर्यावरण- अनुकूल भारत प्रदान कर सके।इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी,गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि यह समय की माँग है कि जलवायु परिवर्तन को केवल राज्य व केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय का विषय न मानकर राष्ट्रीय नीति और विकास रणनीति के केंद्र में रखा जाए।सरकार को चाहिए कि आपदा प्रबंधन को केवल राहत और पुनर्वास तक सीमित न रखकर उसे राष्ट्रीय विकास नीति का अनिवार्य अंग बनाया जाए।प्रत्येक राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय अवसंरचना परियोजना चाहे वह राजमार्ग हो,रेलवे,स्मार्ट सिटी, औद्योगिक गलियारा, बंदरगाह या आवासीय परियोजना उसका जलवायु जोखिम मूल्यांकन अनिवार्य किया जाना चाहिए। यदि विकास परियोजनाएँ संभावित प्राकृतिक जोखिमों को ध्यान में रखकर बनाई जाएँगी, तो भविष्य में होने वाले आर्थिक नुकसान और जनहानि को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।यह दृष्टिकोण अल्पकालिक खर्च अवश्य बढ़ाएगा,परंतु दीर्घकाल में राष्ट्र को कहीं अधिक सुरक्षित और आर्थिक रूप से सटीकता से सक्षम बनाएगा।

साथियों,वर्तमान मानसून 7 जुलाई 2026 शाम 6 बजे तक ने देश के अनेक राज्यों को प्रभावित किया है। महाराष्ट्र केरल,कर्नाटक,उत्तराखंड,हिमाचल प्रदेश,असम तथा पूर्वोत्तर के कई क्षेत्रों में भारी वर्षा, जलभराव, भूस्खलन और नदी तंत्र के उफान ने जनजीवन को प्रभावित किया है। विशेष रूप से महानगरों में कुछ घंटों की वर्षा भी यातायात,स्वास्थ्य सेवाओं,बिजली आपूर्ति और आर्थिक गतिविधियों को बाधित कर देती है।वहीं पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाएँ यह दर्शाती हैं कि अनियोजित निर्माण, वनों की कटाई और बदलते वर्षा पैटर्न ने जोखिम को कई गुना बढ़ा दिया है। यह केवल मौसम का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि विकास और पर्यावरण के बीच असंतुलन का परिणाम भी है।जहाँ पहले कई दिनों तक सामान्य वर्षा होती थी, वहीं अब कुछ ही घंटों में अत्यधिक वर्षा होने लगी है। इससे शहरी जलनिकासी व्यवस्था,नदी तंत्र और पहाड़ी ढलानों पर अचानक दबाव बढ़ता है। यही कारण है कि विश्व के अनेक देशों में फ्लैश फ्लड,बादल फटना, समुद्री तूफान और भीषण गर्मी जैसी घटनाएँ पहले की तुलना में अधिक तीव्र और अधिक बार दिखाई दे रही हैं। भारत भी इस वैश्विक परिवर्तन से अछूता नहीं है। साथियों,जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रभाव समाज के उस वर्ग पर पड़ता है जिसकी आजीविका सीधे प्रकृति पर निर्भर है। भारत की बड़ी आबादी कृषि, मत्स्य पालन, वानिकी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ी हुई है। असमय वर्षा, लंबे सूखे, ओलावृष्टि और बाढ़ किसानों की मेहनत को कुछ ही घंटों में नष्ट कर देते हैं। इससे खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण आय,रोजगार और महँगाई सभी प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर शहरी क्षेत्रों में उद्योग,परिवहन पर्यटन शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ भी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित होकर आर्थिक नुकसान को बढ़ाती हैं। इसलिए जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न बन चुका है। साथियों, स्थानीय प्रशासन की भूमिका इस परिवर्तन में अत्यंत महत्वपूर्ण है।जिला प्रशासन, नगर निकाय, ग्राम पंचायतें और स्थानीय समुदाय आपदा प्रबंधन की पहली पंक्ति होते हैं। इसलिए प्रत्येक जिले के लिए स्थानीय भूगोल, वर्षा पैटर्न, नदी तंत्र,भूस्खलन संभावित क्षेत्रों तथा शहरी जलभराव के आधार पर स्थानीय आपदा कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिएडिजिटल मानचित्रण रीयल-टाइम मॉनिटरिंग और मोबाइल आधारित चेतावनी प्रणाली को गाँव-गाँव तक पहुँचाना अब विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यकता है। जिस प्रकार टीकाकरण या स्वच्छता अभियान जनआंदोलन बने, उसी प्रकार आपदा जागरूकता और जलवायु अनुकूलन को भी जनभागीदारी का अभियान बनाना होगा।शिक्षा इस परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम हो सकती है।

– **एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी**

दया की भी एक सीमा होती है न्याय की जीत से मिला घावों को मरहम

26 जुलाई 2008 की वह शाम भारतीय इतिहास के सबसे दर्दनाक दिनों में हमेशा दर्ज रहेगी। महज 70 मिनट के भीतर गुजरात के अहमदाबाद शहर में 21 सिलसिलेवार बम धमाकों ने सामान्य जीवन को चीख-पुकार और अफरातफरी में बदल दिया था। बाजारों, सड़कों और अस्पतालों तक को निशाना बनाया गया। जिन अस्पतालों में घायल लोगों का इलाज चल रहा था, वहीं भी विस्फोट किए गए ताकि मौत और भय का दायरा और बढ़ सके। इस निर्मम हमले में 56 निर्दोष लोगों की जान चली गई और 246 से अधिक लोग घायल हुए। उस दिन केवल अहमदाबाद ही नहीं, बल्कि पूरा देश गहरे सदमे में था। हर भारतीय के मन में एक ही प्रश्न था कि आखिर निर्दोष लोगों का क्या अपराध था?

उस भयावह घटना को अठारह वर्ष बीत चुके हैं। समय के साथ शहर ने अपने घावों पर मरहम लगाया, जीवन फिर सामान्य हुआ, लेकिन जिन परिवारों ने अपने बेटे, बेटियां, माता-पिता, पति या पत्नी खो दिए, उनके लिए वह दिन कभी बीता ही नहीं। उनके घरों में आज भी 26 जुलाई की तारीख आते ही दर्द की वही लहर लौट आती है। न्यायालय के हालिया निर्णय ने उन परिवारों को यह भरोसा अवश्य दिया है कि न्याय भले देर से मिले, लेकिन यदि साक्ष्य मजबूत हों और कानून अपना काम करे तो अपराध अंततः दंड तक पहुंचता है।

गुजरात हाईकोर्ट ने विशेष अदालत द्वारा 38 दोषियों को दी गई फांसी की सजा को बरकरार रखते हुए और 11 दोषियों की उम्रकैद की सजा को भी कायम रखकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि समाज के विरुद्ध किए गए संगठित और जघन्य अपराधों को कानून अत्यंत गंभीरता से देखता है। अदालत ने सभी अपीलों को खारिज करते हुए यह भी निर्देश दिया कि मृतकों के परिजनों और घायलों को उचित मुआवजा दिया जाए। यह निर्णय केवल कानूनी प्रक्रिया का अंतिम पड़ाव नहीं है, बल्कि उन परिवारों की वर्षों की प्रतीक्षा का भी उत्तर है, जिन्होंने न्याय की उम्मीद कभी नहीं छोड़ी।

यह मामला केवल सजा का नहीं है, बल्कि न्याय और दया के बीच संतुलन का भी है। किसी भी सभ्य समाज में दया एक महान मानवीय गुण मानी जाती है। दया मनुष्य को संवेदनशील बनाती है, समाज को मानवीय बनाती है और कानून को भी सुधार का अवसर देती है। लेकिन दया का अर्थ यह नहीं कि ऐसे अपराधों को भी उसी दृष्टि से देखा जाए, जिनका उद्देश्य केवल अधिक से अधिक निर्दोष लोगों की हत्या करना और पूरे समाज में भय फैलाना हो। जब कोई अपराध सुनियोजित तरीके से मासूमों की जान लेने के लिए किया जाता है, तब दया का प्रश्न स्वाभाविक रूप से सीमित हो जाता है।

न्याय व्यवस्था का उद्देश्य केवल अपराधी को दंड देना नहीं होता, बल्कि समाज में कानून के प्रति विश्वास बनाए रखना भी होता है। यदि ऐसे मामलों में अपराध की गंभीरता के अनुरूप दंड नहीं मिले, तो पीड़ित परिवारों के मन में यह भावना जन्म ले सकती है कि उनकी पीड़ा का उचित मूल्यांकन नहीं हुआ। न्याय तभी सार्थक माना जाता है जब वह पीड़ितों को यह विश्वास दिला सके कि राज्य और कानून उनके साथ खड़े हैं।

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि न्याय प्रतिशोध नहीं होता। अदालतें भावनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि साक्ष्यों, गवाहों और कानूनी प्रावधानों के आधार पर निर्णय देती हैं। अहमदाबाद विस्फोट मामले में वर्षों तक जांच चली, हजारों दस्तावेज प्रस्तुत किए गए, सैकड़ों गवाहों के बयान दर्ज हुए और लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद विशेष अदालत ने फैसला सुनाया। उसके बाद उच्च न्यायालय ने भी विस्तृत सुनवाई के बाद उसी निर्णय को सही माना। इसका अर्थ है कि फैसला किसी आवेश का परिणाम नहीं, बल्कि विधिक परीक्षण की लंबी प्रक्रिया से गुजरकर सामने आया है।

आज जब पीड़ित परिवार इस निर्णय पर संतोष व्यक्त कर रहे हैं तो उनके मन में बदले की भावना नहीं, बल्कि यह विश्वास है कि उनके अपनों की मौत को भुलाया नहीं गया। जिन माता-पिता ने अपने जवान बेटे खोए, जिन बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया, जिन परिवारों की खुशियां हमेशा के लिए समाप्त हो गईं, उनके लिए कोई भी फैसला उनके प्रियजनों को वापस नहीं ला सकता। फिर भी न्याय का निर्णय उनके घावों पर मरहम रखने का कार्य अवश्य करता है।

समाज को भी इस निर्णय से एक महत्वपूर्ण संदेश मिलता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी प्रकार की हिंसा, आतंक और निर्दोष लोगों की हत्या का कोई स्थान नहीं हो सकता। विचारों का मतभेद लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन हिंसा कभी समाधान नहीं बन सकती। जब अपराध का उद्देश्य पूरे समाज को भयभीत करना हो, तब कानून का कठोर होना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। यही कठोरता भविष्य में ऐसे अपराधों के विरुद्ध एक स्पष्ट चेतावनी का कार्य करती है।

यह भी उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय ने केवल दोषियों की सजा को बरकरार नहीं रखा, बल्कि मृतकों के परिजनों और घायलों को मुआवजा देने का निर्देश देकर पीड़ितों के अधिकारों को भी महत्व दिया है। आर्थिक सहायता किसी जीवन की भरपाई नहीं कर सकती, लेकिन यह राज्य की संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व का प्रतीक अवश्य होती है। न्याय केवल अपराधी को दंड देने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि पीड़ितों के पुनर्वास और सम्मान की भी चिंता करनी चाहिए।

समय के साथ समाज अक्सर बड़ी घटनाओं को भूलने लगता है, लेकिन इतिहास हमें याद दिलाता है कि ऐसी त्रासदियां केवल आंकड़े नहीं होतीं। प्रत्येक मृतक के पीछे एक परिवार, एक सपना और एक अधूरी कहानी होती है। इसलिए जब भी ऐसे मामलों में न्यायिक निर्णय आते हैं, हमें केवल दोषियों की सजा पर नहीं, बल्कि उन निर्दोष लोगों की स्मृति पर भी विचार करना चाहिए जिन्होंने बिना किसी गलती के अपना जीवन खो दिया।

दया और न्याय दोनों किसी भी सभ्य समाज के आवश्यक स्तंभ हैं। लेकिन जब निर्दोष जीवनों को योजनाबद्ध ढंग से समाप्त करने का प्रयास किया जाए, तब न्याय का पलड़ा भारी होना ही समाज के हित में होता है। असीमित दया कभी-कभी न्याय के उद्देश्य को कमजोर कर सकती है। इसलिए कहा जाता है कि दया वहीं तक उचित है, जहां तक वह निर्दोषों के अधिकारों और समाज की सुरक्षा को प्रभावित न करे। जब अपराध मानवता के विरुद्ध हो, तब न्याय की दृढ़ता ही समाज में विश्वास बनाए रखती है।

अहमदाबाद की वह काली शाम देश कभी नहीं भूल सकता। वह केवल एक शहर पर हमला नहीं था, बल्कि भारत की शांति, सामाजिक विश्वास और मानवीय मूल्यों पर हमला था। आज उच्च न्यायालय के निर्णय ने यह संदेश दिया है कि कानून की गति भले धीमी हो, लेकिन वह अंततः अपने निष्कर्ष तक पहुंचती है। यह फैसला उन 56 मासूम लोगों की स्मृति को श्रद्धांजलि है, उन सैकड़ों घायलों के साहस का सम्मान है और उन परिवारों के धैर्य को नमन है जिन्होंने वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा की।

न्याय का वास्तविक अर्थ यही है कि पीड़ितों की पीड़ा को सुना जाए, अपराध की गंभीरता को समझा जाए और कानून निष्पक्ष होकर अपना दायित्व निभाए। दया मनुष्य का सर्वोच्च गुण है, परंतु जब वह निर्दोषों के अधिकारों पर भारी पड़ने लगे, तब न्याय को दृढ़ होना ही पड़ता है। अहमदाबाद विस्फोट मामले का यह निर्णय उसी सिद्धांत की पुनर्पुष्टि करता है कि दया की भी एक सीमा होती है और उस सीमा के आगे केवल न्याय ही समाज को सुरक्षित और संतुलित रख सकता है।

– **कांतिलाल मांडोत**

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। आवकें सुस्त रहने से शनिवार को अनाज मंडी में उड़द बाजार बड़त पर रहे। चने में सुर्खी बनी। खाद्य तेलों में बाजार मजबूत नज़र आये। तिलहनों में टिकाव रहा। किराना जिंसों में शक्कर व फलि?हारी जिंसों में पूछपरख रही।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार उड़द में आवकें कमजोर रहने से भावों में सुधार देखा गया। उड़द में बाजार 9000-9400 रू. प्रति क्विं?टल पर आ गये। चना सुर्ख बना रहा। खाद्य तेलों में मजबूती कायम रही। तिलहनों में सोयाबीन 7000 रू. प्रति क्विंटल पर टिका रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर व फलिहारी जिसों में ग्राहकी देखी गयी। भाव इस प्रकार रहे =

किराना - शक्कर 4450-4520, खोपरा गोला 370-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारि?क 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडि?यम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 800-825, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500, (160) 2900, (200) 3100, (250) 3600,

तेल - सींगदाना 1610-1630, मुम्बई 1630, राजकोट तेलिया 2550, सोया साल्वेंट 1395-1400, सोया रिफाइंड 1455-1460, कपास्या 1530-1535, धूलिया 1540, कड़ी 1540,

रात की धारणा - गुजरात लुज 1640, मुम्बई पाम 1470, मुम्बई सोया 1470,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2600, देवास-उज्जैन 2600, खंडवा-बुरहानपुर 2575, अकोला 3925 (प्रति क्विं?टल)

तिलहन - सरसो 7600-7800, रायडा 6800, सोयाबीन 7000, टोली (महुआ बीज) 5000-5100, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 61000-6200, एवरेज 5900-6000, विशाल 5950-6050, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5700-5800, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7500-7700, मीडि?यम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9300-9400, उड़द गर्मी 8400-9000, ग्रेविटी क्लीन 9200-9500, हल्की 4000-6000,

दाल - चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडि?यम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडि?यम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल - चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर । शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चॉंदी (9999) 225000, चॉंदी (99) 224900, टंच 224200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 142200,

पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण से 1.90 लाख करोड़ की विदेशी मुद्रा बची: सरकार

नई दिल्ली । सरकार ने पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण (ईबीपी) कार्यक्रम का बचाव करते हुए कहा कि इससे चीनी उद्योग को मजबूती मिली है, किसानों की आय बढ़ी है और 2014-15 से अब तक 1.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। खाद्य मंत्रालय के एक अ ?धिकारी ने अनाज एथनॉल विनिर्माता संघ (जीईएमए) के सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम से कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटी है और लगभग 930 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आई है।

वैश्विक कमजोरी और ईरान-अमेरिका तनाव से डगमगाया शेयर बाजार

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह किसी रोलरकोस्टर राइड से कम नहीं रहा, जो वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और मजबूत घरेलू संकेतों के बीच झूलता रहा। सप्ताह की शुरुआत शानदार तेजी से हुई, लेकिन बुधवार को एक बड़े भूचाल ने निवेशकों को हिला दिया। हालांकि, बाजार ने हार नहीं मानी और सप्ताह के अंत तक जोरदार वापसी करते हुए निवेशकों को कुछ राहत दी। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को जोरदार बढ़त के साथ हुई, जब मॉनसून की उम्मीदें और विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी से निवेशकों का मनोबल बढ़ा। सेंसेक्स 521 अंक और निफ्टी 24,400 के पार बंद हुआ, हालांकि व्यापक बाजार का रुझान नकारात्मक था, जो चुनिंदा शेयरों तक ही तेजी सीमित होने का संकेत था। मंगलवार को शुरुआती तेजी के बाद बाजार में हल्की कमजोरी दिखी और दोनों सूचकांक मामूली गिरावट के साथ बंद हुए, जिससे चार दिनों की बढ़त का सिलसिला टूट गया। सप्ताह का सबसे बड़ा झटका बुधवार को लगा, जब वैश्विक बाजारों में कमजोरी, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से भारतीय बाजार में भारी बिकवाली हुई। सेंसेक्स 1,677 अंक और निफ्टी 581 अंक लुढ़ककर 23,900 के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे बंद हुआ। इस ब्लैक डे पर निवेशकों के 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूब गए, जिससे बीएसई का कुल मार्केट कैप घटकर 472 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। हालांकि बाजार ने गुरुवार को शुरुआती रिकवरी दर्ज की, जिससे निवेशकों को थोड़ी राहत मिली। सेंसेक्स 238 अंक और निफ्टी 80 अंक से अधिक बढ़कर बंद हुए। सप्ताह का अंत शुक्रवार को जोरदार तेजी के साथ हुआ, जिसने निवेशकों को गदगद कर दिया। सेंसेक्स 827 अंक और निफ्टी 244 अंक बढ़कर बंद हुए। इस तेजी के साथ सेंसेक्स 77,569.39 और निफ्टी 24,206.90 के स्तर पर पहुंच गए। कुल मिलाकर यह सप्ताह भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण अत्यधिक अस्थिर रहा, लेकिन घरेलू कारकों और मजबूत खरीदारी के दम पर बाजार ने बुधवार के बड़े झटके से उबरने की उल्लेखनीय क्षमता दिखाई।

पोस्ट ऑफिस आरडी योजना, छोटे निवेश से बनाएं लाखों का बड़ा फंड

नई दिल्ली । आज के समय में सुरक्षित निवेश और आकर्षक रिटर्न की तलाश हर किसी को होती है। ऐसे में भारतीय डाकघर की रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) स्कीम आम नागरिकों के लिए एक विश्वसनीय और बेहतरीन विकल्प बनकर उभरी है। यह सरकारी छोटी बचत योजना कम जोखिम पर भविष्य के लिए एक मजबूत फंड तैयार करने का सुनहरा अवसर प्रदान करती है। आप इस योजना में न्यूनतम 100 प्रति माह से निवेश शुरू कर सकते हैं, जबकि अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है। वर्तमान में इस पर 6.7 फीसदी सालाना ब्याज दिया जा रहा है, हालांकि छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरें तिमाही आधार पर संशोधित की जाती हैं। इसकी मूल परिपक्वता अवधि 5 साल है, जिसे निवेशक अपनी सुविधा अनुसार अगले 5 साल के लिए बढ़ा सकते हैं। खास बात यह है कि एक साल तक नियमित जमा के बाद जमा राशि के 50 फीसदी तक लोन की सुविधा भी मिलती है। जरूरत पड़ने पर तीन साल बाद समय से पहले खाता बंद करने का विकल्प भी उपलब्ध है, हालांकि ऐसे में ब्याज दर बदल जाती है। यह योजना हर वर्ग के लिए सुलभ है, जहां नाबालिगों के लिए अभिभावक द्वारा और संयुक्त खाते की सुविधा भी है। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति हर महीने 9500 रुपए जमा करता है, तो 5 साल में उसे लगभग 6.77 लाख रुपए (जिसमें 1.07 लाख ब्याज होगा) मिलेंगे।

एप्पल ने ओपनएआई पर ठोका ट्रेड सीक्रेट चोरी का मुकदमा

मुंबई। दुनिया की दो दिग्गज टेक कंपनियों एप्पल और चैटजीपीटी बनाने वाली ओपनएआई के बीच गोपनीय जानकारी को लेकर छिड़ा विवाद अब कानूनी लड़ाई में बदल गया है। एप्पल ने अमेरिका की एक अदालत में ओपनएआई और अपने दो पूर्व कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। आरोप है कि एप्पल की गोपनीय हार्डवेयर जानकारी और ट्रेड सीक्रेट का उपयोग कर ओपनएआई अपने एआई हार्डवेयर बिजनेस को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, ओपनएआई ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। एप्पल का दावा है कि उसके पूर्व कर्मचारियों ने कंपनी छोड़ने के बाद या उससे पहले गोपनीय दस्तावेजों और तकनीकी जानकारी तक अनधिकृत पहुंच बनाई, संवेदनशील फाइलें डाउनलोड या ट्रांसफर कीं। कंपनी का आरोप है कि इस जानकारी का उपयोग भविष्य के एआई-आधारित डिवाइस बनाने में किया जा सकता है। मुकदमे में, एप्पल ने एक कर्मचारी पर नौकरी छोड़ने के बाद भी नेटवर्क से गोपनीय हार्डवेयर फाइलें डाउनलोड करने और दूसरे पर इस्तीफा देने से पहले सप्लायर नेटवर्क की जानकारी निजी ईमेल पर भेजने का आरोप लगाया है। विशेषज्ञों के अनुसार यह मामला सिर्फ गोपनीय जानकारी तक सीमित नहीं, बल्कि भविष्य के एआई हार्डवेयर बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा से भी जुड़ा है। रिपोर्ट है कि ओपनएआई ऐसे एआई डिवाइस पर काम कर रहा है जो पारंपरिक स्मार्टफोन पर निर्भरता कम कर सकते हैं, जिससे आईफोन को कड़ी चुनौती मिल सकती है।

मेष राशि- आज किस्मत आपके पक्ष में नजर आ रही है। अगर कोई कानूनी मामला लंबे समय से उलझा हुआ था, तो राहत की खबर मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगा और मनपसंद जिम्मेदारी मिलने से काम में उत्साह बना रहेगा। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा से जुड़े नए अवसर दस्तक दे सकते हैं। हालांकि दूसरों के मामलों में दखल देने से बचें, वरना बेवजह की परेशानी खड़ी हो सकती है। वाहन खरीदने का विचार है तो जल्दबाजी बिल्कुल न करें। परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है, लेकिन दिन का अधिकांश समय सकारात्मक रहेगा।

वृषभ राशि- आज आपकी मेहनत का असर साफ दिखाई देगा। कारोबार में अच्छे परिणाम मिलने से मन प्रसन्न रहेगा और पुरानी गलतियों से मिली सीख भविष्य में बड़ा फायदा दिला सकती है। संतान की संगति पर थोड़ा ध्यान देना जरूरी होगा। स्वास्थ्य को हल्के में लेने की भूल न करें, क्योंकि छोटी परेशानी भी बढ़ सकती है। दिनभर की व्यस्तता के बीच कहीं घूमने-फिरने या छोटी यात्रा का योग भी बन रहा है, जिससे मन तरोताजा महसूस करेगा।

मिथुन राशि-आज का दिन संतुलन और सुकून लेकर आएगा। परिवार के साथ बिताया गया समय रिश्तों में नई मिठास घोल सकता है। माताजी को ननिहाल पक्ष के लोगों से मिलवाने का अवसर भी मिल सकता है। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी के संकेत हैं। व्यापार में किए गए नए बदलाव आगे चलकर लाभदायक साबित हो सकते हैं। यदि जीवनसाथी से कोई बात छिपा रखी है, तो उसके सामने आने की संभावना है, इसलिए खुलकर बातचीत करना बेहतर रहेगा।

कर्क राशि-आज कई अधूरे काम पूरे होने की उम्मीद है। साझेदारी में किया गया काम शानदार परिणाम देगा और परिवार में विवाह संबंधी अड़चनें भी दूर होती नजर आएंगी। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। पिताजी से किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। परिवार के साथ कहीं घूमने की योजना भी बन सकती है, जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा।

सिंह राशि-आज जिम्मेदारियों को समझदारी से निभाने का दिन है। रिश्तों में तालमेल बना रहेगा और व्यापार में आपकी योजनाएं सही दिशा में आगे बढ़ेंगी। हालांकि मन किसी बात को लेकर थोड़ा परेशान रह सकता है। अपनी निजी या महत्वपूर्ण जानकारी किसी से साझा करने से बचें। पुराने कर्ज की चिंता जरूर रहेगी, लेकिन उसे चुकाने की दिशा में आपके प्रयास सफल हो सकते हैं।

कन्या राशि-आज घर-परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल रहेगा। संतान की खुशी आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएगी और उनके लिए कोई खास सरप्राइज भी प्लान कर सकते हैं। परिवार के पुराने विवाद बातचीत से सुलझने की संभावना है। वरिष्ठों की सलाह आपके बहुत काम आएगी। यदि किसी काम के लिए लोन का इंतजार कर रहे थे, तो आज सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं।

तुला राशि-आज आपका मन आध्यात्मिक गतिविधियों और भगवान की भक्ति में अधिक लगेगा। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से खुशी दोगुनी हो सकती है। घर में किसी प्रिय अतिथि के आने से रौनक बढ़ेगी। धैर्य और संयम बनाए रखना आज बेहद जरूरी है। कामों को टालने की आदत नुकसान पहुंचा सकती है। पुराने कर्ज से राहत मिलने की दिशा में अच्छे प्रयास होंगे और परिवार के साथ यादगार पल बिताने का मौका मिलेगा।

वृश्चिक राशि-आज आय और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखना सबसे जरूरी रहेगा। कुछ ऐसे खर्च सामने आ सकते हैं जिन्हें टालना मुश्किल होगा। दूसरी ओर किसी सम्मान या पुरस्कार की खबर आपका दिन खास बना सकती है। बातचीत के दौरान शब्दों का चयन सोच-समझकर करें। मेहनत का पूरा फल मिलने के संकेत हैं और सामाजिक कार्यक्रमों में आपकी मौजूदगी लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकती है।

धनु राशि-आज अपनी जरूरतों और खर्चों के बीच सही तालमेल बनाकर चलना होगा। आर्थिक मामलों में सावधानी भविष्य के लिए फायदेमंद रहेगी। संतान की उपलब्धियां आपको गर्व का एहसास कराएंगी। मनमौजी स्वभाव के कारण काम में लापरवाही न करें। किसी नई योजना में किया गया निवेश आगे चलकर लाभ दे सकता है। मकान या दुकान खरीदने का विचार भी जोर पकड़ सकता है।

मकर राशि-आज विद्यार्थियों के लिए सफलता के नए द्वार खुल सकते हैं। मनचाहे कोर्स में प्रवेश मिलने की संभावना है और शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की पहचान और सम्मान बढ़ सकता है। रहन-सहन के स्तर में सुधार आएगा। किसी विरोधी से लेन-देन करने से बचें और अनजान लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें।

कुंभ राशि-आज प्रभावशाली लोगों से मुलाकात भविष्य के नए रास्ते खोल सकती है। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। पुराने मित्र से मुलाकात पुरानी यादों को ताजा कर देगी। माताजी की सेहत पर विशेष ध्यान दें। किसी भी बहस या विवाद से दूर रहना ही समझदारी होगी।

शब्दजाल - 8317

स	रा	जें	द्र	स	ता	ना	वा	ज	पे	स
ल्त	फ	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	र
न	स	ल	म	को	ह	रा	म	ल	ख	का
त	स	स	ता	दि	वा	ज	ध	त्रि	श	र
श	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	दे	झ	प
न	ल	ला	र	दि	म	उ	ती	व	घ	स
स	ड़	क	फ्यू	जी	प	बा	ज	स	व	जा
श	एं	वा	स	र	फ	रो	श	ज	श	न्हा
मी	ड	ल	फू	ल	औ	र	आ	ग	स	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	चे	द
वि	ज	स	त्ता	धी	श	डि	त	ब	त	म

शब्दजाल में 'स' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

सफलता, सरकार, सजा, सचेत, सजग, सरफरोश, सल्तनत, सड़क, सत्ताधीश, सताना

शब्दजाल - 8316 का हल

र	क	ल	ड्री	म	ही	ला	धी	सी	ल	ज
र	जि	ल	दे	क्रां	ति	ड्र	इं	म	ला	ई
त	स	म	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	म	द
ब	ज	ज	हा	पु	र	म	प	र	हा	ब
म	गा	म	ग	दे	लं	हा	तू	गी	रा	निं
स	म	व	श	ह	व	रा	ना	म	णा	ग
ते	ज	स	त	हू	प	जा	श	स	ला	ट्रे
पे	बू	दा	ई	ह	र	सा	फ	ल	श	न
स	र	चे	न	म	हा	न	री	ना	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	शो	ले	दु	म	ज	दू	र
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	क	या	म	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7261

ऊपर से नीचे:-

१. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 7260

प	र	दे	स		शा	ली	मा	र	
हे		व	र	दा	न		सु		ही
ली	ड	र		न		ओ	म	का	श
	र		शि	व	श	म		पों	
जु		दा	वा		ज		फ	रे	ब
बै	श	ग		चा	ह	त		ट	
दा			शि		ठ		दा		अ
	स	त्य	का	म		श	मा		न
दौ	ड़		र	जा	मु	श	द		क
	क	र्ज		ल		बी		जू	ही

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

12 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 193 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 22.30 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 08.29 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 20.06 बजे को समाप्त। **करण** गर 12.19 बजे तदनन्तर वणिज 22.30 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 00'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872768
जूलियन दिन 2461233.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना मोहर्रम **तारीख** 26
विशेष प्रदोष व्रत, शिव चतुर्दशी व्रत, संत नामदेव पुण्यतिथि।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.46 बजे से
चंद्र	वृष में	सिंह	08.03 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.14 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	12.25 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	14.40 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	16.56 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.01 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.48 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.20 बजे से
		मेष	23.51 बजे से
		वृष	01.31 बजे से
		मिथुन	03.29 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सेवा और धर्म

एक बार इब्राहिम एक काफिले के साथ तीर्थयात्रा पर जा रहे थे। काफिले में दर्जनों यात्री थे। बीच रास्ते म काफिले का एक अनजान व्यक्ति बीमार पड़ गया। इब्राहिम उसे जानते नहीं थे मगर उसे बीमार देखकर तत्काल उसकी सेवा करने लगे। इब्राहिम की सारी जमा पूंजी खर्च हो गई पर वह व्यक्ति ठीक नहीं हुआ। एक दिन वह बेहोश हो गया। उसकी हालत देख कर इब्राहिम घबरा गए। उनके पास एक पैसा नहीं था और वे उसे लावारिस छोड़ कर जाना भी नहीं चाहते थे। उन्हें जब कुछ और नहीं सूझा तो उन्होंने उसका खच्चर बेच दिया और उस पैसे से उसकी दवाई और खाने-पीने की व्यवस्था की। एक-दो दिन में उसे होश आया। इब्राहिम ने उससे कहा, 'भाई, माफ करना। तुम्हारी बेहोशी की हालत में मैंने तुम्हारा खच्चर बेच दिया और उस पैसे से तुम्हारी दवाई और खाने-पीने की व्यवस्था की।' वह यात्री रोने लगा। बोला, 'मैं बहुत कमजोर हो गया हूं। खच्चर के बिना मैं आगे कैसे जाऊंगा। मुझसे तो अब एक कदम नहीं चला जा रहा है।' इब्राहिम बोले, 'तुम चिंता क्यों करते हो भाई। मैं तुम्हारे साथ हूं और तब तक रहूंगा जब तक तुम्हें मंजिल तक पहुंचा नहीं देता।' उसने पूछा, 'मगर तुम करोगे क्या। तुम्हारे पास तो खच्चर भी नहीं है।' इब्राहिम ने कहा, ' चिंता मत करो।' उस दिन से इब्राहिम उसे अपने कंधे पर बैठा कर ले जाने लगे। एक दिन काफिले के एक आदमी ने पूछा, ' इब्राहिम, यह तुम्हारा कौन लगता है जो तुम इसकी इतनी सेवा कर रहे हो।' इब्राहिम ने कहा, ' यह मेरा कोई नहीं है। यह भी आप ही की तरह काफिले का एक सहयात्री है। उसे बीमारी की हालत में मैं अकेला छोड़कर नहीं जा सकता। उसकी सेवा करना मेरा कर्त्तव्य ही नहीं धर्म भी है। अशक्त की सेवा करने से बड़ी तीर्थयात्रा और कोई नहीं है।' यह सुनकर वह आदमी भी इब्राहिम के साथ उस बीमार यात्री की सेवा में जुट गया।

सूडोकु नवताल- 7570

★☆☆☆☆ सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7569 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 8785

बाएँ से दाएँ

1. निशा, रात (उर्दू-2)
4. ताला (अंग्रेजी-2)
6. दुलारा, लाडला-2
7. बढ़ावा, समर्थन-2
9. निवास, घर, नीड़-3
12. कमी-3
14. पनाह, आश्रय-3
16. अंगूठे से तीसरी अंगुली, सावित्री-4
17. सज्जनता, सभ्यता-4
18. गिरवी रखी वस्तु-3
20. एक राशि-3
22. दबाव (अंग्रेजी-3)
24. कुल, मुनाफा-2
26. उम्मीद, आशा-2
27. मादा का विलोम-2
28. आगमन-2

ऊपर से नीचे

1. मदिरा, मय-3
2. ऐश्वर्या व अक्षय खन्ना की फिल्म-2
3. सम्मान, प्रसिद्धि-2
5. डोली उठाने वाले-3
6. वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के कप्तान-2
8. अधिकार-2
10. सेनापति, कप्तान-2,3
11. पति की मां-2
13. आत्मबलिदानी -5
14. कद काठी-3
15. रसद, किराणा-3
19. प्रत्येक-2
20. मैला, अस्वच्छ-3
21. मिट्टी, धूल-2
22. छापाखाना-2
23. जिव्हा, जीभ-3
25. सम्मान-2
26. फलों का राजा-2

शब्द पहेली -8784 का हल

	ल	गा	म		प	ता	का	
द	क्ष		ही		ह		ल	ता
रो			न	का	र	ना		क
गा	य	ब		न		ला	न	त
		ल	ब		रा	य		
आ	स	रा		ना		क	या	स
ई		म	हा	व	र			ह
ना	क		जि		सी		रा	ज
	ल	की	र		ला	ग	त	

Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी नगर परिषद विद्युत विभाग की लापरवाही

बाजार के बीच टूटे पोल की केबल पेड़ पर बांधी, जानमाल को खतरा

पद्मेश न्यूज। लांजी। बारिश का मौसम शुरू होते ही लांजी नगर व आसपास के क्षेत्र में विद्युत से जुड़ी घटनाएं बढ़ गई हैं। कभी बिजली के खंभे में आग लग रही है, तो कभी केबल जलकर राख हो रहे हैं। इन घटनाओं के बीच एक गंभीर लापरवाही सामने आई है जो स्थानीय लोगों की जान को सीधे खतरे में डाल रही है। नगर के साप्ताहिक बाजार के बीचों-बीच स्थित हाईमास्ट लाइट के समीप का एक विद्युत पोल कई दिनों पहले एक पेड़ कटने के कारण टूट गया था। लेकिन टूटे पोल की जगह नया पोल लगाने या लाइन को व्यवस्थित करने की बजाय विद्युत विभाग ने आसान रास्ता अपनाया। टूटे पोल में लगे विद्युत केबल और तारों को पास ही स्थित एक आम के पेड़ पर बांध दिया गया। यह आम का पेड़ ठीक बाजार के मध्य में है, जहां हर सप्ताह साप्ताहिक बाजार लगता है और भारी भीड़ जुटती है। इसी पेड़ से हाईमास्ट लाइट का कनेक्शन लिया गया है और आगे अन्य क्षेत्रों में भी बिजली की सप्लाई हो रही है।

बारिश में बढ़ा खतरा

वर्तमान में बारिश का मौसम चल रहा है। पेड़ पर बंधे विद्युत तारों के कारण कभी भी पेड़ में करंट फैलने का खतरा है। नमी और पानी के संपर्क में आने से शॉर्ट सर्किट हो सकता है, जिससे न केवल पेड़ में आग लग सकती है बल्कि बाजार में मौजूद सैकड़ों लोगों की जान भी जा सकती है। जागरूक स्थानीय नागरिकों ने इस गंभीर समस्या की ओर नगर परिषद का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने मांग की है कि टूटे हुए विद्युत पोल की जगह तुरंत नया पोल लगाया जाए और बिजली की लाइनों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से पुन: स्थापित किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना को रोका जा सके।

हर्ष कटरे का माध्यमिक शिक्षक (गणित) के पद पर हुआ चयन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के लिये अत्यन्त हर्ष का विषय है कि बालाघाट रोड़ लांजी निवासी हर्ष कटरे पिता रूपलाल कटरे का चयन माध्यमिक शिक्षक विषय गणित के पद पर हुआ है। इन्होंने प्रदेश स्तर पर 20 वीं रैंक तथा संभाग स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। चयन उपरांत उनकी पदस्थापना शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाथरगांव में हुई है जहाँ उन्होंने विधिवत अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। हर्ष कटरे ने अपनी सफलता का श्रेय अपने सभी गुरुजनों, पिता रूपलाल कटरे, माता मंगला कटरे, बड़े पापा जगतराम कटरे, शिवचरण कटरे एवं सभी शुभचिंतकों, परिवारजनों और इष्ट मित्रों को देते हुए उनके मार्गदर्शन, आशीर्वाद एवं सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। बता दें कि हर्ष कटरे के पिता रूपलाल कटरे जो स्वयं उच्च माध्यमिक शिक्षक के पद पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेरी में कार्यरत हैं एवं माता मंगला कटरे सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में शिक्षिका हैं। इन्होंने अपने पुत्र की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता उनके निरंतर परिश्रम, लगन एवं दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने हर्ष कटरे के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर विद्यार्थियों के जीवन को नई दिशा देंगे। हर्ष कटरे की इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों, परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

खेत के मकान का ताला काटकर हजारों रुपये का सामान चोरी, खाद और कृषि उपकरण भी ले गए चोर

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कारंजा-बापड़ी रोड स्थित एक खेत के मकान में अज्ञात चोरों ने ताला काटकर हजारों रुपये मूल्य के कृषि उपयोगी सामान, खाद एवं घरेलू सामग्री चोरी कर ली। घटना की जानकारी मिलने पर पीडि़त ने लांजी थाना में शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आमगांव (जिला गोंदिया, महाराष्ट्र) निवासी नीलमदास नरसिंग उपराडे (65 वर्ष) की कृषि भूमि ग्राम कारंजा-बापड़ी रोड पर स्थित है। खेत पर बने मकान में कृषि कार्य में उपयोग होने वाले उपकरण, दवा छिड़काव पंप, बर्तन, पंखा सहित अन्य आवश्यक सामान रखा हुआ था। बताया गया कि खरीफ सीजन के लिए आवेदक ने 19 जून 2026 को सेवा सहकारी समिति मर्या, कारंजा से लगभग 18 बोरी खाद (यूरिया एवं डीएपी) खरीदकर खेत स्थित मकान में सुरक्षित रखी थी। 8 जुलाई की शाम तक सभी सामान सुरक्षित था, लेकिन उसी रात अज्ञात चोरों ने मकान का ताला काटकर अंदर रखी 18 बोरी खाद, दवा छिड़काव पंप, कृषि उपकरण, मिक्सी मशीन, पंखा तथा अन्य घरेलू व कृषि उपयोगी सामान चोरी कर लिया। चोरी गए सामान की कुल कीमत लगभग 55 हजार रुपये बताई गई है। घटना की जानकारी 9 जुलाई की सुबह लगभग 7 बजे खेत के बटाईदार प्यारेलाल गंगाराम खेरकर ने फोन पर दी। सूचना मिलने पर नीलमदास उपराडे खेत पहुंचे, जहां मकान का ताला टूटा हुआ मिला और अंदर रखा सामान गायब था। घटना का निरीक्षण प्यारेलाल खेरकर, अमृतदास खेरकर, कमल भैया गिरी सहित अन्य ग्रामीणों ने भी किया। पीडि़त ने लांजी थाना में लिखित आवेदन देकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर चोरी गए सामान की बरामदगी एवं दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

किरनापुर क्षेत्र की बेटी स्वाति ने एमपीपीएससी मे पाई सफलता,बनी माइनिंग इंस्पेक्टर

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। किरनापुर तहसील के एक छोटे से गांव पारडी की रहने वाली कु.स्वाती खोब्रागड़े ने मध्यप्रदेश लोक सेवा चयन आयोग (MPPSC) की परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त करते हुए एक बेहतर मुकाम हासिल कर माईनिंग इंस्पेक्टर के पद पर चयन किया गया है। बताएं कि स्वास्थ्य विभाग से छ: माह पूर्व सेवा निवृत्त प्रभारी पर्यवेक्षक जी.डी.खोब्रागड़े एवं माता संगीता खोब्रागड़े की सुपुत्री संगीता खोब्रागड़े को मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में माइनिंग इंस्पेक्टर का पद पर नियुक्ति मिलना परिवार और गांव के लिए एक खुशी का पल और गौरव की उपलब्धि साबित हुई है।विदित हो कि इसके पूर्व कु.स्वाति खोब्रागड़े जिला डाक घार बालाघाट ब्रांच मे पोस्टमास्टर के पद पर कार्यरत थीं। अपनी इस सफलता का श्रेय उन्होंने अपने पिता श्री जी डी खोब्रागड़े और माता श्रीमती संगीता खोब्रागड़े के अनुशासन और बेहतर प्रेरणा को दिया है।उनकी इस सफलता पर क्षेत्रवासियों सहित नाते,रिश्तेदार एवं सामाजिक कार्यकर्ताओ ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाये दी है।

सुरभि गौशाला करंजा में सचिन अग्रवाल ने गौमाता के बीच मनाया अपना जन्मदिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। सुरभि गौशाला करंजा में एक अनुपम परंपरा की शुरुआत हुई है। गौशाला के सचिव तथा बाल भाऊ देवरस सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के व्यवस्थापक सचिन अग्रवाल ने अपने जन्मदिवस को गौमाताओं की सेवा में समर्पित कर एक नई मिसाल पेश की है। 11 जुलाई को प्रात:काल सचिन अग्रवाल गौशाला पहुंचे और सबसे पहले गौमाता को तिलक लगाकर गौपूजन किया। इसके बाद समस्त गौमाताओं को प्रचुर मात्रा में रोटी व गुड़ खिलाया गया। आचार्य परिवार एवं विद्यालय के भैया-बहनों ने भी बारी-बारी से गौमाताओं को रोटी व गुड़ का भोग लगाया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त आचार्यगण, शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा छात्र-छात्राओं ने व्यवस्थापक सचिन अग्रवाल का तिलक लगाकर पुष्पगुच्छ अर्पित किए और उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

परंपरा की शुरुआत

बता दें कि परमपूज्य बालासाहेब जी देवरस एवं श्रद्धेय भाऊराव जी देवरस की पावन भूमि पर वर्ष 2015 से गौशाला का संचालन हो रहा है। वर्ष 2023 से सचिन अग्रवाल गौसेवा में पूर्ण रूप से समर्पित हैं और गौशाला को सुचारू एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित कर रहे हैं। सचिन अग्रवाल ने इस अवसर पर गौशाला संचालन समिति के सभी सदस्यों से अपील की कि अब से हम सभी अपने परिवार के सदस्यों तथा संबंधियों के बच्चों के जन्मदिवस गौशाला में मनाने की परंपरा विकसित करें। इससे न केवल गौसेवा को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि गौशाला को और बेहतर बनाने में भी सबका बहुमूल्य योगदान होगा।

मानसून सत्र में यूसीसी समेत 10 प्रमुख विधेयक होंगे पेश

फायर सेफ्टी, कॉलोनी विकास, अनुपूरक बजट और नए कानूनों पर रहेगा फोकस, अवैध कॉलोनियों पर 10 साल तक की सजा का प्रावधा

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के 20 से 24 जुलाई तक होने वाले पांच दिवसीय मानसून सत्र में प्रदेश सरकार समान नागरिक संहिता (यूसीसी) सहित 10 से अधिक महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने की तैयारी में है। इनमें मध्य प्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विधेयक-2026, कॉलोनी विकास विधेयक, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक, कोचिंग संस्थान विनियमन, पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज, वाणिज्यिक कर, श्रम तथा सिंहस्थ मेला संबंधी विधेयक शामिल हैं। इसके अलावा सरकार प्रथम अनुपूरक बजट भी सदन में पेश कर सकती है। नगरीय विकास विभाग ने अग्निशमन एवं कॉलोनी विकास विधेयकों का प्रारूप तैयार कर लिया है। विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे के अनुसार दोनों विधेयक मानसून सत्र में प्रस्तुत किए जाएंगे। वहीं मकान मालिक और किराएदारों के विवादों के समाधान के उद्देश्य से प्रस्तावित किराएदारी विधेयक को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है, जबकि केंद्र सरकार का मॉडल एक्ट राज्य को पहले ही भेजा जा चुका है। प्रदेश सरकार समान नागरिक संहिता को लेकर भी तेजी से आगे बढ़ रही है। इसके लिए गठित समिति विधेयक के प्रारूप को अंतिम रूप देने में जुटी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहले ही जुलाई में यूसीसी लागू करने की मंशा व्यक्त कर चुके हैं। हाल ही में राज्य मंत्रिमंडल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक को भी मंजूरी दी है। प्रस्तावित कॉलोनी विकास विधेयक में अवैध कॉलोनियां विकसित करने वालों के खिलाफ कठोर दंड का प्रावधान किया गया है। ऐसे मामलों में अधिकतम 10 वर्ष के कारावास और 5 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान प्रस्तावित है। कॉलोनाइजर को पांच वर्ष के भीतर सड़क, बिजली, पानी और सीवेज जैसी मूलभूत सुविधाएं विकसित करनी होंगी। सभी कॉलोनियों का डिजिटल रिकॉर्ड रखा जाएगा ताकि खरीदार ऑनलाइन यह जांच सकें कि संबंधित कॉलोनी वैध है या नहीं। अवैध कॉलोनी हटाने के लिए 15 दिन का नोटिस दिया जाएगा, जिसके बाद निकाय कार्रवाई कर सकेगा। साथ ही जिला कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त, पार्षद और सरपंच सहित संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारियां भी तय की जाएंगी।अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विधेयक में भी कई महत्वपूर्ण प्रावधान प्रस्तावित हैं। फायर सेफ्टी प्रमाणपत्र नहीं लेने पर 5 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा। नियमों का पालन नहीं करने पर प्रतिदिन 10 हजार रुपये तक अतिरिक्त दंड का प्रावधान होगा। आग बुझाने में बाधा बनने वाली इमारतों को हटाने, निजी परिसरों में प्रवेश करने तथा निजी जल स्रोतों से पानी लेने का अधिकार भी दमकल विभाग को मिलेगा। इसके अलावा आग लगने की झूठी सूचना देने पर 20 हजार रुपये तक जुर्माना और फायर टैक्स लगाने का भी प्रस्ताव है। सरकार मानसून सत्र में प्रथम अनुपूरक बजट भी पेश करेगी। वित्त विभाग ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि नए वाहन खरीदने अथवा नई मदों से जुड़े प्रस्ताव शामिल नहीं किए जाएंगे। केवल उन्हीं प्रस्तावों को बजट में स्थान मिलेगा, जिनके लिए आकस्मिकता निधि से पूर्व स्वीकृति दी जा चुकी है। इस प्रकार पांच दिन के इस संक्षिप्त मानसून सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण विधायी और वित्तीय प्रस्तावों को पारित कराने का प्रयास करेगी।

लाड़ली बहनों को मिलेगी 38वीं किश्त, मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे 1835 करोड़ रुपये का अंतरण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को भिंड जिले के लहार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 38वीं मासिक किश्त जारी करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री प्रदेश की लगभग 1 करोड़ 25 लाख 15 हजार पात्र महिलाओं के बैंक खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से 1835 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे अंतरित करेंगे। प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत नवंबर 2025 से लाभार्थी महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इससे पहले प्रत्येक पात्र हितग्राही को 1,250 रुपये प्रतिमाह मिलते थे, जिसमें 250 रुपये की वृद्धि की गई थी। योजना के अंतर्गत जून 2023 से जून 2026 तक 37 मासिक किश्तों का सफलतापूर्वक भुगतान किया जा चुका है और अब 38वीं किश्त जारी की जाएगी। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव विकास कार्यों की भी सौगात देंगे। वे 238.96 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुए 40 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही 83.33 करोड़ रुपये की लागत वाली 16 नई विकास परियोजनाओं का भूमि-पूजन और शिलान्यास भी किया जाएगा। इन परियोजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र में आधारभूत संरचना को मजबूत करना और नागरिक सुविधाओं का विस्तार करना है। राज्य सरकार का कहना है कि लाड़ली बहना योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी पहल साबित हुई है, वहीं विकास कार्यों के माध्यम से भिंड जिले में अधोसंरचना और जनसुविधाओं को नई गति मिलेगी।

प्रीति डोहरे ने एमपीपीएससी मे पाई शानदार सफलता, बनी माइनिंग इंस्पेक्टर

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। बालाघाट जिले के किरनापुर की होनहार बेटी प्रीति डोहरे ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करते हुए माइनिंग इंस्पेक्टर पद पर चयन पाया है। अपनी उपलब्धि का श्रेय उन्होंने माता-पिता यदुनाथ डोहरे,श्रीमती ललिता डोहरे, भाई सुमित डोहरे, पुष्कर डोहरे, और मित्रों और गुरुजनों को दिया है। इस सफलता से परिवार एवं क्षेत्र में खुशी का माहौल है, वहीं प्रीति ने किरनापुर का नाम रोशन कर युवाओं के लिए प्रेरणा का नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। प्रीति की इस सफलता पर क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त करते शुभकामनायें दी है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मानसून सत्र से पहले विधायकों की सक्रियता घटी

आठ माह में दूसरी बार कम पूछे गए सवाल, जवाबदेही पर उठे सवाल

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के 20 जुलाई से शुरू होने जा रहे मानसून सत्र से पहले विधायकों की सक्रियता को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों ने इस बार कुल 1,756 प्रश्न ही विधानसभा सचिवालय में जमा किए हैं। यह पिछले सत्रों की तुलना में काफी कम है। खास बात यह है कि मोहन सरकार के ढाई साल के कार्यकाल में यह दूसरी बार है, जब विधानसभा सत्र से पहले विधायकों द्वारा पूछे गए सवालों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है।

विधानसभा में प्रश्नकाल को सरकार की जवाबदेही तय करने का सबसे प्रभावी माध्यम माना जाता है। जनहित से जुड़े मुद्दों, विकास कार्यों की प्रगति, योजनाओं के क्रियान्वयन, वित्तीय अनियमितताओं और प्रशासनिक लापरवाही पर सरकार से जवाब मांगने के लिए विधायक प्रश्न पूछते हैं। लेकिन इस बार प्रश्नों की संख्या कम रहने से राजनीतिक

गलियारों में चर्चा शुरू हो गई है कि क्या जनप्रतिनिधियों की सक्रियता पहले जैसी नहीं रही।

दिसंबर सत्र की तुलना में फिर आई गिरावट

इससे पहले दिसंबर 2025 के शीतकालीन सत्र में भी विधायकों ने अपेक्षाकृत कम 1,497 प्रश्न लगाए थे, जो उस समय मोहन सरकार के कार्यकाल में सबसे कम माने गए थे। अब महज आठ महीने बाद मानसून सत्र के लिए भी प्रश्नों की संख्या सामान्य से कम रहने पर विधानसभा की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठ रहे हैं। विधानसभा सचिवालय के अनुसार इस बार कुल 1,756 प्रश्न प्राप्त हुए हैं। इनमें 1,091 प्रश्न ऑनलाइन तथा 665 प्रश्न ऑफलाइन माध्यम से जमा किए गए हैं। तकनीकी सुविधाएं बढने के बावजूद प्रश्नों की संख्या में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हो सकी।

प्रश्नकाल से तय होती है सरकार की जवाबदेही

विधानसभा का प्रश्नकाल लोकतांत्रिक व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। इसी दौरान विधायक विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों पर सरकार से जवाब मांगते हैं। सडक़, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, बिजली, कानून-व्यवस्था, भर्ती, योजनाओं के क्रियान्वयन और भ्रष्टाचार जैसे विषयों पर पूछे गए प्रश्नों के आधार पर सरकार को सदन में जवाब देना पड़ता है। कई मामलों में प्रश्नों के बाद जांच, कार्रवाई और नीतिगत बदलाव भी देखने को मिले हैं।

विपक्ष के लिए बड़ा अवसर

20 जुलाई से शुरू होने वाला मानसून सत्र कई मुद्दों पर हंगामेदार रहने की संभावना है। प्रदेश में खराब सडक़ें, कर्मचारियों के लंबित प्रमोशन, भर्ती प्रक्रियाएं, बिजली व्यवस्था, मानसून से जुड़े इंतजाम, किसानों की समस्याएं, कानून-व्यवस्था तथा विभिन्न विभागों में कथित अनियमितताओं को लेकर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी में है। हालांकि प्रश्नों की संख्या कम रहने से विपक्ष के आक्रामक तेवरों पर भी चर्चा हो रही है। विधानसभा मामलों के जानकारों का मानना है कि प्रश्नों की संख्या केवल आंकड़ा नहीं होती, बल्कि यह विधायकों की सक्रियता का भी संकेत देती है। जितने अधिक प्रश्न पूछे जाते हैं, उतनी ही अधिक सरकार की जवाबदेही तय होती है और प्रशासनिक व्यवस्था पर निगरानी मजबूत होती है।

अशोकनगर सामूहिक दुष्कर्म प्रकरण में तीन दोषियों को आजीवन कारावास, पीड़िता को 5 लाख रुपये प्रतिकर

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस की त्वरित कार्रवाई, वैज्ञानिक विवेचना और प्रभावी अभियोजन के चलते अशोकनगर जिले में 10 वर्षीय मूक-बधिर दिव्यांग बालिका से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने तीन दोषियों को शेष प्राकृतिक जीवन तक आजीवन कारावास तथा प्रत्येक पर 20 हजार रुपये का अर्थदंड सुनाया है। साथ ही पीड़िता को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण ([illegible]) की विक्टिम कम्पनसेशन योजना के तहत 5 लाख रुपये प्रतिकर देने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस के अनुसार वर्ष 2025 में दर्ज इस जघन्य प्रकरण की सूचना मिलते ही तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर पीड़िता को चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई। मूक-बधिर होने के कारण उसके बयान सांकेतिक भाषा विशेषज्ञ की सहायता से दर्ज किए गए, जिससे न्यायिक प्रक्रिया में उसके अधिकारों का पूर्ण संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने घटना के 24 घंटे के भीतर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। विवेचना के दौरान डीएनए सहित अन्य वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए गए तथा मात्र 30 दिनों में जांच पूरी कर न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया गया। पुलिस और अभियोजन के प्रभावी समन्वय से सभी साक्ष्यों और गवाहों को समय पर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग आठ माह के भीतर तीनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए कठोर सजा सुनाई गई।

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि महिलाओं, बालिकाओं और दिव्यांगजनों के विरुद्ध अपराधों के मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत त्वरित कार्रवाई, वैज्ञानिक विवेचना और प्रभावी अभियोजन के माध्यम से दोषियों को शीघ्र एवं कठोर दंड दिलाना मध्यप्रदेश पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही पीड़ितों को न्याय और पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

मप्र में बच्चे घटे, बुजुर्ग बढ़े

एनएफएचएस-6 के आंकड़ों ने दिखाया बड़ा जनसांख्यिकीय बदलाव, घटती प्रजनन दर और बढ़ती औसत आयु से स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा पर बढ़ेगा दबाव

भोपाल । मध्यप्रदेश की आबादी की संरचना तेजी से बदल रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-6, 2023-24) के ताजा आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में बच्चों की हिस्सेदारी लगातार घट रही है, जबकि बुजुर्गों की आबादी बढ़ रही है। विशेषज्ञ इसे जनसंख्या परिवर्तन का संकेत मान रहे हैं, जिसमें प्रजनन दर में कमी और लोगों की औसत आयु बढने के कारण आबादी का स्वरूप बदलता है।

सर्वेक्षण के अनुसार, 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों की आबादी का अनुपात घटकर 25.9 प्रतिशत रह गया है, जबकि एनएफएचएस-5 (2019-21) में यह 26.5 प्रतिशत था। शहरी क्षेत्रों में यह हिस्सा 22.7 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 26.9 प्रतिशत दर्ज किया गया। इसी तरह पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की आबादी भी घटकर 8.4 प्रतिशत रह गई है, जो पिछले सर्वेक्षण में 8.2 प्रतिशत थी। यह बदलाव प्रदेश में परिवारों के छोटे होने और जन्मदर में कमी का संकेत देता है। वहीं दूसरी ओर, 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी बढक़र 11.6 प्रतिशत हो गई है। एनएफएचएस-5 में यह आंकड़ा 10.9 प्रतिशत था। शहरी क्षेत्रों में बुजुर्गों की आबादी 11.7 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 11.5 प्रतिशत दर्ज की गई है। यानी प्रदेश में हर नौवां व्यक्ति अब वरिष्ठ नागरिक की श्रेणी में पहुंच चुका है।

वृद्ध आबादी का बढ़ेगा बोझ

जनसांख्यिकी विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में यह बदलाव शासन की नीतियों को भी प्रभावित करेगा। स्वास्थ्य सेवाओं में जेरियाट्रिक (बुजुर्ग) देखभाल की मांग बढ़ेगी, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का दायरा बढ़ाना पड़ेगा तथा वृद्धजनों के लिए विशेष स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकता महसूस होगी। दूसरी ओर, बच्चों की संख्या घटने से भविष्य में शिक्षा और बाल कल्याण योजनाओं की प्राथमिकताओं में भी बदलाव संभव है। विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि यदि यही रुझान जारी रहा तो मध्यप्रदेश भी उन राज्यों की श्रेणी में शामिल हो सकता है, जहां कामकाजी आयु की आबादी का अनुपात धीरे-धीरे स्थिर होने लगेगा और वृद्ध आबादी का बोझ बढ़ेगा। ऐसे में सरकार को स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, रोजगार और कौशल विकास की नीतियों में दीर्घकालिक बदलाव करने होंगे।

ग्रामीण-शहरी तस्वीर

ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी बच्चों की आबादी का अनुपात शहरों की तुलना में अधिक है, जबकि बुजुर्गों की हिस्सेदारी दोनों क्षेत्रों में लगभग समान बनी हुई है। यह संकेत देता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में जन्मदर अपेक्षाकृत अधिक है, लेकिन जीवन प्रत्याशा बढने से वहां भी बुजुर्गों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

एनएफएचएस-6 की प्रमुख बातें

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के ताजा आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में 15 वर्ष से कम आयु की आबादी घटकर 25.9 प्रतिशत हो गई है। शहरी क्षेत्रों में बच्चों की हिस्सेदारी 22.7 प्रतिशत, ग्रामीण में 26.9 प्रतिशत हुई। पांच वर्ष से कम आयु की आबादी 8.4 प्रतिशत हुई। 60 वर्ष और उससे अधिक आयु की आबादी बढक़र 11.6 प्रतिशत हुई। शहरी क्षेत्रों में बुजुर्ग 11.7 प्रतिशत, ग्रामीण क्षेत्रों में 11.5 प्रतिशत हुई।

एनएफएचएस-5 की तुलना में बड़ा बदलाव

15 वर्ष से कम आयु की आबादी 26.5 प्रतिशत से घटकर 25.9 प्रतिशत हुई। 60 वर्ष और उससे अधिक आयु की आबादी 10.9 प्रतिशत से बढक़र 11.6 प्रतिशत पहुंची। शहरी क्षेत्रों में बच्चों की हिस्सेदारी ग्रामीण क्षेत्रों से काफी कम रही। बुजुर्ग आबादी का अनुपात शहर और गांव दोनों में लगभग बराबर दर्ज किया गया। बुजुर्गों की आबादी बढने के कारण उनके लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग बढ़ेगी। पेंशन और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार करना होगा। जेरियाट्रिक चिकित्सा और दीर्घकालिक देखभाल की जरूरत बढ़ेगी। शिक्षा और बाल विकास योजनाओं की प्राथमिकताओं में बदलाव संभव। भविष्य की आर्थिक और सामाजिक नीतियों में जनसंख्या की बदलती संरचना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मध्यप्रदेश में अब हर गुमशुदगी पर दर्ज होगी अनिवार्य एफआईआर

भोपाल(ईएमएस)। मध्यप्रदेश पुलिस ने गुमशुदा व्यक्तियों की शीघ्र तलाश और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब प्रदेश में प्रत्येक गुम इंसान, चाहे वह महिला हो या पुरुष, के मामले में अनिवार्य रूप से एफआईआर दर्ज की जाएगी। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय ने सभी पुलिस आयुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, उप पुलिस महानिरीक्षकों एवं पुलिस अधीक्षकों को विस्तृत निर्देश जारी कर दिए हैं।

यह निर्णय माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में लिया गया है। वर्ष 2012 में बचपन बचाओ आंदोलन बनाम भारत सरकार प्रकरण के तहत गुम नाबालिग बच्चों के मामलों में एफआईआर दर्ज करने की व्यवस्था लागू की गई थी। अब हाल ही में जी. गणेश बनाम तमिलनाडु राज्य एवं अन्य मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने प्रत्येक गुमशुदा व्यक्ति के प्रकरण में भी अनिवार्य रूप से एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस मुख्यालय ने स्पष्ट किया है कि गुमशुदगी की सूचना मिलते ही संबंधित थाना तत्काल एफआईआर दर्ज करेगा और विधिसम्मत जांच प्रारंभ करेगा। साथ ही गुम व्यक्ति की शीघ्र तलाश के लिए सभी आवश्यक कानूनी, तकनीकी और आधुनिक जांच उपायों का उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

मध्यप्रदेश पुलिस का कहना है कि इस नई व्यवस्था से गुमशुदगी के मामलों में कार्रवाई और अधिक तेज एवं प्रभावी होगी। इससे प्रत्येक प्रकरण की गंभीरता के साथ जांच सुनिश्चित होगी तथा नागरिकों की सुरक्षा, अधिकारों के संरक्षण और समय पर न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में पुलिस की प्रतिबद्धता और मजबूत होगी।

लव-मैरिज का 13 साल बाद हुआ दुखद अंत

भोपाल। पुराने शहर के तलैया थाना इलाके में स्थित रेत घाट में रहने वाली विवाहिता ने खुदकुशी के लिये जहरीला कीटनाशक पी लिया था। उसे इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया जहॉ चार दिन चले इलाज के बाद उसने दम तोड़ दिया। शुरुआती जॉच में सामने आया है कि उसके पति की अन्य महिला से नजदीकियां थी, जिसके कारण वह बीते चार सालो से उससे अलग रहते हुए अपनी तीन बच्चो की परवरिश कर रही थी। महिला ने 13 साल पहले प्रेम विवाह किया था। मिली जानकारी के अनुसार मृतका 30 वर्षीय पूजा गढ़गे ने साल 2013 में प्रेम-विवाह किया था। उसके तीन छोटे बच्चो में दो बेटे और एक बेटी हैं। बताया गया है की बीते चार सालो से उसका पति किसी अन्य महिला के संपर्क में था। इसी कारण हुई अनबन के कारण पति-पत्नी अलग-अलग रह रहे थे। पति से अलग होने के बाद परिवार के भरण पोषण के लिये वह लोगो के घरो में साफ-सफाई का काम कर रही थी। बीती 26 जून को पूजा ने घर में रखा जहरीली कीटनाशक दवा पी ली थी। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां करीब 15 दिन तक चले इलाज के बाद शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनो को सौंपते हुए कारणो की जांच शुरू कर दी है। परिजनो से शुरुआती पूछताछ में सामने आया है कि पूजा पति की बेवफाई और पारिवारिक तनाव को लेकर मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगी थी। जॉच टीम का का कहना है कि मामले में परिजनों के डिटेल बयान दर्ज किये जाने के बाद अन्य बिंदुओ की जांच की जायेगी, और जॉच पूरी होने पर उसके आधार पर आगे की कार्यवाही तय की जायेगी।

31 मार्च 2027 को बंद होगा स्वच्छ भारत मिशन

संविदा कर्मचारियों को एडजस्ट करने की तैयारी शुरू, विभागों में रिक्त पदों का ब्यौरा मांगा

भोपाल। मध्य प्रदेश में संचालित स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अगले वर्ष 31 मार्च 2027 को बंद हो जाएगा। मिशन के बंद होने से पहले राज्य सरकार ने इसमें कार्यरत संविदा अधिकारियों और कर्मचारियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उनके समायोजन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने इस संबंध में विभिन्न संबद्ध विभागों और संस्थाओं को पत्र भेजकर उनके यहां रिक्त संविदा पदों की जानकारी मांगी है। सरकार का उद्देश्य मिशन समाप्त होने के बाद कर्मचारियों को सेवा मुक्त करने के बजाय अन्य विभागों और योजनाओं में समायोजित करना है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी पत्र में मध्य प्रदेश ग्रामीण सडक़ प्राधिकरण, विकसित भारत जीरामजी, पंचायत राज संचालनालय, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण, ग्रामीण आजीविका मिशन, राजीव गांधी जलग्रहण मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, वाल्मी, एसआईआरडी जबलपुर और विकास आयुक्त कार्यालय से उनके यहां उपलब्ध संविदा के रिक्त पदों का विवरण भेजने को कहा गया है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की अवधि 31 मार्च 2027 को समाप्त हो रही है। ऐसे में मिशन में कार्यरत कर्मचारियों के समायोजन के लिए पहले से तैयारी की जा रही है।

इन पदों पर होगा समायोजन

सरकार जिन संविदा कर्मचारियों के समायोजन की योजना बना रही है, उनमें राज्य स्तर पर कार्यरत प्रोग्रामर, उपयंत्री, मानचित्रकार, सहायक ग्रेड-1, लेखापाल, सहायक ग्रेड-3, डाटा एंट्री ऑपरेटर और भृत्य शामिल हैं। इसके अलावा जिला स्तर पर कार्यरत जिला समन्वयक, परियोजना अधिकारी (तकनीकी), मानचित्रकार, लेखापाल और डाटा एंट्री ऑपरेटर तथा जनपद स्तर के ब्लॉक समन्वयकों को भी अन्य विभागों और योजनाओं में समायोजित करने की तैयारी की जा रही है।

अनुभवी कर्मचारियों का मिलेगा लाभ

सरकार का मानना है कि इस व्यवस्था से संविदा कर्मचारियों के रोजगार को लेकर बनी अनिश्चितता कम होगी। साथ ही विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर पहले से प्रशिक्षित और अनुभवी मानव संसाधन उपलब्ध हो सकेगा, जिससे सरकारी योजनाओं के संचालन में भी सुविधा मिलेगी। फिलहाल संबंधित विभागों से रिक्त पदों की जानकारी मिलने के बाद समायोजन की आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

युवाओं के सपनों को साकार करने हरसंभव सहयोग देगी सरकार - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए हरसंभव सहयोग देगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के दो करोड़ युवा विकसित भारत-2047 के निर्माण के साथ प्रदेश की समृद्धि के भी सूत्रधार बनेंगे। युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला उद्यमी बनाने के लिए सरकार कौशल विकास, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दे रही है।

इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित माय यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति और आधुनिक कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को भविष्य के लिए तैयार किया जा रहा है। संत रविदास ग्लोबल स्किल पार्क सहित विभिन्न संस्थानों में विशेष प्रशिक्षण देकर युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कॉन्क्लेव से प्राप्त सुझावों के आधार पर प्रदेश की नई युवा नीति तैयार की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स के साथ संवाद करते हुए प्रदेश में डिजिटल कंटेंट अवॉर्ड शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सकारात्मक और जिम्मेदार डिजिटल कंटेंट समाज में रचनात्मक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम बन रहा है।

डॉ. यादव ने वर्ष 2027 को युवा वर्ष के रूप में समर्पित करने की घोषणा करते हुए कहा कि युवाओं की शत-प्रतिशत भागीदारी से ही विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत का लक्ष्य हासिल होगा। उन्होंने होम-स्टे योजना, शिक्षा ऋण, उद्योगों में रोजगार प्रोत्साहन, राहवीर योजना और पीएम हेली सेवा जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार युवाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कॉन्क्लेव में युवाओं ने विकसित मध्यप्रदेशञ्च2047 के लिए संकल्प-पत्र का मसौदा मुख्यमंत्री को सौंपा। कार्यक्रम में शिक्षा, कौशल विकास, खेल, स्वास्थ्य, कृषि, एमएसएमई, पर्यटन, संस्कृति और स्टार्टअप जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

निगम में एल्डरमैनों की इसी माह होगी नियुक्ति

भोपाल। भाजपा जल्द ही नगर निगम में एल्डरमैनों की नियुक्ति करेगी। अगर सबकुछ ठीक रहा तो इसी माह एल्डरमैनों की सूची आ सकती है। अभी यह तय नहीं है कि इनका कार्यकाल कितना रहेगा, क्योंकि अगले साल नगर निगम का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। अगर नगर निगम के हिसाब से नियुक्ति की जाती है तो एल्डरमैनों को एक साल ही काम करने के लिए मिलेगा।

भोपाल सहित प्रदेश के 17 नगर निगमों में अब एल्डरमैन की नियुक्ति की जाना है। भोपाल जैसे बड़े नगर निगम में 12 एल्डरमैन नियुक्त होंगे। प्रत्येक विधानसभा में 2-2 सदस्यों को नियुक्त किया जाएगा। इसके लिए नामों की सूची पार्टी ने तैयार कर ली है और किसी भी दिन ये जारी कर दी जाएगी। सूत्रों का कहना है कि नगर संगठन ने एल्डरमैन के संभावित नामों की सूची बनाकर भोपाल स्थित संगठन को भेज दी है। वहीं से एल्डरमैन की सूची एक साथ जारी की जाएगी। सूची में विधायकों द्वारा दिए गए नामों को तवज्जो मिलने के पूरे आसार हैं। वहीं कुछ क्षेत्र में नगर संगठन ने अपनी ताकत का उपयोग करते हुए नाम जुड़वाए हैं। इसी को लेकर अभी तक सूची फाइनल नहीं हो पा रही थी, लेकिन अब जब सूची फाइनल हो गई है तो माना जा रहा है कि इसी माह एल्डरमैन के नाम घोषित हो जाएंगे। चूंकि अगले साल ही नगर निगम का कार्यकाल भी समाप्त हो रहा है, ऐसे में इनका कार्यकाल भी एक साल का रहेगा, लेकिन अगले चुनाव में फिर भाजपा की नगर परिषद बनती है तो इनका कार्यकाल आगे बढ़ाया जा सकता है।

आरएसएस में बड़े संगठनात्मक बदलाव के संकेत

भोपाल । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की नवंबर में इंदौर में प्रस्तावित अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक संगठन के लिए ऐतिहासिक साबित हो सकती है। संघ के भीतर चल रही चर्चाओं के अनुसार, इस बैठक में दशकों से चली आ रही 'प्रांत व्यवस्था' में व्यापक बदलाव कर प्रदेश-संभाग आधारित नया संगठनात्मक मॉडल लागू करने पर महत्वपूर्ण निर्णय लिया जा सकता है। यदि ऐसा होता है तो यह संघ की संगठनात्मक संरचना में लंबे समय बाद सबसे बड़ा बदलाव माना जाएगा।

करीब पांच दिन तक चलने वाली इस बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, वरिष्ठ पदाधिकारी, विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधि तथा देशभर के प्रांत प्रचारक शामिल होंगे। बैठक में संगठन विस्तार, वार्षिक कार्यों की समीक्षा, भविष्य की रणनीति और संरचनात्मक सुधारों पर व्यापक चर्चा होगी।

प्रांत व्यवस्था की जगह प्रदेश-संभाग मॉडल

सूत्रों के मुताबिक संघ लंबे समय से अपनी संगठनात्मक संरचना को प्रशासनिक व्यवस्था के अनुरूप बनाने पर विचार कर रहा है। वर्तमान में संघ का ढांचा कई राज्यों में प्रशासनिक सीमाओं से अलग प्रांतों के आधार पर संचालित होता है। मध्यप्रदेश में भी मालवा, महाकौशल और मध्यभारत जैसे अलग-अलग प्रांतों के माध्यम से संगठन का संचालन होता है। प्रस्तावित मॉडल के तहत प्रांत व्यवस्था समाप्त कर राज्य स्तर पर एक प्रदेश इकाई तथा उसके नीचे संभाग स्तर की अलग-अलग इकाइयों का गठन किया जा सकता है। इससे संगठन का ढांचा राज्यों और प्रशासनिक संभागों के अनुरूप हो जाएगा।

निर्णय प्रक्रिया होगी अधिक तेज

संघ से जुड़े जानकारों का मानना है कि नई व्यवस्था लागू होने पर निर्णय लेने की प्रक्रिया अधिक तेज होगी और स्थानीय स्तर पर संगठन की पहुंच मजबूत होगी। प्रदेश स्तर पर एक केंद्रीय टीम कार्य करेगी, जबकि प्रत्येक संभाग में स्वतंत्र संगठनात्मक टीम और जिम्मेदारियां तय होंगी। इससे कार्यों का विकेंद्रीकरण और बेहतर समन्वय संभव माना जा रहा है।

मध्यप्रदेश में भी बदल सकती है पूरी संरचना

यदि प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है तो मध्यप्रदेश में वर्तमान तीन प्रांतों की व्यवस्था समाप्त होकर पूरे राज्य के लिए एक प्रदेश इकाई बनाई जा सकती है। इसके साथ ही सभी संभागों में अलग-अलग संगठनात्मक टीमें गठित की जाएंगी। इससे स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने और कार्यों के संचालन में अधिक गति आने की संभावना जताई जा रही है।

बढ़ सकती हैं नई जिम्मेदारियां

संघ के जानकारों का कहना है कि प्रस्तावित ढांचे में प्रदेश स्तर की टीम अपेक्षाकृत छोटी होगी, लेकिन संभाग स्तर पर नए पद और दायित्व सृजित होंगे। इससे अधिक स्वयंसेवकों को नेतृत्व की जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। नई व्यवस्था लागू होने पर वर्तमान प्रांत प्रचारकों और अन्य प्रमुख पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों का भी पुनर्वितरण किया जा सकता है।

पांच दिन चलेगी महत्वपूर्ण बैठक

सूत्रों के अनुसार बैठक लगभग पांच दिन तक चलेगी। इस दौरान संगठनात्मक पुनर्गठन के अलावा सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न विषयों पर भी चर्चा होगी। वार्षिक गतिविधियों की समीक्षा, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और संगठन विस्तार की रणनीति भी बैठक के एजेंडे में शामिल रहेगी। बैठक के आयोजन स्थल को लेकर अंतिम निर्णय अभी होना बाकी है। आयोजन की पूरी व्यवस्था संघ के स्वयंसेवक संभालेंगे और इंदौर में संभावित स्थानों पर विचार किया जा रहा है।

संघ की सबसे अहम बैठकों में शामिल

आरएसएस वर्षभर में दो प्रमुख राष्ट्रीय बैठकें आयोजित करता है। इनमें मार्च में होने वाली अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा सबसे बड़ी बैठक मानी जाती है, जबकि अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल संघ की दूसरी सबसे महत्वपूर्ण निर्णयकारी बैठक है। इस बार इंदौर में होने वाली बैठक इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि इसमें संगठनात्मक ढांचे में बड़े बदलाव पर निर्णय होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, संघ की ओर से अभी तक प्रस्तावित बदलावों पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। फिलहाल संगठन के भीतर इस विषय पर मंथन जारी है और अंतिम निर्णय नवंबर में होने वाली बैठक में लिया जा सकता है।

९000 इंटरनेशनल रन, हरमनप्रीत का महारिकॉर्ड, मिताली-मंधाना के क्लब में पहुंचीं

नई दिल्ली । लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच एकमात्र टेस्ट मैच का आगाज हुआ। इस मुकाबले का पहला ही दिन भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर के लिए बेहद खास और ऐतिहासिक साबित हुआ। पंजाब के मोगा से ताल्लुक रखने वाली 37 वर्षीय इस धाकड़ बल्लेबाज ने न केवल अपनी कप्तानी और बल्लेबाजी से टीम को संभाला, बल्कि इंटरनेशनल क्रिकेट में एक ऐसा मुकाम हासिल कर लिया, जिसे छूना हर क्रिकेटर का ख्वाब होता है। मैच के पहले दिन टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर नंबर-5 पर बल्लेबाजी करने मैदान में उतरीं। उन्होंने अपनी चिर-परिचित आक्रामक शैली और सूझबूझ का बेजोड़ मिश्रण पेश करते हुए 121 गेंदों में 58 रनों की जुझारू और शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान हरमनप्रीत ने सात शानदार चौके जड़े।

जब भारतीय टीम मुश्किल में दिख रही थी, तब कप्तान ने उप-कप्तान स्मृति मंधाना के साथ मिलकर मोर्चा संभाला। दोनों अनुभवी बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 155 गेंदों में 89 रनों की बेशकीमती साझेदारी की। मंधाना ने भी दूसरे छोर से बेहतरीन खेल दिखाते हुए 108 गेंदों में 83 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। उनकी यह पारी भले ही शतक में तब्दील न हो पाई, लेकिन इन दोनों की इस साझेदारी के दम पर भारतीय टीम ने मैच के पहले ही दिन इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया और एक सम्मानजनक स्कोर की नींव रखी। विश्व महिला क्रिकेट की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में शुमार हरमनप्रीत कौर को इस मैच से पहले अपने करियर में 9000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने के लिए महज 13 रनों की दरकार थी। मैच के 24वें ओवर की पांचवीं गेंद पर जैसे ही उन्होंने अपना 13वां रन लिया, लॉर्ड्स का मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। हरमनप्रीत ने अपनी इस 58 रनों की पारी के दौरान महिला क्रिकेट के इतिहास में अपने 9000 रन पूरे करने का गौरव हासिल कर लिया।

साल 2009 में 7 मार्च को पाकिस्तान के खिलाफ बोवाल में एक वनडे मैच से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने वाली हरमनप्रीत कौर यह उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की तीसरी महिला क्रिकेटर बन गई हैं। उनसे पहले भारत की पूर्व महान कप्तान मिताली राज और मौजूदा उप-कप्तान स्मृति मंधाना ही इस जादुई आंकड़े को पार कर सकी हैं। महिला क्रिकेट के इतिहास में सर्वाधिक रनों का रिकॉर्ड भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज के नाम दर्ज है, जिन्होंने साल 2022 में संन्यास लेने से पहले अपने शानदार करियर में तीनों प्रारूपों को मिलाकर कुल 333 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और 10,868 रन बनाए। वहीं, महाराष्ट्र की रहने वाली बाएं हाथ की कलात्मक बल्लेबाज स्मृति मंधाना इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। मंधाना के खाते में अब तक 10,667 रन दर्ज हो चुके हैं। मंधाना के लिए भी लॉर्ड्स का यह टेस्ट बेहद खास है क्योंकि वह भारत के लिए अपना 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही हैं। हरमनप्रीत कौर दुनिया की सबसे अनुभवी और महिला क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ियों में से एक हैं। उनके अद्भुत करियर के आंकड़ों की बात करें तो उन्होंने अब तक खेले 164 वनडे मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 4541 रन बनाए हैं। वहीं, फटाफट क्रिकेट यानी टी20 अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट में तो उनका सिक्का चलता ही है, जहां उन्होंने 202 मैचों में अपनी आतिशी बल्लेबाजी के दम पर 4216 रन बटोरे हैं। बात अगर टेस्ट क्रिकेट की करें तो लाल गेंद के इस खेल में हरमनप्रीत ने अब तक 8 मैचों की 12 पारियों में बल्लेबाजी की है, जिसमें उनके नाम कुल 288 रन दर्ज हो चुके हैं। यह उपलब्धि हरमनप्रीत के निरंतर प्रदर्शन और उनके शानदार करियर का एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

कुछ रैलियां कभी खत्म नहीं होतीं - सचिन

नई दिल्ली । भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने विंबलडन के दौरान टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर से मुलाकात के बाद उनके लिए एक भावुक संदेश साझा किया है। सचिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी और फेडरर की दोस्ती को खास बताते हुए लिखा, कुछ रैलियां कभी खत्म नहीं होतीं। हमारी दोस्ती उनमें से एक है। रोजर, आपके साथ समय बिताना हमेशा अच्छा लगता है। जब तक हम फिर से नहीं मिलते।

विंबलडन में सचिन का यह दौरा काफी यादगार रहा, जहां वह शुक्रवार को खेले गए पुरुष एकल सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान प्रतिष्ठित रॉयल बॉक्स में मौजूद खास मेहमानों में शामिल थे। इस दौरान उन्होंने कई दिग्गज खिलाड़ियों और खेल जगत की मशहूर हस्तियों के साथ मैच का आनंद लिया। रॉयल बॉक्स में उनके साथ भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल भी मौजूद रहे, जिनके लिए यह पहला मौका था जब उन्होंने विंबलडन का मुकाबला रॉयल बॉक्स से देखा। इंग्लैंड दौरे के बीच समय निकालकर गिल इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट का हिस्सा बने। इसके अलावा फुटबॉल स्टार और लिवरपूल के कप्तान वर्जिल वैन डाइक तथा लीड्स यूनाइटेड के चेयरमैन पराग मराठे भी वहां मौजूद थे। सचिन की मुलाकात के दौरान पूर्व वेस्टइंडीज कप्तान ब्रायन लारा के साथ उनकी बातचीत ने भी क्रिकेट प्रशंसकों को पुराने दिनों की याद दिलाई, क्योंकि दोनों खिलाड़ी अपने दौर में मैदान पर बड़े प्रतिद्वंद्वी रहे, लेकिन क्रिकेट से संन्यास के बाद भी उनकी दोस्ती आज भी बरकरार है।

मैच की बात करें, तो जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रिटेन के युवा खिलाड़ी आर्थर फेरी को सीधे सेटों में 7-6 (7-0), 6-2, 6-4 से हराकर पहली बार विंबलडन के फाइनल में जगह बनाई। दूसरी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने शुरुआती सेट में कड़ी चुनौती का सामना किया, लेकिन टाईब्रेक जीतने के बाद उन्होंने मैच पर पूरी तरह से पकड़ बना ली। पिछले महीने फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने वाले ज्वेरेव अब अपने करियर के पांचवें ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंच गए हैं, और विंबलडन में यह उनका पहला खिताबी मुकाबला होगा। इस जीत के साथ ज्वेरेव की ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में लगातार जीत का सिलसिला 13 मैचों तक पहुंच गया है, और अब उनकी नजर लगातार दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने पर होगी।

मेसी पूरी तरह फिट हैं और विश्व कप क्वार्टर फाइनल के लिए तैयार- स्कालोनी

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने कप्तान लियोनेल मेसी की फिटनेस को लेकर उठ रही चिंताओं को सिरे से खारिज कर दिया है। कैनसस सिटी स्टेडियम में स्विट्जरलैंड के खिलाफ होने वाले फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले से पहले स्कालोनी ने जोर देकर कहा कि 39 वर्षीय मेसी पूरी तरह फिट हैं और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हैं। स्कालोनी ने बताया कि टीम के आंकड़े दर्शाते हैं कि मेसी अभी भी उतना ही काम कर रहे हैं जितना वह पिछले टूर्नामेंटों में करते थे, उनके वर्कलोड में कोई बड़ी कमी या बढ़ोतरी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि मेसी ने अपने फिटनेस कोच के साथ अच्छी तैयारी की है और इसका फायदा उन्हें मैदान पर मिल रहा है।

मेसी इस वर्ल्ड कप में शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने अब तक आठ गोल किए हैं और फ्रांस के कप्तान काइलियन एम्बाप्पे से आगे गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं, जबकि एम्बाप्पे ने मेसी से एक मैच अधिक खेला है। कोच ने कहा कि उम्र बढ़ने के बावजूद मेसी की गोल करने की क्षमता और मैच पर असर डालने की ताकत कम नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि जो लोग मेसी को करीब से जानते हैं, वे उनकी मेहनत और जुनून से अच्छी तरह वाकिफ हैं। स्कालोनी ने यह भी स्पष्ट किया कि टूर्नामेंट में दो पेनल्टी मिस करने के बावजूद, मेसी को पेनल्टी लेने की पूरी आजादी रहेगी, क्योंकि उन्होंने कभी इस जिम्मेदारी को बदलने के लिए नहीं कहा।

कोच ने बताया कि मैदान पर मेसी को अपनी स्थिति तय करने की भी पूरी स्वतंत्रता है। उन्होंने कहा कि टीम के बाकी खिलाड़ी मेसी की सोच और खेल को समझते हैं और उसी के अनुसार अपनी रणनीति बनाते हैं। मिस्र के खिलाफ राउंड ऑफ 16 मुकाबले में मेसी ने कई बार अपनी पोजीशन बदली थी, जिससे टीम को फायदा मिला और उनके मूवमेंट से क्रिस्टियन रोमेरो को हेडर के जरिए गोल करने का मौका मिला। इसके बाद मेसी ने भी मुकाबले में अहम गोल दागा था। अर्जेंटीना कोच ने यह भी स्वीकार किया कि यह मेसी का आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है, इसलिए टीम के लिए यह टूर्नामेंट और भी खास बन गया है। स्कालोनी ने कहा कि मेसी के साथ खेलने का मौका खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा कारण है और वे चाहते हैं कि वह इस सफर को शानदार तरीके से आगे बढ़ाएं।

डेविड/ईएमएस 11 जुलाई 202

प्रभसिमरन ने अपनी सफलता का श्रेय युवराज और पोंटिंग के सहयोग को दिया

चंडीगढ़ । पंजाब के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में चयन के बाद से ही बेहद खुश हैं। घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले इस बल्लेबाज ने कहा है कि उनके यहां तक पहुंचने में युवराज सिंह से मिली सलाह और और आईपीएल में पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के अटूट समर्थन की अहम भूमिका रही है। गौरतलब है कि पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज के तौर पर पिछले दो आईपीएल सत्र में प्रभसिमरन ने 500 से अधिक रन बनाकर सभी का ध्यान खींचा था। प्रभसिमरन को इसी कारण ईशान किशन के होने के बाद भी जिम्बाब्वे दौरे के लिए दूसरे विकेटकीपर के तौर पर शामिल किया गय है। प्रभसिमरन ने कहा कि कि जब आप लक्ष्य हासिल करते हैं तो अच्छा महसूस होता ही है। उन्होंने एशियाई खेल 2023 के अनुभव को भी अच्छा बताया था, हालांकि उन्हें उस दौरान खेलने का अवसर नहीं मिला था। उन्होंने अपनी आकांक्षाएं व्यक्त करते हुए कहा, अब जिम्बाब्वे दौरे से मैं खेले बिना लौटना नहीं चाहता। मैंने हमेशा से देश के लिए खेलने के बारे में सोचा है और मुझे टीम में बने रहना है। अगर मुझे मौका मिला तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा ताकि टीम से बाहर नहीं होना पड़े।

अनिमेष कुजूर ने 100 मीटर में रचा नया कीर्तिमान

नई दिल्ली । भारत के युवा धावक अनिमेष कुजूर ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए जर्मनी के वेट्जलर में आयोजित प्यूमा फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स 2026 मीट में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में 10.14 सेकंड का अपना नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ, अनिमेष अब विदेशी धरती पर 100 मीटर की रेस को सबसे तेज पूरा करने वाले भारतीय एथलीट बन गए हैं। वे भारत की ओर से गुरिंदरवीर सिंह (10.09 सेकंड) के बाद 100 मीटर की रेस को सबसे तेज पूरा करने वाले दूसरे सबसे तेज धावक भी हैं। अनिमेष ने प्रतियोगिता की शुरुआत भी शानदार तरीके से की थी, उन्होंने दिन में हुई 100 मीटर हीट रेस को 10.19 सेकंड के समय के साथ जीतकर फाइनल में जगह बनाई और फिर अपने प्रदर्शन को और बेहतर किया। गुरिंदरवीर सिंह के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 10.09 सेकंड के बाद, 100 मीटर की रेस में भारत के शीर्ष तीन सबसे तेज प्रदर्शनों में अनिमेष के 10.14 सेकंड, 10.15 सेकंड और 10.18 सेकंड के समय शामिल हैं। यह उनके लगातार सुधार का नतीजा है, जिसने उन्हें भारत के सबसे तेज धावकों में शामिल कर दिया है। अनिमेष पहले ही जून में इंटर-स्टेट नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 20.74 सेकंड के समय के साथ एशियन गेम्स के लिए 200 मीटर स्पर्धा में क्वालीफाई कर चुके हैं, जो एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के क्वालीफाइंग मानक (20.88 सेकंड) से बेहतर था। 200 मीटर में उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 20.32 सेकंड है, जो एक भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। अपने पसंदीदा इवेंट 200 मीटर होने के बावजूद, 100 मीटर में उनकी लगातार प्रगति उल्लेखनीय है। उनके कोच मार्टिन ओवेन्स ने बताया कि व्यस्त यात्रा कार्यक्रम के बाद टीम का मुख्य लक्ष्य योग्यता हासिल करना था, न कि केवल तेज समय निकालने का दबाव लेना। अनिमेष ने खुद भी कहा था कि उनका लक्ष्य सिर्फ क्वालिफिकेशन था और वे एशियन गेम्स से पहले बेहतर करने पर फोकस करेंगे। उनकी यह 10.14 सेकंड की दौड़ यह दिखाती है कि वह एशियन गेम्स से पहले भारत की सबसे बड़ी स्प्रिंट उम्मीदों में से एक बन चुके हैं।

पेले के जूतों का फीता बना प्यूमा की सबसे बड़ी मार्केटिंग

नई दिल्ली। खेल और विज्ञापन की दुनिया में कुछ ऐसे पल दर्ज हैं, जिन्होंने मार्केटिंग के मायने ही बदल दिए। वर्ष 1970 के फीफा फुटबॉल विश्व कप में ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले से जुड़ा एक ऐसा ही वाकया आज भी दुनिया की सबसे सफल मार्केटिंग रणनीतियों में गिना जाता है। महज कुछ सेकंड की एक योजना ने खेल सामग्री बनाने वाली कंपनी प्यूमा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और खेल विपणन के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया। उस समय पेले दुनिया के सबसे बड़े खेल सितारों में शामिल थे। तीन बार विश्व कप जीत चुके इस दिग्गज खिलाड़ी पर पूरी दुनिया की नजर रहती थी। हर मैच का सीधा प्रसारण करोड़ों लोग देखते थे और कैमरे लगातार उनकी गतिविधियों पर केंद्रित रहते थे। इसी लोकप्रियता का लाभ उठाने के लिए प्यूमा ने एक अनोखी रणनीति तैयार की। बताया जाता है कि कंपनी ने पेले को बड़ी राशि का भुगतान किया और उनसे केवल इतना अनुरोध किया कि मैच शुरू होने से पहले मैदान पर अपने जूतों का फीता कैमरों के सामने बांधें, ताकि उनके पैरों में पहने प्यूमा के जूते दुनिया भर के दर्शकों को साफ दिखाई दें।

उस दौर में खेल उपकरणों के बाजार में प्यूमा और एडिडास के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। दोनों कंपनियों के बीच कथित तौर पर एक अनौपचारिक समझ बनी हुई थी कि वे पेले को अपने प्रचार अभियान का हिस्सा बनाने के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगी। हालांकि, प्यूमा ने इस समझ से अलग रास्ता अपनाते हुए विश्व कप जैसे सबसे बड़े मंच का उपयोग करने का फैसला किया। कंपनी का मानना था कि यदि पेले के जूतों पर कैमरों का ध्यान गया तो यह किसी भी पारंपरिक विज्ञापन से अधिक प्रभावी साबित होगा। ब्राजील और पेरू के बीच मुकाबले से ठीक पहले पेले मैदान के बीच पहुंचे और उन्होंने झुककर अपने जूतों का फीता खोलकर दोबारा बांधना शुरू किया। यह पूरी प्रक्रिया कुछ ही सेकंड चली, लेकिन इस दौरान टेलीविजन कैमरे लगातार उनके पैरों पर केंद्रित रहे। इस तरह बिना किसी विज्ञापन फिल्म या पोस्टर के प्यूमा के जूतों की तस्वीर करोड़ों दर्शकों तक पहुंच गई। यही छोटा-सा दृश्य कंपनी के लिए ऐतिहासिक प्रचार साबित हुआ।

रिपोर्टों के अनुसार इस रणनीति के बाद प्यूमा के फुटबॉल जूतों की बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई और कंपनी को वैश्विक बाजार में नई पहचान मिली। मार्केटिंग विशेषज्ञ इस घटना को खेल जगत में मार्केटिंग के शुरुआती और सबसे चर्चित उदाहरणों में शामिल करते हैं। इसने यह साबित किया कि सफल प्रचार के लिए हमेशा बड़े बजट की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि सही समय, सही मंच और प्रभावशाली व्यक्तित्व का चयन भी असाधारण परिणाम दे सकता है। आज प्यूमा दुनिया की प्रमुख खेल सामग्री कंपनियों में शामिल है और फुटबॉल, रनिंग तथा लाइफस्टाइल उत्पादों के क्षेत्र में उसकी मजबूत मौजूदगी है। डिजिटल और सोशल मीडिया के दौर में भले ही ब्रांड छोटे वीडियो और वायरल अभियानों के जरिए लोगों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश करते हों, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि इसकी बुनियादी सोच की झलक 1970 के विश्व कप में दिखाई दे चुकी थी, जब पेले के जूतों का फीता बांधने के कुछ सेकंड ने मार्केटिंग की दुनिया में इतिहास रच दिया।

गेंदबाजी रफ्तार बढ़ाने से नीतीश की चोट को जोड़ना गलत - गेंदबाजी कोच जोन्स

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच स्टेफन जोन्स ने कहा है कि ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी की चोट बढ़ने को लेकर जो भी बातें कही जा रही है वह सही नहीं हैं। कोच ने कहा कि जो विशेषज्ञ से दावा कर रहे हैं कि नीतीश की गेंदबाजी रफ्तार से बढ़ाने से उनकी चोट बढ़ी है। वे सही नहीं हैं। कोच ने कहा कि रेड्डी की फिटनेस को उनकी गेंदबाजी गति बढ़ाने से जोड़ना पूरी तरह आधारहीन है। जो लोग ऐसा कह रहे हैं, वे विशेषज्ञ नहीं हैं। साथ ही कहा कि वह इस प्रकार की बातों का जवाब नहीं देना चाहते। यह पूरी तरह निरर्थक बात है। इंसानी शरीर अद्भुत होता है। उसे बल्लेबाजी भी करनी होती है, गेंदबाजी भी और फील्डिंग भी। जोन्स ने बिना पूरी जानकारी के सार्वजनिक रूप से इस तरह की टिप्पणी करने वालों को आड़े हाथों लिया है।

ऑस्ट्रेलिया ने आईपीएल मैचों की मेजबानी का दिया 'खुला न्योता'

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच की मेजबानी के लिए खुला न्योता दिया है। अगर यह प्रस्ताव स्वीकार होता है, तो यह आईपीएल के इतिहास में पहली बार होगा जब कोई मैच ऑस्ट्रेलियाई धरती पर खेला जाएगा, जो टूर्नामेंट के इतिहास में एक नया अध्याय लिखेगा। यह प्रस्ताव ऑस्ट्रेलिया के उस बड़े ऐलान के कुछ ही दिनों बाद आया है जिसमें कहा गया था कि बिग बैश लीग (बीबीएल) का 2026-27 सीजन चेन्नई में शुरू होकर एक नया अध्याय लिखेगा। भारत इस साल 12 दिसंबर को मेलबर्न रेनेगेड्स बनाम पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच बीबीएल के एक मैच की मेजबानी चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में करेगा, जो भारतीय क्रिकेट के इतिहास में पहला मौका होगा जब भारत किसी विदेशी टी20 लीग मैच की मेजबानी करेगा।

सिडनी के अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) और बीसीसीआई के बीच आईपीएल मैचों की ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर मेजबानी को लेकर निजी बातचीत पहले से ही चल रही है, और सीए को उम्मीद है कि यह आइडिया तेजी पकड़ेगा। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि सीए दोनों देशों के बीच एक बड़ी क्रिकेट पार्टनरशिप के हिस्से के तौर पर बीबीएल के चेन्नई ओपनर को एक वार्षिक मैच बनाने के लिए उत्सुक है। हालांकि, अभी तक बीसीसीआई और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया दोनों में से किसी ने भी इस रिपोर्ट पर आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है। चेन्नई में होने वाला बीबीएल मैच भारतीय समयानुसार 2 बजकर 40 मिनट पर शुरू होगा, जिसमें एमए चिदंबरम स्टेडियम मेलबर्न रेनेगेड्स का होम ग्राउंड माना जाएगा। इस ऐतिहासिक मैच की घोषणा शुक्रवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में ऑस्ट्रेलिया और भारत के प्रधानमंत्रियों, एंथनी अल्बानीस और नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में की गई थी।

गौतम गंभीर के कोचिंग स्टाफ में संभावित बदलाव की चर्चा तेज

नई दिल्ली। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड सीरीज के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के कोचिंग सेटअप में बड़े बदलाव होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, गौतम गंभीर के कोचिंग स्टाफ का कम से कम एक सदस्य टीम का साथ छोड़ सकता है, और उसने आईपीएल फ्रेंचाइजियों से भी बात करना शुरू कर दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इसके अलावा एक और कोच भी अपना पद छोड़ सकता है, हालांकि अभी तक किसी भी कोच का नाम सार्वजनिक नहीं हुआ है। भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ को 2+1 साल का कॉन्ट्रैक्ट मिला हुआ है, जिससे पहले दो साल के बाद कोच अपने कॉन्ट्रैक्ट को आगे बढ़ाने का विकल्प चुन सकते हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कोचिंग का पद छोड़ने की मुख्य वजह आयरलैंड-इंग्लैंड सीरीज में मिली हार नहीं है। बल्कि, साउथ अफ्रीका के खिलाफ घर में दो टेस्ट मैचों में मिली हार के बाद से ड्रेसिंग रूम में दरारें और गहरी हो गई हैं, और इस समय टीम के भीतर का माहौल बहुत अच्छा नहीं है। सिलेक्टर्स और कोचिंग स्टाफ के बीच बढ़ते मतभेदों ने इस स्थिति को और भी जटिल बना दिया है। जुलाई 2024 में गौतम गंभीर ने अपने कोचिंग स्टाफ के साथ भारतीय टीम को ज्वाइन किया था, जिसमें मोर्ने मोर्कल थोड़ी देरी से जुड़े थे। यह भी पता चला है कि साईराज बहुताले को स्पिन-बॉलिंग कोच के तौर पर कोचिंग सेटअप में शामिल करना कोई कामचलाऊ व्यवस्था नहीं थी; उन्होंने पहले 2024 के श्रीलंका दौरे के लिए अंतरिम बॉलिंग कोच के तौर पर काम किया था, जब मोर्कल एक पारिवारिक इमरजेंसी के कारण टीम में शामिल नहीं हो पाए थे।

हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सपोर्ट स्टाफ के सदस्यों के संभावित जाने की वजह से ही इंडियन क्रिकेट बोर्ड ने जिम्बाब्वे के साथ छोटी सीरीज के लिए अलग कोच भेजे होंगे, जिसमें वीवीएस लक्ष्मण को भेजा गया है। एक जाने-माने सूत्र ने इस कदम पर सवाल उठाते हुए कहा कि गंभीर की लीडरशिप वाले सपोर्ट स्टाफ को आईपीएल के दौरान लंबा ब्रेक मिला था, और जिम्बाब्वे सीरीज उनका सिर्फ चौथा असाइनमेंट होता, जो बहुत छोटा होता।

एक बार और लौटना चाहते है नोवाक जोकोविच

लंदन। नोवाक जोकोविच को विंबलडन के पुरुष एकल के दूसरे सेमीफाइनल में शुक्रवार को दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जैनिक सिनर के खिलाफ सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बावजूद, जोकोविच ने संन्यास की अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा है कि वह विंबलडन में कम से कम एक बार और लौटना चाहेंगे। जोकोविच ने यह भी स्पष्ट किया कि वह अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब को जीतने की कोशिश जारी रखेंगे। सात बार के चैंपियन जोकोविच का 39वीं बार ग्रैंड स्लैम के सिंगल्स फाइनल में खेलने का सपना पूरा नहीं हो सका। सर्बिया के इस स्टार खिलाड़ी को सिनर ने 6-4, 6-4, 6-4 से हराते हुए फाइनल में जगह बनाई। पूरे मुकाबले में सिनर ने शानदार खेल दिखाया और जोकोविच को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। मैच खत्म होने के बाद जब जोकोविच सेंटर कोर्ट से बाहर निकले तो दर्शकों ने खड़े होकर उनके लिए तालियां बजाईं, जिसके तुरंत बाद यह कयास लगाए जाने लगे कि जोकोविच ने शायद विंबलडन में अपना आखिरी मैच खेल लिया है।

हालांकि, जोकोविच ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा, मैं कम से कम एक बार और विंबलडन में खेलना चाहता हूं। आगे क्या होगा, यह समय बताएगा। 39 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने माना कि यह हार निराशाजनक रही, लेकिन इससे उनका हौसला कम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य अब भी विंबलडन जीतना है और इसी वजह से वह लगातार मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा, मैं निश्चित रूप से निराश हूं क्योंकि मैं यह टूर्नामेंट जीतना चाहता था। यही कारण है कि मैं खुद को लगातार बेहतर बनाने के लिए मेहनत करता हूं। जोकोविच ने इस टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन के सकारात्मक पहलुओं पर भी बात की। उन्होंने खास तौर पर क्वार्टर फाइनल में फेलिक्स ऑगर-

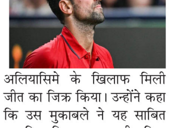

अलियासिमे के खिलाफ मिली जीत का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस मुकाबले ने यह साबित कर दिया कि वह आज भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ जीत दर्ज करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने गर्व से कहा, मुझे अपने प्रदर्शन पर गर्व है। मैंने खुद को और बाकी लोगों को दिखाया कि मैं अब भी सबसे ऊंचे स्तर पर खेल सकता हूं।

जोकोविच ने यह भी स्वीकार किया कि सेमीफाइनल में वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं दिखा सके। उन्होंने कहा कि सिनर ने शानदार प्रदर्शन किया और जीत के पूरी तरह हकदार थे। जोकोविच के अनुसार, हार का दुख जरूर है, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनका रवैया, संघर्ष और समर्पण सकारात्मक रहा। उन्होंने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, आज मैं अपने मनचाहे स्तर का खेल नहीं दिखा पाया। इसका थोड़ा अफसोस रहेगा, लेकिन अब आगे बढ़ने का समय है। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच का आखिरी बड़ा खिताब पिछले साल यूएस ओपन में आया था। अब उनकी नजर इस साल होने वाले यूएस ओपन पर होगी, जहां वह रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। अगर वह यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं तो सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने के मामले में मार्गरेट कोर्ट से आगे निकल जाएंगे। जोकोविच ने यह भी कहा कि वह किसी दबाव में नहीं खेल रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह सिर्फ इसलिए कोर्ट पर उतरते हैं, क्योंकि उन्हें अब भी टेनिस से प्यार है और उन्हें भरोसा है कि वह शीर्ष खिलाड़ियों के साथ मुकाबला कर सकते हैं। उन्होंने आखिर में कहा, मुझ पर खेलने का कोई दबाव नहीं है। मैं इसलिए खेलता हूं क्योंकि मैं खेलना चाहता हूं। मुझे विश्वास है कि मैं आज भी दुनिया के टॉप-10 और टॉप-5 खिलाड़ियों के स्तर का टेनिस खेल सकता हूं।

स्टील प्लांट में देरी पर बोले सौरव गांगुली, कहा- उद्योग लगाना आसान नहीं, परियोजना पर काम जारी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने अपने प्रस्तावित स्टील प्लांट में हो रही देरी को लेकर उठ रहे सवालों पर पहली बार विस्तार से प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े औद्योगिक प्रोजेक्ट को पूरा होने में समय लगता है और केवल तारीखों के आधार पर उसकी प्रगति का आकलन नहीं किया जा सकता। गांगुली का कहना है कि आलोचनाओं के बावजूद उनका पूरा ध्यान परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करने पर है। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान सौरव गांगुली ने कहा कि हर आलोचना का जवाब देना संभव नहीं होता। उनके अनुसार, उद्योग स्थापित करने की प्रक्रिया लंबी और जटिल होती है, जिसमें कई तरह की सरकारी स्वीकृतियां, पर्यावरण संबंधी मंजूरियां और प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी करनी पड़ती हैं। उन्होंने कहा कि लोग क्या कहते हैं, इसे नियंत्रित नहीं किया जा सकता, इसलिए वह अपनी ऊर्जा केवल काम पर केंद्रित रखना बेहतर समझते हैं। गांगुली ने यह भी स्पष्ट किया कि जिस परियोजना को लेकर चर्चा हो रही है, वह शालबनी में नहीं बल्कि झारग्राम क्षेत्र में विकसित की जा रही है। उन्होंने बताया कि परियोजना पर लगातार काम चल रहा है और उम्मीद है कि अगले एक वर्ष के भीतर इसका निर्माण पूरा हो जाएगा।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण ने ट्रस्ट के भीतर गहरा विवाद पैदा कर दिया, ट्रस्ट में तेज हुई खींचतान...

ना कोई बात और ना मुलाकात पदाधिकारियों के बीच बढ़ी दूरी

चंपत और गोविंद देव गिरि के निशाने पर अनिल मिश्रा

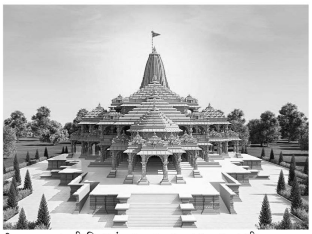

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण ने अब केवल जांच तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि इस मामले ने इस मामले ने अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के भीतर भी खींचतान तेज कर दी है। ट्रस्ट से जुड़े सूत्रों के अनुसार मामले के निवर्तमान महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। दोनों अपनी-अपनी भूमिका को लेकर स्थिति स्पष्ट करने में जुटे हैं। सूत्रों के मुताबिक आरोप-प्रत्यारोप के इस दौर में चंपत राय और अनिल मिश्रा के बीच सामान्य संवाद भी लगभग बंद बताया जा रहा है। सूत्रों का दावा है कि चोरी का मामला उजागर होने के बाद से दोनों की मुलाकात भी नहीं हुई है। जिससे तमाम तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

चंपत राय ने दो पत्र लिखकर रखा अपना पक्ष

7 जुलाई को चंपत राय ने दो अलग-अलग पत्र जारी कर अपने ऊपर लगाए जा रहे आरोपों पर प्रतिक्रिया दी।उन्होंने कहा कि उन्होंने फिलहाल मौन धारण किया है और एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद सभी आरोपों का क्रमवार जवाब देंगे। इसी दौरान उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' प्रोफाइल पर रामचरितमानस की प्रसिद्ध चौपाई धीरज, धर्म, मित्र अरु नारी, आपद काल परखिए चारीको शीर्षक के रूप में लिखा और उसके साथ अपना पत्र साझा किया।

एसओपी और एमओयू पर उठाए सवाल

उसी दिन चंपत राय का एक अन्य पत्र भी सामने आया, जिसमें उन्होंने चढ़ावा गणना प्रक्रिया से जुड़े स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) और एमओयू को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए।पत्र में उन्होंने कहा कि चढ़ावा गणना व्यवस्था से संबंधित यह समझौता ट्रस्ट सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा और तत्कालीन बैंक शाखा प्रबंधक गोविंद मिश्रा के बीच हुआ था। उनका दावा है कि उन्हें इस समझौते की जानकारी तक नहीं थी। उन्होंने यह भी लिखा कि चोरी की राशि बरामद होने के बाद 13 जून को ट्रस्ट के लेखा कार्यालय ने उन्हें यह एमओयू उपलब्ध कराया।

दस्तावेज पर चंपत राय के हस्ताक्षर नहीं

चंपत राय ने पत्र में लिखा कि इस दस्तावेज़ पर उनके हस्ताक्षर नहीं हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब ट्रस्ट के अन्य सभी महत्वपूर्ण समझौता पत्रों पर उनके हस्ताक्षर होते रहे हैं, तो इस एमओयू पर उन्हें क्यों शामिल नहीं किया गया। उनका कहना है कि यदि उस समय वे अयोध्या में मौजूद नहीं थे तो दस्तावेज पर हस्ताक्षर के लिए उनकी प्रतीक्षा की जानी चाहिए थी। इस पत्र को चंपत राय द्वारा अपनी जिम्मेदारी से दूरी बनाने और अप्रत्यक्ष रूप से डॉ. अनिल मिश्रा एवं संबंधित बैंक अधिकारियों पर सवाल खड़े करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

गोविंद देव गिरि महाराज ने भी खड़े किए सवाल

इस बीच ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज पहले ही सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि दानपात्रों की जिम्मेदारी डॉ.अनिल मिश्रा के पास थी और उससे जुड़े सवाल उन्हीं से पूछे जाने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि कोष में धन जमा होने से पहले तक उसकी जिम्मेदारी उनकी नहीं होती।

ट्रस्ट के भीतर जिम्मेदारी तय करने की कवायद

सूत्रों का कहना है कि इस बयान को भी ट्रस्ट के भीतर जिम्मेदारी तय करने की कवायद और अप्रत्यक्ष रूप से डॉ. अनिल मिश्र की घेराबंदी के तौर पर देखा गया। सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा चोरी प्रकरण सामने आने के बाद से ट्रस्ट के शीर्ष पदाधिकारियों के बीच दूरी लगातार बढ़ी है। चंपत राय पहले ही सार्वजनिक रूप से मौन रहने की बात कह चुके हैं, जबकि डॉ. अनिल मिश्रा की ओर से इन आरोपों पर अभी तक कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

शरद पवार की शिंदे से मुलाकात- विपक्ष के गणित पर गहराया संकट

मुंबई,। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की विधान भवन परिसर में हुई मुलाकात ने सियासत में भूचाल ला दिया है। इस भेंट के बाद शरद पवार के पाला बदलने की अटकलों को बल मिला है, जिससे विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) में खलबली मच गई है। कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) जैसे घटक दलों ने इस पर खुलकर नाराजगी जाहिर की है। मुलाकात के बाद महाविकास अघाड़ी में आंतरिक टकराव की स्थिति बनी है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने पवार पर गद्दारों को राजनीतिक मान्यता देने का आरोप लगाया। राउत ने डिप्टी सीएम शिंदे से पवार की मुलाकात पर तीखी आलोचना करते हुए कहा कि, शरद पवार निसंदेह एक बड़े और सम्मानित नेता हैं, लेकिन जिस व्यक्ति ने हमारी सरकार गिराई, उसके दफ्तर में बैठक करने से उनके राजनीतिक कद की विश्वसनीयता कमजोर होती है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब विधान भवन में कई अन्य विकल्प मौजूद थे, तब पवार ने बैठक के लिए शिंदे का चैंबर क्यों चुना।

इस मुलाकात के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या शरद पवार सचमुच पाला बदलने वाले हैं, अगर ऐसा होता है, तब आगामी लोकसभा चुनाव में विपक्ष का गणित पूरी तरह बिगड़ सकता है। महाराष्ट्र में लोकसभा की कुल 48 सीटें हैं। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, महाविकास अघाड़ी के पास कांग्रेस के 13, शरद पवार की एनसीपी के 8 और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के 3 सांसद हैं। वहीं महायुति में भाजपा के 9, एकनाथ शिंदे की शिवसेना के 13 और अजित पवार गुट के 1 सांसद हैं। यदि शरद पवार के 8 सांसद महायुति का हिस्सा बनते हैं, तब यह विपक्षी गठबंधन के लिए बड़ा झटका होगा और राज्य में राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल जाएंगे। देश की राजनीति में हाल के दिनों में सांसदों के दल बदलने की कई घटनाएं देखी गई हैं, जिससे इन अटकलों को और बल मिल रहा है।

सुरक्षा नियमों में ढिलाई पर इंडिगो को डीजीसीए की चेतावनी

नई दिल्ली,। देश की प्रमुख विमानन कंपनी इंडिगो एक बार फिर सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की जांच के दायरे में आ गई है। इस बार नियामक ने एयरलाइन को खतरनाक सामान (डेंजरस गुड्स) की हैंडलिंग और इंजीनियरिंग स्टोरेज से जुड़े सुरक्षा नियमों के पालन में पाई गई कमियों पर चेतावनी जारी की है। डीजीसीए ने फिलहाल कोई आर्थिक दंड नहीं लगाया है, लेकिन एयरलाइन को एक महीने के भीतर सुधारात्मक कदम उठाकर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। डीजीसीए के विशेष ऑडिट में पाया गया कि कुछ मामलों में खतरनाक सामान के भंडारण और परिवहन से संबंधित निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं तथा स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) का पूरी तरह पालन नहीं किया गया। जांच के दौरान एयरलाइन ने भी एक ऐसी घटना का उल्लेख किया, जिसमें विमान में भेजे गए खतरनाक सामान से जुड़ी समस्या सामने आई थी। इसके बाद नियामक ने सुरक्षा मानकों के अनुपालन को लेकर सख्त रुख अपनाया। यह पहला अवसर नहीं है जब इंडिगो पर डीजीसीए ने कार्रवाई की हो। जनवरी 2026 में दिसंबर 2025 के दौरान बड़ी संख्या में उड़ानों के रद्द होने और विलंब के मामलों में परिचालन योजना, क्रू प्रबंधन और नियामकीय तैयारियों में गंभीर कमियां मिलने पर एयरलाइन पर 22.20 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड जुर्माना लगाया गया था। साथ ही भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए 50 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी भी मांगी गई थी।

अधिकारियों को भी मिल चुका है कारण बताओ नोटिस

इसके अलावा अक्टूबर 2025 में पायलट प्रशिक्षण और श्रेणी-सी हवाई अड्डों पर परिचालन संबंधी नियमों के उल्लंघन पर इंडिगो पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। वहीं दिसंबर 2025 में उड़ान रद्द होने के संकट के दौरान एयरलाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सहित वरिष्ठ अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था और कंपनी के परिचालन पर विशेष निगरानी रखी गई थी।

नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने तय की 39 जरूरी दवाओं की कीमत

बीपी, हार्ट से लेकर डायबिटीज की दवाएं 40 प्रतिशत तक सस्ती

नई दिल्ली। अगर आपके घर में कोई डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारी या कमजोर हड्डियों की समस्या से जूझ रहा है, तो यह खबर आपके लिए राहत लेकर आई है। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली 39 जरूरी दवाओं की अधिकतम खुदरा कीमत तय कर दी है। इसका मतलब है कि अब इन दवाओं को तय सीमा से ज्यादा कीमत पर नहीं बेचा जा सकेगा। इस फैसले के बाद कई दवाएं 20 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक सस्ती हो सकती हैं।

यह फैसला ड्रग्स (प्राइसेस कंट्रोल) ऑर्डर , 2013 के तहत लिया गया है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जीवनरक्षक और जरूरी दवाएं हर मरीज को किफायती दाम पर मिल सकें। खास बात यह है कि इस सूची में वही दवाएं शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल देश में सबसे ज्यादा होता है और जिन्हें लाखों मरीज रोजाना इस्तेमाल करते हैं। नई सूची में शामिल दवाएं मुख्य रूप से हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज, डायबिटीज, कैल्शियम की कमी, आंखों के संक्रमण और रेबीज जैसी आपात स्थितियों के इलाज में इस्तेमाल होती हैं। इन बीमारियों का इलाज अक्सर लंबे समय तक चलता है। ऐसे में दवा की कीमत में थोड़ी सी कमी भी महीने और साल भर में मरीजों की जेब पर बड़ा असर डालती है। अब दवा कंपनियां और मेडिकल स्टोर इन दवाओं को नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी द्वारा तय अधिकतम कीमत से ज्यादा में नहीं बेच सकेंगे। कंपनियों को दवाओं के पैकेट पर नया नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी भी अपडेट करना होगा, ताकि मरीज सही कीमत जान सकें।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर । समाज । गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

समूह के पैसों के विवाद में महिला से मारपीट दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डोंगरिया के बूटा टोला में समूह के पैसे जमा नहीं करने को लेकर एक महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोपी ने को जान से मार डालने की धमकी भी दी। पीड़िता की रिपोर्ट पर बिरसा पुलिस ने आरोपी महिला सीमा पति मुकेश धुर्वे के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम डोंगरिया निवासी शशि कला कुशरे खेती-किसानी के साथ घरेलू काम करती हैं। इनका गांव की ही सीमा धुर्वे से महिला स्व-सहायता समूह के पैसों को लेकर पहले से विवाद चल रहा था।9 जुलाई को दोपहर करीब 1:00 बजे शशि कला अपनी साथी बुदन बाई के साथ ग्राम पंचायत डोंगरिया जा रही थी। इसी दौरान वह जब सीमा धुर्वे के घर के पास पहुंची तो सीमा घर से निकलकर रोड पर आ गई। सीमा ने शशि कला से कहा मैंने तुमको समूह के पैसे पटाने के लिए 20 हजार रुपये दिए थे, तुमने समूह का पैसा क्यों नहीं पटाया। इसके बाद वह शशि कला को अश्लील गालियां देने लगी।शशि कला ने गाली देने से मना किया और कहा कि तुमने मुझे कोई पैसे नहीं दिए हैं। इसी बात पर सीमा आवेश में आ गई और शशि कला के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट करने लगी।मारपीट में शशि कला के दाहिने हाथ के अंगूठे में चोट आई। इसके अलावा कलाई के पास और गले के पीछे खरोंच भी आई। हल्ला सुनकर आसपास के मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया।जाने से पहले सीमा ने समूह का पैसा जमा नहीं करने पर जांच से मार डालने की धमकी दे दी।घटना के बाद शशि कला ने घर जाकर पूरी बात अपने पति मोहनसिंह को बताई। उसी दिन बारिश और साधन नहीं मिलने के कारण वह थाने रिपोर्ट दर्ज कराने नहीं पहुंच सकी।10 जुलाई को शशि कला अपने पति मोहन सिंह और घटना की गवाह बुदन बाई के साथ बिरसा पुलिस थाना पहुंची और लिखित शिकायत दी।बिरसा पुलिस ने शशि कला की शिकायत पर सीमा पति मुकेश धुर्वे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना जारी है और पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

अतिक्रमण हटाने पहुंचे पंच व राजस्व अमले पर हमला

रात में हुआ पलटवार पंच ने की साथियों के साथ मारपीट, दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज, किरनापुर थाने के ग्राम साल्हे की घटना

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट/किरनापुरथाना क्षेत्र के ग्राम साल्हे में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि दिन में राजस्व अमले के साथ पहुंचे गांव के पंच, पुलिस पटेल सहित तीन लोगों के साथ मारपीट की गई। इसके कुछ घंटे बाद रात में पंच अपने साथियों के साथ दूसरे पक्ष के लोगों के साथ भी मारपीट की वारदात को अंजाम दिए। दोनों घटनाओं में कुल सात लोग घायल हुए हैं। किरनापुर पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम का विरोध सहित पंच, पुलिस पटेल से मारपीट

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम साल्हे में कुछ लोगों द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किए जाने की शिकायत के बाद 10 जुलाई को तहसील किरनापुर से पटवारी मनीष गायकवाड़ राजस्व अमले के साथ अतिक्रमण हटाने पहुंचे थे। कार्रवाई में सहयोग के लिए सरपंच ने वार्ड क्रमांक 12 के पंच टीकाराम कावरे को बुलाया था। पंच टीकाराम कावरे, ग्राम कोटवार महेंद्र रामटेक तथा पुलिस पटेल जयचंद सिंहनधुपे के साथ देव नदी किनारे स्थित शंकर मंदिर के पास पहुंचे। जहां कथित अतिक्रमणकर्ता अपने साथियों के साथ मौजूद थे। राजस्व टीम को देखते ही दूसरे पक्ष के लोग आक्रोशित हो गए और पंच टीकाराम कावरे को अश्लील गालियां देते हुए यह कहने लगे कि गांव का व्यक्ति होकर वह पटवारी का साथ दे रहा है। जब टीकाराम ने गाली-गलौज का विरोध किया तो रंगलाल पांचे और सालिकराम पांचे ने लकड़ी से उनकी पिटाई कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे पुलिस पटेल जयचंद सिंहनधुपे के साथ भी सुरेश खरे और नेतलाल खरे ने हाथ-मुक्कों से मारपीट की। इसी दौरान बीच-बचाव करने आए जगत कावरे पर भी नेतलाल खरे ने लकड़ी से हमला कर दिया।इस घटना में पंच टीकाराम कावरे, पुलिस पटेल जयचंद सिंहनधुपे और जगत कावरे घायल हो गए। आरोप है कि आरोपियों ने दोबारा अतिक्रमण हटाने आने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

पुलिस ने पांच आरोपियों पर दर्ज किया मामला

घटना के बाद घायल टीकाराम कावरे, पुलिस पटेल जयचंद सिंहनधुपे, जगत कावरे तथा गांव के सरपंच और उपसरपंच किरनापुर थाना पहुंचे। पुलिस ने घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार कराया। टीकाराम कावरे की शिकायत पर रंगलाल पांचे, सालिकराम पांचे, सुरेन्द्र खरे, मोतीलाल खरे और नेतलाल खरे सहित अन्य आरोपियों के विरुद्ध मारपीट, गाली-गलौज तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया।

रात में दूसरे पक्ष ने दर्ज कराई पलट शिकायत- पंच और उसके साथियों ने की मारपीट

इसी विवाद के चलते रात करीब 8:30 बजे दूसरी मारपीट की घटना सामने आई। दूसरे पक्ष के दुर्गेश कावरे वल भोजन करने के बाद अपने घर के सामने बैलगाड़ी पर बैठा था। तभी पंच टीकाराम कावरे अपने साथ त्रिवेंद्र पंचेश्वर, अरुण बिसेन, रामप्रसाद कावरे और तपेश कावरे के साथ वहां पहुंचे और कथित रूप से गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी तथा हाथ-मुक्कों से उसकी पिटाई कर दी। दुर्गेश को बचाने पहुंचे सुरेश खरे के साथ भी मारपीट की गई। शोर सुनकर बाहर आई फूलवंती खरे के साथ धक्का-मुक्की की गई, जबकि श्याम किशोर खरे को भी लाठी से मारकर घायल कर दिया गया। इस घटना में दुर्गेश कावरे, सुरेश खरे, फूलवंती खरे और श्याम किशोर खरे घायल हुए।

दूसरे पक्ष के खिलाफ भी एफआईआर

घटना के बाद सभी घायल किरनापुर थाना पहुंचे, जहां पुलिस ने उनका चिकित्सीय परीक्षण कराया। दुर्गेश कावरे (32 वर्ष) की शिकायत पर टीकाराम कावरे, त्रिवेंद्र पंचेश्वर, अरुण बिसेन, रामप्रसाद कावरे और तपेश कावरे के विरुद्ध मारपीट, गाली-गलौज तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस कर रही मामले की जांच

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान शुरू हुआ विवाद बाद में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर लिए गए हैं तथा मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जांच के बाद साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

24 घंटे से लापता 3 वर्षीय मासूम का नदी में मिला शव

खेलते खेलते पहुंचा था नदी किनारे फिसलने से डूबने की आशंका

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भुआ में उस समय शोक और सनसनी का माहौल बन गया, जब करीब 24 घंटे से लापता तीन वर्षीय मासूम प्रज्वल पिता राहुल जामरे का शव गांव के समीप स्थित सोन नदी से बरामद हुआ। सूचना मिलने पर किरनापुर पुलिस मौके पर पहुंची। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और पोस्टमार्टम उपरांत परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भुआ निवासी गरीबदास जामरे अपने परिवार के साथ खेती-किसानी करते हैं। परिवार में उनके दो पुत्र राहुल जामरे और ऋतिक जामरे हैं। राहुल जामरे के दो बच्चे हैं।जिनमें तीन वर्ष छह माह का पुत्र प्रज्वल जामरे और छोटी बेटी पलक शामिल हैं। पूरा परिवार एक साथ निवास करता है।बताया गया कि 10 जुलाई को परिवार के अधिकांश सदस्य खेत में परहा लगाने के लिए गए हुए थे। घर पर राहुल जामरे, उनकी मां रमसुला बाई और दोनों बच्चे मौजूद थे। दोपहर के समय प्रज्वल घर में खेल रहा था। खेलते-खेलते वह अचानक घर से बाहर निकल गया और लापता हो गया। काफी देर तक परिजनों ने उसकी तलाश की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।शाम तक बच्चे का पता नहीं लगने पर परिजनों ने किरनापुर थाना पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने गुम इंसान कायम करने के साथ ही अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपहरण की आशंका के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर तलाश शुरू कर दी।11 जुलाई की सुबह पुलिस और परिजन एक बार फिर बच्चे की तलाश में जुटे। इसी दौरान गांव के समीप नदी की ओर छोटे-छोटे पैरों के निशान दिखाई दिए। निशानों का पीछा करते हुए परिजन नदी तक पहुंचे।जहां उन्होंने पानी में मासूम प्रज्वल का शव देखा। सूचना मिलते ही किरनापुर पुलिस थाना से सहायक उप निरीक्षक रमेश माहुले अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी की।प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि मासूम प्रज्वल खेलते-खेलते नदी किनारे पहुंच गया होगा और फिसलकर गहरे पानी में गिरने से उसकी डूबकर मौत हो गई। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा।किरनापुर पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- माईनिंग इंजीनियरिंग
- सिविल इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

ADMISSION OPEN

नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

ग्रेसियस कॉलेज

2026-27 ADMISSION OPEN
SC ,ST, OBC वर्ग के विद्यार्थियों को म. प्र. शासन के नियमानुसार छात्रवृत्ति
नर्सिंग
बी.एस.सी. नर्सिंग
4 वर्षीय डिग्री
मान्यता : आई.एन. सी. नई दिल्ली, म.प्र. नर्सिंग रजि. काउंसिल भोपाल, राजा शंकरशाह वि. वि. छिंदवाड़ा
फार्मेसी
बी.फार्मा. 4 वर्षीय डिग्री
2 वर्षीय डिप्लोमा डी.फार्मा.
मान्यता : पी.सी.आई. नई दिल्ली, आर.जी.पी.वी. भोपाल, डी.टी.ई. भोपाल
योग्यता : 12 वी उत्तीर्ण (जीव विज्ञान/गणित संकाय)
73820 53000 / 73820 54000
आर.टी.ओ.ऑफिस के पास, वारासिवनी रोड , बरबसपुर - कायदी,बालाघाट म.प्र.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट